प्रातःकालीन संस्करण
वर्ष- 10 अंक- 354
पृष्ठ-08 मूल्य- 2 रुपया

सोमवार 02 दिसम्बर 2024
कानपुर
विक्रम सम्वत् 2081

तापमान
अधिकतम 26°
न्यूनतम 12°

हिन्दी दैनिक

खरी कसौटी

कानपुर, लखनऊ, नई दिल्ली एवं देहरादून से प्रकाशित

E-paper: www.kharikasauti.com

कानपुर संस्करण

बुलंद आवाज सच्चाई के साथ

RNI NO. UPHIN/2014/58320

शिक्षा से सामाजिक विकार दूर... 03 | भारत में नौकरियों की कमी... 04 | दिल्ली चुनाव में कांग्रेस से हम... 08

आंध्र प्रदेश में भंग किया गया राज्य वक्फ बोर्ड

नायडू ने चौंकाया

- चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई वाली टीडीपी सरकार ने लिया चौंकाने वाला फैसला

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने एक अहम फैसले में राज्य के वक्फ बोर्ड को भंग कर दिया है। इस बोर्ड का गठन पूर्ववर्ती जगनमोहन सरकार के कार्यकाल में हुआ था।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई वाली टीडीपी-जेएसपी की सरकार ने राज्य के वक्फ बोर्ड को तत्काल प्रभाव भंग कर दिया है। इसका नाम आंध्र प्रदेश स्टेट वक्फ बोर्ड था। मौजूद आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड में कुल 11 सदस्य थे, जिनमें से तीन निर्वाचित और बाकी आठ मनोनीत थे। 30 नवंबर के एक आदेश में राज्य सरकार ने वाईएसआरसी सरकार में गठित एपी राज्य वक्फ बोर्ड पर लिए गए एक्शन की जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि यह मार्च 2023 से निष्क्रिय था। राज्य सरकार के इस कदम के पीछे कई कारण गिनाए जा रहे हैं। इनमें कहा जा रहा है कि सरकार के पिछले जीओ 47 के खिलाफ हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई थीं।

राज्य के कानून एंव अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने वक्फ बोर्ड को भंग किए जाने की पुष्टि की है। मौजूदा वक्फ बोर्ड को भंग किए जाने के बाद उम्मीद की जा रही है कि राज्य सरकार नए ढंग से बोर्ड का गठन कर सकती है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने कहा कि सभी पहलुओं और उच्च न्यायालय के आदेश पर विचार करने के बाद जीओ वापस लेती है।

संसेक्स

79,802
निफ्टी
24,131

संक्षिप्त

हमारी लड़ाई देश की आत्मा के लिए: प्रियंका गांधी

वायनाड। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने रविवार को वायनाड के मनंतवाडी में एक रैली की। उन्होंने इस रैली को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा नीत केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर करके उसे अपने व्यापारी मित्रों के हवाले कर रही है। प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस अपने राष्ट्र की भावना के लिए लड़ रही है। मनंतवाडी में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा आज हम अपने राष्ट्र की भावना, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं जो हमारे देश की नींव पर बनी संस्थाओं को नष्ट करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। प्रियंका गांधी ने लोगों के साथ रहने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने का वादा किया। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, आपके प्यार, समर्थन और मुझे अपना सांसद बनाने के लिए आपका धन्यवाद। यूडीएफ कार्यकर्ताओं ने मेरी जीत के लिए बहुत मेहनत की। मैं उन सभा का धन्यवाद करती हूं। बता दें कि प्रियंका गांधी वायनाड की दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरे में राहुल गांधी भी उनके साथ हैं।

नाराजगी की अटकलों के बीच शिंदे ने तोड़ी चुप्पी

भाजपा के हर फैसले को हमारा पूरा समर्थन: शिंदे

मुम्बई वापस पहुंचे शिंदे

- एकनाथ शिंदे बोले- सीएम उम्मीदवार का फैसला कल होगा, मैंने बिना शर्त भाजपा नेतृत्व को दिया समर्थन

मुम्बई, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद सभी को नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री के नाम का इंतजार है। इन सबके बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अचानक सतारा जाने पर कई सवाल खड़े हो रहे थे। जिसके बाद आज एकनाथ शिंदे ने खुद के सतारा जाने की वजह बताई है। एकनाथ शिंदे ने कहा, व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था, मैंने सीएम के तौर पर अपने 2.5 साल के कार्यकाल में कोई छुट्टी नहीं ली। इसी वजह से मैं बीमार हुआ, हालांकि मैं अब ठीक हूं। उन्होंने आगे कहा- लोग मुझसे मिलने के लिए यहां आते हैं, यह सरकार लोगों की बात सुनेगी।

राज्य के कार्यवाहक सीएम ने राज्य में सरकार के गठन को लेकर कहा कि, मैंने पार्टी (भाजपा) नेतृत्व को बिना शर्त समर्थन दिया है और मैं उनके फैसले का समर्थन करूंगा। पिछले 2.5 सालों में हमारी सरकार के काम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। यही वजह है कि लोगों ने हमें ऐतिहासिक जनादेश दिया है और विपक्ष को विपक्ष का नेता चुनने का मौका नहीं दिया। शिंदे ने कहा, महायुति के तीनों सहयोगी दलों में अच्छी समझ है... सीएम उम्मीदवार का फैसला कल होगा। राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला महायुति और महा विकास अघाड़ी गठबंधनों के बीच था। जिसमें महायुति ने बाजी मारते हुए 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें भाजपा ने अकेले 132 सीट, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 57 और अजित पवार गुट की एनसीपी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। महायुति गठबंधन के तीनों घटक दल भाजपा, शिवसेना और एनसीपी क्रमशः राज्य की शीर्ष तीन पार्टियां हैं।

वहीं इसके उलट महा विकास अघाड़ी को 288 सीटों में से मात्र 46 सीटें ही हासिल की है। इसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने 20 सीट, कांग्रेस ने 16 और शरद पवार की एनसीपी-एसपी ने सिर्फ 10 ही सीटें विधानसभा चुनाव में जीती है। वहीं राज्य के विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने वाली अन्य राजनीतिक दलों की बात करें, तो इसमें समाजवादी पार्टी ने और जन सुराज्य शक्ति ने दो-दो सीटें जीतीं हैं। जबकि राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष, एआईएमआईएम, सीपीआई (एम), पीडब्ल्यूपीआई, राजर्षि साहू विकास अघाड़ी को एक-एक सीटें मिली हैं। वहीं दो सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है।

संभल एसपी ने न्यायिक आयोग को बताया हिंसा का सीन

हिंसा की जांच करने संभल पहुंची न्यायिक आयोग टीम

- 3 मेंबर्स की टीम में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस डीके अरोड़ा, पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन और रिटायर्ड प्रमुख सचिव अमित मोहन प्रसाद शामिल

दो माह चलेगी जांच

- न्यायिक आयोग की टीम अगले सप्ताह फिर आएगी, हिंसा मामले में अफसरों और पीड़ितों के दर्ज करेगी बयान

संभल। संभल हिंसा की जांच के लिए न्यायिक आयोग की टीम रविवार को जामा मस्जिद पहुंच गई है। 3 मेंबर्स की टीम में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस डीके अरोड़ा, यूपी के पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन और रिटायर्ड प्रमुख सचिव अमित मोहन प्रसाद हैं। अमित मोहन आज नहीं पहुंच पाए। टीम ने सबसे पहले हिंसा प्रभावित जामा मस्जिद के बाहर का निरीक्षण किया और फिर मस्जिद के अंदर गई। एसपी कृष्ण विश्नोई ने टीम को ब्रीफ किया।

उन्होंने बताया कि 24 नवंबर के दिन किन घरों से पथराव हुआ और कहां से हिंसा की शुरुआत हुई। कमिश्नर, डीआईजी और डीएम भी साथ रहे। इससेप पहले कल शनिवार को शाही जामा मस्जिद मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने चंदौसी कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था। एएसआई के वकील विष्णु शर्मा ने कहा- यहां प्राचीन इमारत और पुरातत्व अवशेषों के संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन किया गया। मस्जिद के बाहर सीढ़ियों पर जो निर्माण करवाया गया है, उसके खिलाफ पहले से एफआईआर दर्ज है।

आयोग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या पिछली 24 नवंबर को हुई हिंसक झड़पें स्वतःस्फूर्त थीं या किसी सुनियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थीं। इसके साथ ही स्थिति को संभालने में पुलिस और प्रशासन की तैयारियों की भी जांच होगी। आयोग हिंसा के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों का भी विश्लेषण करेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों की सिफारिश करेगा। मुरादाबाद कमिश्नर ऑन्जनेय सिंह ने कहा-जांच आयोग के अध्यक्ष और सदस्य ने हिंसा प्रभावित इलाके का दौरा किया। लोगों से बात की। उन्होंने हमसे जो भी सवाल पूछे, हमने उनका जवाब दिया। उस क्षेत्र का भी निरीक्षण किया जहां सबसे अधिक गड़बड़ी हुई थी। उन्होंने ढांचे का भी दौरा किया। नुकसान का मूल्यांकन किया गया है। इसकी समीक्षा चल रही है। मुरादाबाद मंडल आयुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह ने कहा- आज न्यायिक जांच कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र अरोड़ा और एके जैन पहुंचे थे। टीम ने हिंसाग्रस्त इलाके का दौरा किया। इस दौरान जो भी लोग दिखाई दिए उनसे बातचीत की। मृतक के परिजनों से अभी कोई बात नहीं की गई। जांच टीम सिर्फ घटनास्थल का विजिट करने आई थी।

यूपी के पूर्व डीजीपी और अयोग की टीम के सदस्य एके जैन ने कहा-जांच जारी रहेगी, यह दो महीने तक जारी रहेगी। इससे पहले आयोग की टीम हिंसा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने के बाद पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पहुंच गई। यहां पर मुरादाबाद कमिश्नर, डीआईजी और संभल डीएम-एसपी से बातचीत की। आयोग की टीम सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के क्षेत्र में भी जांच करने पहुंची। पुलिस का कहना है कि यहां पर छतों से पथराव किया गया। इसमें कई पुलिसकर्मी जख्मी हुए थे। पुलिस ने हिंसा को लेकर एक एफआईआर दर्ज की है, उसमें बर्क पर हिंसा भड़काने का आरोप है। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में आयोग की टीम ने दुकानदारों से बातचीत की। हिंसा के दिन को लेकर सवाल किए।

हालांकि, ज्यादातर लोगों ने कहा कि हमारी दुकान के सामने पत्थर चल रहे थे। हम लोग दुकान बंद करके चले गए थे। जामा मस्जिद में निरीक्षण के बाद न्यायिक आयोग की टीम बाहर आ गई। टीम अब पैदल ही नखासा चौराहा जा रही है। नखासा चौराहा में भी 24 नवंबर को पथराव और हिंसा हुई थी।

संभल हिंसा मामले में राजनीतिक हमले जारी, एक दूसरे पर साधा निशाना

संभल हिंसा पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा संभल की घटना की न्यायिक जांच चल रही है, उच्च स्तरीय जांच चल रही है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निष्पक्ष जांच होगी। कोर्ट जो भी निर्देश देगा, हम उसका पालन करेंगे। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधा। कहा, समाजवादी पार्टी अपने गठन के बाद से ही गुंडों और माफियाओं के कब्जे में रही है। वे पहले पत्थर फेंकवाएंगे और जब दंगे हो जाएंगे तो राजनीतिक पर्यटन करने जाएंगे, प्रदेश की जनता उन्हें पहचान गई है। वहीं सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने हापुड़ में कहा, 'संभल में जो घटना हुई वह सरकार द्वारा कराई गई है, वे सीधे तौर पर मुसलमानों का मनोबल गिराना चाहते हैं। भाजपा कोई विकास नहीं कर रही, वह सिर्फ अपराधियों को संरक्षण देकर दंगे भड़काने का काम कर रही है। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, कहीं विकास कार्य नहीं हो रहा है, वह सिर्फ झूठ बोलते हैं। संभल हिंसा पर अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, 'संभल की घटना बेहद दुखद है। इस घटना से प्रदेश का भाईचारा और शांति व्यवस्था भी प्रभावित हुई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले के जरिए एक बड़ी घटना को होने से रोका है और प्रदेश में कानून का राज बहाल करने में मदद की है। हम संभल की घटना को संसद में भी उठाना चाहते थे, लेकिन सरकार ने अपनी कमियों को छिपाने के लिए संसद को चलने नहीं दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा- संभल की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कल हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां जाएगा और वहां जाकर हम वातावरण को देखेंगे। सरकार ने जानबूझकर यह कराया है।

सियासी हमला

मंत्री उपाध्याय बोले- मुलायम अपराध को मनोविज्ञान से जोड़ते थे, बेटा विज्ञान से

यूपी के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय रविवार को झांसी पहुंचे। संभल घटना को लेकर उन्होंने सपा पर निशाना साधा। कहा 'सपा का ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा अपराधियों को संरक्षण देने का रहा है। पहले मुलायम सिंह रेप के आरोपियों के लिए कहते थे कि इस उम्र में गलतियां हो जाती हैं। यानी अपराध को मनोविज्ञान से जोड़ते थे। अब उनके बेटे विज्ञान से जोड़ने लगे। जब एक रेपिस्ट पर योगी सरकार में कार्रवाई हुई तो वे कहने लगे कि पहले इसका नार्को-डीएनए टेस्ट होना चाहिए। यानी इनकी आदत में अपराधियों को संरक्षण देना है।संभल हिंसा पर ये सवाल नहीं किया कि घरों के ऊपर से पत्थर कौन मार रहा था? तमंचों से गोली कौन चला रहा था? कोर्ट के आदेश पर सर्वे होना चाहिए था। अगर कोई सत्य सामने आ रहा है तो उसमें छुपाने क्या? अगर वो लोग सही है तो होने दें। रामगोपाल ने कभी ये नहीं पूछा कि इन्होंने पत्थर क्यों मारे? ये पूंछ रहे हैं कि गोली क्यों चलाई। कानून व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए अपराधियों को पनपने नहीं दिया जाएगा।

नहीं होने देंगे किसी के भी साथ अन्याय : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन

- हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने को तत्पर और प्रतिबद्ध है सरकार : योगी ने दिलाया भरोसा

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। सबकी समस्या सुनकर सीएम ने कहा कि वह किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देंगे। हर पीड़ित की समस्या का निराकरण किया जाएगा, सबको न्याय मिलेगा। इसे लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी की समस्या का शीघ्रता से गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 300 लोगों से मुलाकात की। लोगों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए तत्पर और प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाएं और उनकी समस्याओं का समाधान कर उसे संतुष्ट करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जमीनी विवाद की शिकायतों पर सीएम योगी ने कहा कि यदि विवाद पारिवारिक हो तो संबंधित पक्षों के बीच वार्ता कराई जाए और बात न बनने पर विधिक कार्यवाही की जाए। यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों को प्यार, दुलार और आशीर्वाद दिया। बच्चों को अपने पास बुलाकर उनसे बातचीत की। नाम पूछने के साथ हंसी ठिठोली की। उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को सीएम ने चॉकलेट गिफ्ट कर विदा किया।

चक्रवात फेंगल ने तमिलनाडु में मचाई तबाही, 36 घंटे में साल भर के बराबर बारिश

चेन्नई, एजेंसी। चक्रवात फेंगल ने तमिलनाडु में काफी तबाही मचाई। राज्य के कुछ हिस्सों में तो 36 घंटों के भीतर साल भर के बराबर बारिश हो गई। कुछ इलाकों में इस दौरान लगभग 56 सेंटीमीटर बारिश हुई। तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश लखानी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने एएनआई को बताया भारी बारिश बीते कुछ समय तक जारी रही। कुछ इलाकों में कल सुबह 8:30 बजे से 56 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। दरअसल, चक्रवात कुछ समय के लिए स्थिर हो गया था जिसके कारण इतनी भारी बारिश हुई। कई पेड़ गिर गए, भारी जलभराव हुआ और सड़क यातायात व बिजली आपूर्ति बाधित हुई।'चक्रवाती तूफान फेंगल रविवार को कमजोर होकर एक दबाव में बदल गया। इसके और कमजोर होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में पिछले 12 घंटों के दौरान यह लगभग स्थिर रहा। तूफान कमजोर होकर गहरे दबाव में तब्बदील गया है। आज 1130 बजे से पुडुचेरी के करीब अक्षांश के पास एक ही क्षेत्र में केंद्रित है, जो कि कुड्डालोर से 30 किमी उत्तर, विल्लुपुरम से 40 किमी पूर्व और 120 किमी चेन्नई के दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में है। इसके बहुत धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान उत्तरी तमिलनाडु में दबाव का क्षेत्र बनकर कमजोर होने का अनुमान है।

अजमेर मामले में पूर्व अधिकारियों की पीएम मोदी से खास अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। एक स्थानीय अदालत द्वारा अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण का आदेश देने के कुछ दिनों बाद पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने पीएम मोदी से उन सभी अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग की जो भारत की सभ्यतागत विरासत पर वैचारिक हमला है।

नौकरशाहों और राजनयिकों के समूह ने बताया कि पीएम मोदी ही एक ऐसे अकेले इंसान है जो इन अवैद गतिविधियों को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर पीएम मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की थी। इसके जरिए उन्होंने (प्रधानमंत्री) देशवासियों को शांति और सद्भाव का संदेश दिया था। पीएम मोदी को चिट्ठी लिखने वाले नौकरशाहों और राजनयिकों में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, यूनाइटेड किंगडम में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, सेना के पूर्व उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीरा गुप्ता शामिल हैं। उन्होंने चिट्ठी में कहा, पूजा स्थल अधिनियम के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद अदालतें अनुचित मांगों पर जल्दबाजी के साथ प्रतिक्रिया देती हैं। बता दें कि हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अजमेर शरीफ को महादेव का मंदिर बताते हुए अदालत में याचिका दाखिल की थी। अदालत ने इस मामले को सुनवाई के योग्य माना है।

निजीकरण विवाद > अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों एवं उपभोक्ताओं का हित रहेगा सुरक्षित

यूपी सरकार के मुख्य सचिव होंगे नई बिजली कंपनियों के अध्यक्ष

कर्मचारी भी अड़े

- 6 दिसंबर को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने के लिए कर्मचारी संगठन भी तैयार

लखनऊ। दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगमों को विघटित कर बनने वाली पांच नई कंपनियों के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। कंपनियां डिस्कॉम की प्रापर्टी का किसी तरह का उपभोग नहीं कर पाएंगी। नई कंपनियों को लेकर शनिवार को पावर कॉर्पोरेशन की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि मुख्य सचिव के अध्यक्ष होने से अधिकारियों, कर्मचारियों, किसानों एवं उपभोक्ताओं का हित सुरक्षित रहेगा। रिफॉर्म में शामिल होने वाली निजी कंपनियों के लिए बिडिंग पूरी तरह खुली और पारदर्शी होगी। इस प्रक्रिया में कंपनियों को जमीन का स्वामित्व नहीं दिया जाएगा। जमीन का स्वामित्व पावर कॉर्पोरेशन एवं राज्य सरकार का ही रहेगा। कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने बताया कि एक्ट-2003 की धारा-133 में स्पष्ट है कि किसी भी कार्मिक की छंटनी नहीं होगी। बिजली के निजीकरण के फैसले के खिलाफ देशभर के बिजली कर्मचारी और इंजीनियर लामबंद हो गए हैं।

नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर ने पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम और चंडीगढ़ पावर डिपार्टमेंट को निजी हाथों में सौंपने के खिलाफ 6 दिसंबर को पूरे देश में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने चेतावनी दी है कि अगर बिजली के हितधारकों (कर्मचारियों एवं उपभोक्ताओं) के शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे विरोध की अनदेखी करके जल्दबाजी में निजीकरण के फैसले को अमलीजामा पहनाने का प्रयास किया तो जिस दिन निजी कंपनी टेकओवर करेगी उसी दिन कर्मचारी और इंजीनियर कार्य बहिष्कार कर सड़कों पर उतरने पर मजबूर होंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी यूपी सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन की होगी। पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल बिजली निगम को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल में चलाने की तैयारी का मामला प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंच गया है। उपभोक्ता परिषद ने पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने दोनों निगमों में केंद्र सरकार स स्कीम में करीब 20415 करोड़ रुपया खर्च कर दिए। अब इन दोनों निगमों को निजी हाथों में देने की तैयारी है। ऐसे में पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए, ताकि गलत तरीके से रणनीति बनाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके। वहीं, उपभोक्ता परिषद सोमवार को विद्युत नियामक आयोग में याचिका भी दाखिल करेगी।परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने पीएम नरेंद्र मोदी को भेजे पत्र में पावर कॉर्पोरेशन की ओर से उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया है।

संक्षिप्त खबरें

इंटक की प्रदेश कार्यकारिणी में हुए अहम फैसले

कानपुर। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक कटहरी बाग कैंट स्थित आईएनडीब्ल्यूएफ के कार्यालय में हुई। इंटक के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक सिंह की अध्यक्षता में कई अहम फैसले लिए गए। मांग उठाई गई कि केंद्र सरकार की यूपीएस स्कीम की जगह ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की मांग उठाई। पिछली कार्यवाही की पुष्टि पर विचार किया गया। जिसमें बोलते हुए अशोक सिंह ने प्रमुख मुद्दों का का जिक्र करते हुए केंद्र और राज्य की श्रम और मजदूर विरोधी नीति पर हमला बोला। उन्होंने देश के हर गरीब किसान, मजदूर, कामगार, नौजवानों,बेरोजगारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि समाज के इन सभी वर्गों को सामाजिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा, रोजगार से लेकर सभी को रहने के लिए छत की व्यवस्था करवाना केंद्र और राज्य सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है। दोनों ही सरकारें अपने इस दायित्व का निर्वाहन नहीं कर रही हैं। अशोक सिंह ने प्रस्ताव के तहत वर्तमान महंगाई को देखते हुए मनरेगा वर्कर्स की मजदूरी बढ़ाए जाने, चीनी उद्योग के कामगारों के वेतन पुनरीक्षण, उत्तर प्रदेश विद्युत, टेक्सटाइल, आउटसोर्सिंग, आंगनबाड़ी, रोडवेज, कांच चूड़ी, आशा वर्कर, सीमेंट उद्योग आदि के कामगारों के उत्पीड़न का विरोध किया। साथ ही सभी को एक समान वेतन देने की मांग की।

ट्रैक पार करते समय बुजुर्ग-दंपती ट्रेन की चपेट में आए: दोनों की मौके पर मौत

कानपुर देहात। अंबियापुर स्टेशन के पास रविवार को एक दिन दहला देने वाली घटना घटी। जब एक बुजुर्ग दंपती ट्रैक पार करने के दौरान अप लाइन पर जा रही ट्रेन की चपेट में आ गए। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक दंपती की पहचान गोपीलाल (77) और उनकी पत्नी शिवदेवी (70) के रूप में हुई है। वे अंबियापुर से अपनी बेटी के पास जाने के लिए औरैया के फफूंद थाना क्षेत्र के दौलतपुर जा रहे थे। रेलवे ट्रैक पार करते समय वे दिल्ली जा रही बरौनी क्लोन एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। घटना के बाद परिजन व उनका बेटा अमर सिंह और अन्य रिश्तेदार गहरे सदमे में हैं। सभी रो-रोकर बेहाल हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को ट्रैक से हटाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घटना की लेकर थाना प्रभारी जेपी शर्मा ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

थानी प्रभारी और बंदर की दोस्ती का वीडियो वायरल

कानपुर देहात। एक बंदर का वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में बंदर और थाना प्रभारी की दोस्ती को साफ तौर पर देखा जा सकता है। जिसमें थाना प्रभारी के साथ कुर्सी पर बंदर बैठा नजर आ रहा है। दोनों लोग एक दूसरे से ऐसे बातचीत कर रहे हैं जैसे की वह दूसरे की भाषा को समझते हो। बंदर और थाना प्रभारी की दोस्ती गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है। राजपुर थाने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक बंदर और थाना प्रभारी दिनेश गौतम के साथ खेलता नजर आ रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि जब थाने में सुनवाई हो रही थी, तब बंदर आराम से थाना प्रभारी के पास बैठा और उनके साथ खेलता रहा। इस दौरान थाना प्रभारी दिनेश गौतम भी बंदर से बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। बंदर और थाना प्रभारी के बीच का यह दृश्य क्षेत्र में लोगों के बीच कौतूहल का कारण बन गया है। बंदर का यह व्यवहार थाने में उपस्थित अन्य लोगों के लिए मनोरंजन का विषय बन गया। इस घटना ने सोशल मीडिया पर भी सुर्खियां बटोरीं। राजपुर थाने में यह अनोखी दोस्ती लोगों के बीच मजाक और बातचीत का कारण बनी हुई है।

हाईवे पर लोडर ने बाइक को मारी टक्कर: मां-बेटे गंभीर

जालौन। रविवार को झांसी-कानपुर नेशनल हाईवे-27 पर रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक लोडर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे के बाद लोडर और बाइक खंदक में जा गिरी। हादसे में महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जिनका इलाज चल रहा है। घटना आटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झांसी कानपुर नेशनल हाईवे-27 स्थित भभुआ मजार के पास की है। बताया गया है कि कुठौंद थाना क्षेत्र के मडोरा की रहने गुड्डी देवी अपने पुत्र शिवम के साथ आटा थाना क्षेत्र के पिपराया में मायके आई हुई थी। रविवार की सुबह वह अपने पुत्र के साथ ससुराल बाइक से वापस जा रही थी। जैसे ही वह झांसी कानपुर नेशनल हाइवे स्थित-27 स्थित भभुआ मजार के पास पहुंची। तभी पीछे से आ रहे लोडर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे लोडर और बाइक सड़क किनारे खंदक में चले गए। जिससे बाइक सवार मां-बेटा सड़क पर गिरकर खून से लथपथ हो गए। वहीं लोडर चालक को भी गम्भीर चोट आई। बताया गया कि लोडर चालक को झपकी लगने से यह हादसा हुआ है। वहीं इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया।

होमगार्डों का गिरोह बना वसूली करने वाले पर रिपोर्ट

खरी कसौटी ब्यूरो

एडवोकेट को ट्रैफिक नियम के नाम पर रोका की वसूली और अभद्रता; पुलिस ने नहीं सुनी तब कोर्ट के आदेश पर हुई रिपोर्ट

कानपुर। कानपुर में होमगार्डों का गिरोह बनाकर अवैध वसूली करने का एक मामला प्रकाश में आया है। एक एडवोकेट भी इसी गिरोह का शिकार हुआ। एडवोकेट के साथ घटना 25 जनवरी 2024 को हुई। पीड़ित ने चकेरी पुलिस से मामले में शिकायत भी की मगर कोई कार्रवाई न होने पर सीएमएम के यहां शिकायती प्रार्थना पत्र दाखिल किया। सीएमएम कोर्ट के आदेश के बाद चकेरी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

आजाद नगर सतबरी रोड चकेरी निवासी एडवोकेट अंकित यादव के मुताबिक 25 जनवरी 2024 की रात लगभग साढ़े आठ बजे घर जा रहा था। श्याम नगर बाईपास पार करने के बाद एक पान शॉप से पचास कदम पहले एक युवक ने खुद को होमगार्ड शिवम शुक्ला बताते हुए एडवोकेट को रोक लिया। उसे गाड़ी से उतरने को कहा बोला कि तुम्हें चौराहा पर हाथ देकर रोका था रुके क्यों नहीं। उसने यह भी कहा कि तुमने सीट बेल्ट नहीं लगा रखी है और फोटो खींच ली गई है। अब तुम्हारा सीटबेल्ट का चालान होगा।

एडवोकेट के मुताबिक उन्होंने उससे विनती की और कहा कि आज छोड़ दें आगे से सीट बेल्ट लगाकर चलेगा।तभी होमगार्ड शिवम ने कहा कि कार से उतरकर बात कर एक तमाचे में सही हो जाएगा और गाली देते हुए कार का दरवाजा खोल दिया। गाली का विरोध करते हुए एडवोकेट अंकित यादव ने अपना परिचय भी दिया। मगर होमगार्ड शिवम ने कहा कि चालान बचाना चाहते हो तो एक हजार रुपए दो। एडवोकेट ने उसे बताया भी कि वो पर्स घर भूल आया है। शिवम ने कहा कि कैश नहीं है तो ऑनलाइन दे सकते हो। उसी दौरान वहां पर एक टीएसआई की गाड़ी भी आ गई और उसमें बैठा टीएसआई राजीव दीक्षित सीधे गाली गलौज करने लगा। फिर बोला चालान से बचना है तो जो शिवम कह रहा है वो करो। एडवोकेट ने बताया भी कि खाते में सिर्फ पांच सौ रुपए पे हैं। यह चाहिए तो एटीएम से निकालकर दे सकता है।

एडवोकेट के मुताबिक राजीव के कहने पर शिवम ने पॉकेट से मोबाइल निकाला और गूगल पे का बार कोड दिया। जिसमें एडवोकेट ने पैसे डाल दिए और कार में बैठ गया। उसके वहां से जाने से पहले शिवम ने कहा कि तुम्हारे जैसे वकील बहुत देखे हैं। इस पर एडवोकेट और होमगार्ड शिवम के बीच विवाद होने लगा। एडवोकेट के मुताबिक इस घटना के एक माह बाद पता चला कि राजीव दीक्षित टीएसआई नहीं है। यह एक लुटेरा होमगार्ड है जो कि सात साल पहले फर्जी दरोगा की वर्दी पहनकर वसूली करने के मुकदमे में जेल गय जा चुका है। उसके खिलाफ अभी भी मुकदमा चल रहा है। उसने अपने घर में लगभग दस सीटीआई को किराये पर रखे हुए हैं और उन्हीं की सरकारी गाड़ी में आरोपी ड्यूटी जाता है। फर्जी तरह से ऑनलाइन पैसे वसूलता है। शिवम राजीव द्वारा रखा गया होमगार्ड है जो खुद वसूली करके राजीव को पैसे ट्रांसफर करता था। चकेरी इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे के मुताबिक कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई है। जो भी सबूत है उन्हें इकट्ठा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर ने कहा मामला पुराना है। तथ्यों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पहले खुद को किया फ़ेसबुक लाइव, फिर दर्ज कराया बयान

फर्रूखाबाद। मऊ दरवाजा थाने में रविवार को बसपा नेता और मथुरा जेल में बंद माफिया अनुपम दुबे के भाई अनुराग दुबे उर्फ डब्बन दुबे ने बयान दर्ज कराए। पर थाने में दाखिल होने से ठीक पहले अनुराग दुबे ने फ़ेसबुक लाइव करते हुए अपने सभी परिचितों से कहा मैं थाने पहुंच चुका हूं और बयान दर्ज कराने जा रहा हूं। इस दौरान अनुराग के साथ उनका एक साथी भी मौजूद था। थाने में पहुंचने से पहले फ़ेसबुक लाइव करने के पीछे लोगों का कहना है कि यूपी सरकार की कार्रवाई से माफिया में भय है। बता दें कि अनुपम दुबे इस समय जेल में बंद हैं। बता दें कि अनुराग दुबे को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी, जिसमें उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत ही वे मऊ दरवाजा थाने में अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे थे। थाना परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच, करीब एक घंटे तक पुलिस ने उनसे पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए। इस दौरान ड्रोन कैमरे से निगरानी भी की गई। बयान दर्ज कराने के बाद थाने के बाहर मीडिया से बातचीत में अनुराग ने कहा मुझे सुप्रीम कोर्ट पर 1000 प्रतिशत भरोसा है। मेरे खिलाफ लगाए गए मुकदमे पूरी तरह फर्जी हैं। बता दें कि पुलिस ने अनुराग दुबे पर फरारी के दौरान 50,000 का इनाम घोषित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग दुबे के सभी पुराने और नए मामलों में गिरफ्तारी पर रोक लगाई है।

महिला के साथ नाबालिग लड़कियों ने की टप्पेबाजी

महोबा। रोडवेज परिसर में एक महिला यात्री के साथ पर्स चोरी (टप्पेबाजी) की घटना सामने आई। इस वारदात को नाबालिग लड़कियों के एक गैंग ने अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दो किशोरियों को हिरासत में लिया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने महिला का पर्स बरामद कर लिया है। पनवाड़ी निवासी जानकी प्रसाद की पत्नी आशा अपने नाती से मिलने महोबा आई थीं। रोडवेज बस से उतरते ही पांच लड़कियों के गैंग ने उनका पर्स चुरा लिया। पर्स में एक मोबाइल फोन और 630 थे। पर्स चोरी होते ही महिला ने शोर मचाया। जिससे आसपास के यात्री इकट्ठा हो गए। भीड़ ने दो लड़कियों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसआई देवेंद्र ओझा और महिला पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पकड़ी गई किशोरियों से पूछताछ के बाद महिला का पर्स बरामद कर लिया गया। हालांकि, किशोरियों ने आरोपों को झूठा बताया और जमकर हंगामा किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये नाबालिग लड़कियों का गैंग अक्सर रोडवेज परिसर में घूमता है। भीड़ भाड़ का फायदा उठाकर चोरी की घटनाएं करता है। इस वजह से यात्रियों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा हुई है। पुलिस ने पकड़ी गई किशोरियों से गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धर्म परिवर्तन कराने की धमकी देने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

खरी कसौटी ब्यूरो

फतेहपुर। पुलिस ने दो युवकों को देशी बम और तमंचा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जबकि एक महिला ने 6 दिन पहले पुलिस अधीक्षक से मिलकर बेटी को भगा ले जाकर धर्म परिवर्तन सहित जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था। पकड़े गए दोनों युवकों पर दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में पहले से मुकदमा दर्ज है। जहानाबाद थाना के वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई, तो एक युवक इमरान 22 वर्ष के पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद किया। इसके ऊपर 2022 में दुष्कर्म सहित दो मुकदमा दर्ज है।

जबकि इंसाफ राजा 30 वर्ष पर 2021 में अपहरण, दुष्कर्म सहित करीब तीन मुकदमा दर्ज है। इसके पास से दो देशी बम बरामद किया गया है। दोनों आरोपियों को पकड़कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। आपको बताते चले कि विगत दिन 25 नवंबर को जहानाबाद थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला की रहनी वाली महिला ने पकड़े गए आरोपी इंसाफ राजा 30 वर्ष के ऊपर बेटी को बरगला कर भगा ले जाने के साथ

धर्म परिवर्तन कराने की धमकी दिया था। जिसकी पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई थी। महिला ने आरोप लगाया कि पुलिस ने देशी बम के साथ भेज कर मामले को दबा दिया। पीड़ित महिला ने 6 दिन पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया था कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को 2021 में मोहल्ले का रहने वाला एक मुस्लिम युवक इंसाफ उर्फ राजा अपने साथियों के साथ अपहरण कर ले गया था। जिससे कि धर्म परिवर्तन कराकर शादी कर सके। पुलिस के असहयोग के कारण आरोपी जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद लगातार मुझे और परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरोपी युवक मेरी बेटी उठवाकर धर्म परिवर्तन करना चाहता था। जिस कारण से 9 मई 2022 को बेटी की शादी कानपुर में एक जगह कर दिया। आरोपी युवक वहां भी पहुंचा और बेटी के साथ शादी का दबाव बनाया। जिसकी शिकायत थाना पुलिस में 23 नवंबर 2024 में लिखित में किया। लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। इस बीच आरोपी युवक ने मेरी बेटी को बहला फुसलाकर झांसा में लेकर कानपुर न्यायालय में पति से तलाक का मुकदमा दायर कराया। जिसका निर्णय अभी नहीं आया। 24 नवंबर की सुबह करीब 4 बजे बेटी को भगा ले गया। महिला ने आरोप लगाया कि जाते समय धमकी दिया कि धर्म परिवर्तन कराकर इस्लाम धर्म से शादी कर लूंगा। 2021 में दर्ज मुकदमा वापस नहीं लिया, तो तुम सब अपनी बेटी सहित जान से मार दिए जाओगे।

जिसके बाद पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लड़की बालिग होने के कारण लड़की का बयान लेने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि उनके पास कोई नहीं आया। सीधे पुलिस अधीक्षक के पास गए है। जहानाबाद थाना क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति ने थाना पुलिस को 23 सितंबर 2021 को प्रार्थना पत्र दिया था। वह राजगिरी काम करता है। उस दिन सुबह खाना खाकर काम पर चला गया था। घर पर पत्नी और दो बच्चे थे दोपहर में इस्लाम की दो पुत्री आयी और मेरी 16 वर्षीय बेटी को साथ लेकर अपने घर चली गई। जब शाम को मैं घर आया तो जानकारी होने पर इस्लाम के घर गया तो बताया गया कि तुम्हारी बेटी को मेरा पुत्र इंसाफ उर्फ राजा चार पहिया गाड़ी से लेकर गया है।

छात्रों के लिए हुआ कैरियर काउंसलिंग एंड गाइडेंस प्रोग्राम

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय में रविवार को आयोजित कैरियर काउंसलिंग एंड गाइडेंस प्रोग्राम ने छात्रों को अपने भविष्य की दिशा तय करने में मदद दी। इस कार्यक्रम में मुंबई से आए आईटी और मैनेजमेंट सेक्टर के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। जी टीवी सुभाष चंद्रा ग्रुप के सुनील जयसवाल और उनकी टीम के अनुराग, अभिषेक एवं दिशा ने विद्यालय के हायर सेकेंडरी छात्रों को उनके करियर विकल्पों और भविष्य की योजनाओं के बारे में गहन मार्गदर्शन दिया कार्यक्रम में उपस्थित दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा, कैरियर काउंसलिंग जैसे कार्यक्रम बच्चों को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और उन्हें अपने करियर से जुड़े सही फैसले लेने में मदद करते हैं। विद्यालय के प्राचार्य मदन तिवारी और सचिव डॉ. अशोक पांडे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल छात्रों को नए अवसरों के बारे में जानकारी देते हैं। बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। प्राचार्य तिवारी ने कहा, मुंबई से आए विशेषज्ञों की सलाह से हमारे छात्रों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। छात्रों ने विशेषज्ञों के साथ संवाद कर विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

वीएचपी की दुर्गावाहिनी ने दी त्रिशूल दीक्षा

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति दुर्गावाहिनी की ओर से गोविंद नगर स्थित आर्य कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित त्रिशूल दीक्षा एवं मानवंदन यात्रा में पहुंची केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय मातृशक्ति संयोजिका मीनाक्षी ताई ने कहा कि हमें माता अहिल्या देवी होल्कर और वीरांगना दुर्गावती के जीवन से प्रेरणा लेते हुए संस्कृति की समाज की रक्षा के लिये आगे आना होगा।

विभिन्न चुनौतियों से आगे निकलते हुए माता अहिल्यादेवी होलकर ने ही काशी विश्वनाथ मंदिर समेत सनातन संस्कृति की सुदृढ़ता के विभिन्न कार्य किए। नारीशक्ति और राष्ट्रभक्ति को समर्पित कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में बहनों ने अपनी भागीदारी की। मुख्य अतिथि मीनाक्षी ताई, क्षेत्र संयोजिका कल्पना, विहिप प्रान्त अध्यक्ष राजीव महाना ने कार्यक्रम की शुरुआत की। संस्कारशाला की आचार्या बहनों ने मंत्रोच्चारण कर पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत कर दिया।

मीनाक्षी ताई ने त्रिशूल दीक्षा के महत्व और इसके सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक पहलुओं पर अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में विभाग बाल संस्कार प्रमुख नीरजा मिश्रा द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विनीता जी ने सुभाषित पाठ, कविता जी ने एकल गीत, और क्षेत्र संयोजिका कल्पना जी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। प्रांत संयोजिका डॉ. सीमा द्वारा दुर्गा सप्तश्लोकी पाठ किया गया। प्रांत संयोजिका दुर्गा वाहिनी के नेतृत्व में त्रिशूल दीक्षा सम्पन्न हुई, जिसमें 500 बहनों ने त्रिशूल धारण किया। त्रिशूल दीक्षा के बाद मानवंदन यात्रा का आयोजन हुआ, जो विद्यार्थी मार्केट से नंदलाल चौराहा होते हुए कॉलेज में समाप्त हुई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में बहनें गणवेश में त्रिशूल और भगवा ध्वज के साथ जयघोष कर रही थी। सजीव झांकियों ने यात्रा को और अधिक भव्य बना दिया। कार्यक्रम में विहिप प्रान्त मंत्री राजू पोरवाल जी, विभाग कार्याध्यक्ष पंकज शुक्ल, विभाग मंत्री गौरांग, जिलाध्यक्ष संत सिंह जिला संगठन मंत्री मोहित, अमन, ओमेन्द्र अवस्थी आदि रहे।

श्रद्धालुओं ने मां मंदाकिनी में लगाई डुबकी, पितरों के लिए किया तर्पण

खरी कसौटी ब्यूरो

चित्रकूट। धर्मनगरी चित्रकूट, जो श्रीराम की तपोस्थली और आस्था का केंद्र है, रविवार को अगहन अमावस्या के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। भक्तों ने मां मंदाकिनी नदी में स्नान कर पितरों का तर्पण किया और कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा कर भगवान कामतानाथ के दर्शन किए। रामघाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। स्नान-दान के साथ सत्यनारायण भगवान की पूजा और मां लक्ष्मी व भगवान विष्णु की आराधना की गई। आचार्यों के अनुसार, अगहन अमावस्या का धार्मिक और पौराणिक महत्व है, जो दान-पुण्य और पितरों की शांति के लिए विशेष रूप से

फलदायी माना जाता है। चित्रकूट के आचार्य विराट महाराज ने कहा, यह पवित्र स्थल सतयुग से त्रेता युग तक धर्म और इतिहास का अद्भुत संगम है। भगवान श्रीराम ने यहां अपने वनवास का बड़ा हिस्सा बिताया था। यहां हर अमावस्या पर लाखों श्रद्धालु आते हैं और मां मंदाकिनी में स्नान कर अपने पापों का नाश करते हैं। महाराज ने आगे बताया कि पंचकोसी परिक्रमा और कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा का विशेष महत्व है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान कामतानाथ की पूजा करते हैं। अगहन अमावस्या पर रामघाट और आसपास के क्षेत्रों में विशेष धार्मिक गतिविधियों का आयोजन हुआ। मंदाकिनी के तट पर स्नान और दान के बाद श्रद्धालुओं ने सत्यनारायण भगवान की कथा सुनी और अपने पितरों के लिए तर्पण किया। चित्रकूट में हर अमावस्या पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ यह साबित करती है कि यह स्थल न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक भी है। अगहन अमावस्या पर धार्मिक गतिविधियों और श्रद्धालुओं के उत्साह ने एक बार फिर चित्रकूट की पवित्रता और महिमा को उजागर किया।

खादी की लघु प्रदर्शनी: माटीकला एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का प्रसार

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर स्थित ग्राम आलमचंद्रपुर में उत्तर प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी ग्रामोद्योग उत्पाद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को बढ़ावा देना और युवाओं को स्वरोज़गार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में बड़ौदा ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान ने लघु प्रदर्शनी का आयोजन किया, जहां खादी, माटीकला, और ग्रामोद्योगी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शनी में खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से वित्तपोषित इकाइयों ने अपने उत्पाद और सफलता की कहानियां साझा कीं। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में महिला कल्याण, बाल विकास और पुष्टाहार राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला मौजूद रहीं। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और युवाओं को स्वरोज़गार अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा सरकार द्वारा संचालित योजनाएं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का आधार बन रही हैं। इसे अपनाकर आप आत्मनिर्भर बन सकते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, और मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना सहित कई सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इन योजनाओं के तहत युवाओं को वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में उपस्थित बेरोज़गार युवक-युवतियों को सफल इकाइयों की कहानियां सुनाई गईं। सहायक विकास अधिकारी रामप्रसाद विश्वकर्मा, मो. शारिब और अन्य विशेषज्ञों ने स्वरोज़गार के अवसरों पर चर्चा की। इस मौके पर वरिष्ठ सहायक प्राची शुक्ला, शिवेंद्र सिंह और अमन कुमार ने भी अपने अनुभव साझा किए। सरकार का यह प्रयास ग्रामीण युवाओं को न केवल रोजगार प्रदान कर रहा है, बल्कि खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम भी बन रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जमीन की खुदाई करने पहुंची खएउ का विरोध: गिहार बस्ती के लोगों ने किया हंगामा, जल निगम की ओर से हो रही थी खुदाई

कन्नौज। ट्यूबवेल की बोरिंग के लिए जल निगम की ओर से मकरन्दनगर के एक मोहल्ले में जेसीबी से खुदाई का काम शुरू कराया गया। जानकारी होते ही वहां गिहार बस्ती के लोग पहुंच गए और हंगामा करते हुए काम रुकवा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई और ड्राइवर समेत जेसीबी को कब्जे में ले लिया। घटना सदर कोतवाली क्षेत्र कुतुलूपुर मोहल्ले की है। जहां जीटी रोड के पास खाली पड़ी जमीन की खुदाई करने के लिए एक ठेकेदार जेसीबी मशीन और ड्राइवर लेकर पहुंच गया। जमीन की खुदाई शुरू हुई तो गिहार बस्ती के लोग वहां एकत्र होने लगे। देखते ही देखते महिलाएं और बच्चे भी पहुंच गए। भीड़ ने हंगामा करते हुए काम रुकवा दिया। यहां बलवीर नाम के ठेकेदार ने बताया कि जल निगम के जेई ने ट्यूबवेल की बोरिंग के लिए खुदाई कराने को कहा था। उसी के तहत जेसीबी से खुदाई का काम शुरू कराया था। हंगामे की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। लेखपाल ने बताया कि जिस जमीन की खुदाई हो रही थी, उसकी न तो पैमाइश कराई गई और न ही किसी कोई इसकी कोई जानकारी थी। जिसके बाद पुलिस ने जेसीबी समेत ड्राइवर को हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए कोतवाली ले गई। गिहार बस्ती निवासी संजय गिहार ने बताया कि जिस जमीन की खुदाई जल निगम के द्वारा कराई जा रही थी। वो जमीन गिहार समाज की समाधि स्थल की है। जहां छोटे बच्चों और अविवाहित युवकों के निधन के बाद उन्हें जमीन में दफनाया जाता है। उसी समाधि स्थल की जमीन पर जेसीबी चलवा कर ठेकेदार ने कई कब्र तोड़ दीं, जिस वजह से लोगों में नाराजगी है।

ट्रैक्टर के हैरो से कटकर मासूम की मौत: खेत की जुताई करते वक्त बेटे को बोनट पर बैठाए था पिता, मोड़ने पर नीचे जा गिरा

कन्नौज। खेत की जुताई करते वक्त एक मासूम हैरो के नीचे आने कट गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त ट्रैक्टर उसका पिता चला रहा था और वह बोनट पर बैठा हुआ था। घर के इकलौते चिराग के बुझने से मां का बुरा हाल हो गया। घटना छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र के छज्जापुर गांव की है। जहां के रहने वाले मोहन सिंह यादव अपने खेत की ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे। उनके साथ में 3 वर्षीय बेटा अन्नू भी था। जिसको वह बोनट पर बैठाकर खेत की जुताई कर रहे थे। ट्रैक्टर मोड़ते वक्त अन्नू बोनट से फिसल कर नीचे जा गिरा। जब तक पिता मोहन सिंह कुछ समझ पाते तब तक वह ट्रैक्टर के पीछे लगे हैरो की चपेट में आकर कट गया। जिसको देखकर मोहन सिंह फफक कर रोने लगे गए। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों की भीड़ खेत में जुट गई। जब ये मामला मोहन सिंह की पत्नी मोहिनी को पता चली तो वह घटनास्थल पर पहुंचते-पहुंचते गश खाकर गिर पड़ी। मां और पिता का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। मोहन सिंह और मोहिनी के बीच सिर्फ उनका एक बेटा अन्नू था। जोकि काफी मन्नतों के बाद हुआ था। अन्नू घर में सबका लाड़ला और दुलारा था। वह पिता मोहन सिंह के साथ ही ज्यादातर रहता था। खेत की जुताई करते वक्त भी वह पिता के साथ ही ट्रैक्टर पर था। लेकिन पिता की थोड़ी सी लापरवाही ने अन्नू की जान ले ली। जिससे मोहन सिंह के परिवार का इकलौता चिराग बुझ गया।

'पुरअम्न जिंदगी की हिमायत किया करो' : महोबा के चरखारी में आल इंडिया मुशायरा, कवियों ने बांधा समा

महोबा। श्री गोवर्धननाथ जू मेला के अंतर्गत आयोजित आल इंडिया मुशायरा में देश के नामी शायरों और कवयित्रियों ने अपने बेहतरीन कलाम से माहौल को खुशनुमा और जोश से भर दिया। पूरी रात चले इस कार्यक्रम में श्रोताओं ने गज़ल, नगमे और हास्य शेरों का जमकर आनंद लिया। जौहर कानपुरी ने अपनी गज़ल चमन में सबके लिए ऐतमाद थोड़ी है पढ़कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके हर शेर पर तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दी। सुर की मलिका मणिका दुबे ने ''बिना सोचे ये कसमें तोड़ देना'' जैसे गीत और गज़लों से लोगों का दिल जीत लिया। हफीज कमाल ने अपनी गहराई भरी गज़लों से रात की खुमारी बढ़ाई, जबकि सबा बलरामपुरी ने ''पुरअम्न जिंदगी की हिमायत किया करो'' जैसे शेर से श्रोताओं में भाईचारे का संदेश दिया। अंतरराष्ट्रीय शायर हाशिम फिरोजाबादी ने अपने मशहूर शेर ''जिनके हाथों से तिरंगा न संभाला जाए, ऐसे नेताओं को संसद से निकाला जाए'' से पूरे पंडाल में जोश भर दिया। उन्होंने नए और पुराने शेरों से श्रोताओं को बांधे रखा। सज्जाद झंझट और जहाज देवबंदी ने अपनी हास्य-व्यंग्य रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। निजामत कर रहे अबरार कासिफ ने भी अपनी गज़ल ''मेरे रब की मुझ पर इनायत हुई'' से महफिल में गर्मजोशी पैदा की। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह यादव और सपा जिलाध्यक्ष शोभालाल यादव ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नबी अहमद खां नब्बन ने की। कार्यक्रम के संयोजक मुबारक हुसैन ने सभी शायरों, अतिथियों और श्रोताओं का धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रामपाल कुशवाहा और सैकड़ों महिला-पुरुषों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की।

देवघर को जोड़नेवाली सड़क पर 3 किमी में गड्ढे ही गड्ढे

फतेहपुर। फतेहपुर प्रखंड की चापुड़िया पंचायत अंतर्गत गोविंदपुर-साहेबगंज हाइवे सड़क से झाझीटाड़, कोरवोना तथा सीमावर्ती देवघर जिले के टीटी चापुड़िया को जोड़ने वाली मुख्य सड़क अत्यन्त जर्जर हो गई है। इससे राहगीरों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। लगभग 3 किलोमीटर सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। गिट्टी निकली हुई है, जिससे साइकिल व बाइक सवार लोगों को काफी परेशानी होती है। लोगों को प्रत्येक दिन बाजार इसी सड़क से आना-जाना पड़ता है। किसान सब्जियां लेकर बाजार इसी रास्ते से आते हैं, इसके अलावा पैदल चलने वालों को भी काफी दिक्कत होती है। सड़क की हालत बद से बदतर होती जा रही है। इस रास्ते से कोई भी चार पहिया वाहन नहीं चल पाता है, सड़क जर्जर रहने के कारण बारिश के दोनों में समस्या और बढ़ जाती हैं, बारिश का पानी सड़क पर ही जमा हो जाता हैं, जिसके कारण सड़क के बीचो बीच छोटे आकार का तालाब बन जाता है, जिसमें दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। यह सड़क गोविंदपुर-साहेबगंज हाइवे सड़क पर जाकर मिलती हैं। सड़क की मरम्मत कराई जाएगी : मुखिया इस संबंध पंचायत की मुखिया मेरीलता मरांडी ने कहा कि सड़क जर्जर को बनाया जाएगा। पंचायत निधि से पीसीसी सड़क का निर्माण कुछ जगह कराया गया है। सड़क निर्माण की मांग पदाधिकारी के समक्ष रखी जाएगी।

शिक्षा से सामाजिक विकार दूर होते, माता-पिता का करें सम्मान

उपराष्ट्रपति बोले-शिक्षा से जीवन बेहतर बनता है:पहले पैरेंट्स सिर्फ मार्कशीट देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है

खरी कसौटी
स्पेशल रिपोर्ट

कानपुर। 'शिक्षा जीवन को बेहतर बनाती है, सही रास्ते पर ले जाती है, जो टैलेंट है वह गरीब, ग्रामीण इलाके में भी है। वहां भी जयपुरिया जैसी क्वालिटी की पहुंचने की जरूरत है। कॉर्पोरेट घराने से अपील है कि वह बेहतर स्कूल खोले और शिक्षा में मदद करें। एट्रट फंड का प्रयोग करें ताकि हर वर्ग तक शिक्षा पहुंच सके। पहले अभिभावक सिर्फ मार्कशीट देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। ये बात रविवार को सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा- सरकार ने पिछले 10 सालों में कई ऐसे निर्णय लिए हैं जो हमारे देश के लिए काफी बेहतर है। पहले हम सपना देखते थे क्या भारत विकसित होगा?

लेकिन अब यह सपना नहीं हम लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। अब शिक्षा डिग्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण विकास के लिए है। आप उम्र के साथ-साथ ऐसा व्यवहार करें कि आपका ज्ञान खुद ही दिखाई देने लगे। माता-पिता के प्रति समर्पण की भावना रखें, गुरुजनों के सामने अनुशासन की भावना रखें और सोशल मीडिया से जितना हो सके उतना दूर रहे। मन में एक जिज्ञासा रखें जो मन में है वही काम करें, सफलता जरूर मिलेगी। पहले अभिभावक सिर्फ मार्कशीट देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि समाज में जो विकार पहले हैं वह शिक्षा ही दूर कर सकती है। इसीलिए सभी व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार दिया गया है। शिक्षा समय बदलने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि असफलता हार नहीं बल्कि हमारी पूंजी है। इससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आज के बच्चों को नवाचार की ओर आगे बढ़ना चाहिए। रिसर्च एंड डेवलपमेंट में भी उद्योग घारानों को मदद करनी चाहिए ताकि हमारा भारत विकसित बने।

भारत जैसा देश दुनिया में कोई नहीं है और यह भावना सभी बच्चों को अपने मन में रखनी चाहिए। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रहा है। भारत का लक्ष्य निर्धारित है। नई संसद भवन में जाकर देखें 5000 साल पुरानी विरासत की एक झलक दिखाई देगी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि निरंतर यह स्कूल 50 वर्षों से आगे बढ़ रहा है। यह ये दर्शाता है कि इस विद्यालय की निव रखते समय शिक्षा की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखा गया था। शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है। शिक्षा से हम मनुष्य बन सके, विचार करने की क्षमता आती है। बच्चों के चरित्र निर्माण की जिम्मेदारी शिक्षकों की ही है। मैं एक शिक्षिका रही हूं, मुझे जब भी अवसर मिलता है तो आज भी मैं बच्चों के बीच संवाद करती हूं। राज्यपाल ने कहा कि छात्र जीवन में ही अपने लक्ष्य को निर्धारित करना जरूरी है। लक्ष्य हमें दिशा ही नहीं बल्कि हमें एक उत्साह भी देता है। सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है। मेहनत करने से ही सफलता मिलती है। गिरने से डरना नहीं चाहिए बल्कि हर असफलता एक नई सीख देकर जाती है। स्वयं की क्षमता पर कभी भी शंका नहीं करनी चाहिए। हमे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। सकारात्मक सोच से हर समस्या का समाधान हम खोज लेते हैं। इसीलिए कभी हार नहीं माननी चाहिए। उपराष्ट्रपति दिल्ली से चलकर सीधे चकेरी एयरपोर्ट पहुंचे वहां पर मंत्री राकेश सचान ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वह जयपुरिया स्कूल पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, सांसद रमेश अवस्थी, जैयपुरिया ग्रुप के अध्यक्ष शिशिर जैयपुरिया, सलाहकार विनोद मल्होत्रा, हरीश संदुजा, शिखा बनर्जी, गणेश तिवारी ने उनका स्वागत किया।

साहब मेरी मम्मी को पापा से बचा लीजिए बेटी ने अपने पिता पर कराई एफआईआर

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। साहब मेरी मम्मी को पापा से बचा लीजिए। उन्होंने बेरहमी से मारा पीटा है मम्मी को। उनका जबड़ा टूट गया है। उन्हें आंख से कम दिखाई दे रहा है। मेरी मदद करिए मेरी मम्मी को बचा लीजिए। पुलिस के सामने यह शब्द थे 28 साल की शबनम के। वह अपने मायके रहने के लिए आई हुई थी। उसी दौरान शराबी पिता ने नशे में मां से झगड़ा करते हुए हमला कर दिया। बाबूपुरवा पुलिस ने बेटी की तहरीर पर पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। घायल महिला को पीजीआई लखनऊ रेफर किया गया है। उसकी हालत गम्भीर है। पुलिस ही उसका इलाज वहां करा रही है।

कांशीराम कालोनी सनिगवां निवासी शबनम का मायका रेलवे साउथ कालोनी बाबूपुरवा में हैं। उसकी शादी पांच साल पहले मोहम्मद सलीम से हुई थी। शबनम के मुताबिक उसके पिता सलीम शराब के लती है। वो अत्याधिक शराब पीता है। प्रतिदिन शराब के नशे में घर आता है। शबनम के मुताबिक मां शाहीन बेगम 62 साल की है। वो हाल में ही अपने मायके रहने के लिए आई हुई थी। शबनम के मुताबिक 29 नवम्बर 2024 को रोज की तरह पिता सलीम शराब के नशे में रात दो बजे घर पहुंचा। घर आने के बाद मां से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इसपर पिता ने उसे बेरहमी से पीटा। मां को इतना मारा कि उनका जबड़ा टूट गया। बांयी आंख में गम्भीर चोट आ गई। जिससे उन्हें दिखना बंद हो गया।

मां को बेरहमी से पीटने के दौरान पिता ने सिगरेट से जांघों में गोद दिया। उसके प्राइवेट पार्ट पर भी मारा। जिससे वो बदहवास हो गई। शबनम के मुताबिक वह भागकर बाबूपुरवार पुलिस स्टेशन पहुंची और पुलिस कर्मियों से गुहार लगाई। पुलिस ने तत्काल रिस्पोंस करते हुए मौके पर पहुंची और शाहीन बेगम को केपीएम ले जाकर उसकी डाक्टरी कराई। केपीएम से मां को हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां पर भी डाक्टरों ने उनकी हालत अत्याधिक गम्भीर बताते हुए पीजीआई रेफर कर दिया। इस मामले में डीसीपी साउथ अंकिता शर्मा ने कहा कि बेटी की तहरीर पर पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपी सलीम फरार है। पुलिस टीम उसकी तलाश कर रही है। महिला की हालत ज्यादा क्रिटिकल है। पुलिस ही उसका पीजीआई में इलाज करा रही है। महिला के ठीक होने के साथ ही उसके बयान दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीएसए कानपुर के छात्रों ने एड्स के प्रति किया जागरूक

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में रविवार को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। वर्ष 2024 में विश्व एड्स दिवस की थीम टेक द राइट पाथः माय हेल्थ, माय राइट्स रही। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान डॉ. मुक्ता गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि सिंह ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एड्स के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एड्स का सबसे पहला मामला चिंपैंजी और बंदरों में पाया गया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एड्स का अभी तक कोई इलाज नहीं है और इसकी रोकथाम ही इसका सबसे बड़ा उपाय है। बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा शाजिया खान और जागृति दास ने कहा, एड्स सिर्फ एक बीमारी नहीं, बल्कि एक सामाजिक कलंक बन गया है। हमें एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए, बल्कि उन्हें समाज में पूरा सम्मान और सहयोग मिलना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम पर अधिष्ठाता डॉ. मुक्त गर्ग ने कहा कि एड्स जैसे विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए सबसे पहले हमें खुद जागरूक होना पड़ेगा। एड्स से जुड़ी भ्रांतियों को समाप्त करना और पीड़ितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाना अत्यंत आवश्यक है। जागरूकता ही समाज में बदलाव का सबसे बड़ा माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम के दौरान पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने रचनात्मक और विचारोत्तेजक पोस्टरों के माध्यम से एड्स से जुड़े मिथकों को दूर करने और जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। पोस्टरों ने एड्स पीड़ितों के प्रति समाज के रवैये को बदलने और सहानुभूति बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 3-डॉ. रश्मी सिंह ने अधिष्ठाता डॉ. मुक्ता गर्ग का स्वागत किया। गेस्ट फैकल्टी डॉ. पल्लवी सिंह और डॉ. रीमा भी उपस्थिति रहीं।

कैलिफोर्निया की डॉक्टर का फर्जी खाता खुलवाया, 1.50 करोड़ ठगे

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर। दो महीने से कानपुर पुलिस को चकमा दे रही ठग नेहा तिवारी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। नेहा इतनी शातिर है कि विदेश में रहने वाली 92 साल की डॉक्टर से डेढ़ करोड़ ठग लिए. इतना ही नहीं, अपने पति को भी नहीं छोड़ा। उससे भी लाखों रुपए ठग लिए।

पति को जब नेहा की हरकतों के बारे में पता चला, तो उसे घर से निकाल दिया। नेहा से तलाक लेने का मुकदमा दायर कर दिया। नेहा के एक साथी राहुल कटियार को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। नेहा उसका फाइनेंस भी मैनेज करती थी। इन दोनों के साथ एक बैंक कर्मचारी रजत भी शामिल था। मामला ग्वालटोली थाना क्षेत्र का है। आभा गुप्ता एलनगंज खलासी लाइन ग्वालटोली की रहने वाली हैं। इस समय वह अमेरिका में रहती हैं। उनकी शिकायत और पुलिस कमिश्नर के आदेश पर ग्वालटोली थाने में 4 अक्टूबर 2024 को एफआईआर दर्ज हुई थी। आभा ने शिकायत की थी कि नौबस्ता में रहने वाले राहुल कटियार, पनकी रतनपुर में रहने वाली नेहा तिवारी और बैंक कर्मचारी रजत सिंह ने फर्जीवाड़ा किया है। तीनों ने विदेश में रहने वाली आभा गुप्ता की बहन डॉ. प्रतिभा के नाम पर 1.50 करोड़ का लोन लेकर हड़प लिया। डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने बताया- नेहा तिवारी और राहुल कटियार फाइनेंस सेक्टर में काम करते हैं। दोनों डॉ. प्रतिभा का भी अकाउंट देखते थे। इसी का फायदा उठाकर उन्होंने विदेश में रहने वाली डॉ. प्रतिभा के दस्तावेजों के सहारे 1.50 करोड़ का लोन करा लिया था। आभा गुप्ता ने बताया- ग्वालटोली में रहने वाली मेरी 92 साल की बड़ी बहन प्रतिभा रोहतगी 'आभा नर्सिंग होम' चलाती हैं। 4 साल से वह अल्जाइमर से पीड़ित हैं। इसके चलते उन्होंने पावर ऑफ अटॉर्नी मेरे नाम पर कर दी थी। इसके बाद से वह कैलिफोर्निया में शिफ्ट हो गईं।

बहन के ग्वालटोली वाले घर में देखभाल के लिए कुछ कर्मचारी रहते हैं। मेरी बहन प्रतिभा के एक कंपनी में शेयर फंसे थे। साल 2021 में उसी सिलसिले में राहुल कटियार और नेहा तिवारी मिले। धीरे-धीरे वो दोनों बहन डॉ. प्रतिभा का फाइनेंस का काम देखने लगे थे। इन दोनों ने कर्मचारियों की मदद से बहन प्रतिभा के नाम पर किदवईनगर स्थित एचडीएफसी बैंक में फर्जी दस्तावेजों से खाता खुलवाया। इसमें बैंक के कर्मचारी रजत सिंह ने भी साथ दिया। फिर दिल्ली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित ब्रांच में ऑनलाइन खाता खुलवाया गया। वहां की ब्रांच से डेढ़ करोड़ का लोन ले लिया। फिर लोन की रकम किदवईनगर वाले खाते में ट्रांसफर करा ली।

इसके बाद जब लोन की किश्तें नहीं भरी गईं, तो बैंक से नोटिस आ गया। इसके बाद मुझे पूरी बात पता चली। मैं अमेरिका में थी। मैंने अमेरिका से ही कानपुर के पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। पुलिस कमिश्नर ने एसीपी कर्नलगंज से गोपनीय जांच कराई। इसके बाद पूरे खेल का खुलासा हुआ। डॉक्टर प्रतिभा रोहतगी के नाम से डेढ़ करोड़ का लोन लेने के बाद शातिरों ने रुपए निकालने के लिए भी बेहद चालाकी भरा रास्ता चुना। आरोपियों ने दिल्ली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित ब्रांच में खाता खुलवाने के बाद रुपए किदवईनगर ब्रांच में खोले गए डॉक्टर प्रतिभा के फर्जी अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए।

संक्षिप्त खबरें

अब दिन में भी बढ़ेगी ठंड, गिरेंगे तापमानः तापमान सीजन में सबसे कम; फेंगल चक्रवात का कानपुर में दिखेगा असर

कानपुर। नए पश्चिमी विक्षोभ के आने और पहाड़ों पर बर्फबारी और फेंगल चक्रवात समेत कई मौसम स्थितियों के बनने से मैदानी इलाकों में भी मौसम बदलाव की संभावना बढ़ गई है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार सोमवार से दिन में भी सर्दी बढ़ सकती है। कल तक फेंगल चक्रवात के असर से भी मौसम में बदलाव संभव है। लगातार दो दिन से रात का तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। रविवार को दिन में भी हल्की सर्दी महसूस की गई। रात का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री और दिन के अधिकतम तापमान में 0.8 डिग्री की कमी आई है। शनिवार को दिन तापमान सामान्य से 0.4 डिग्री कम रहा, जबकि रात का तापमान 1.9 डिग्री कम रहा। कृषि मौसम विशेषज्ञ डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि रात के समय तापमान सामान्य से नीचे की ओर जा चुका है। दिन में भी सर्दी बढ़ सकती है। सीजन (नवंबर) का सबसे कम पारा 8.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ का असर आगे जारी रहेगा। मौसमी सिस्टम तेजी से बन रहे हैं और इसका व्यापक असर हो रहा है। लगातार उत्तर पश्चिमी हवा को पीछे ढकेल रही उत्तर पूर्वी हवाएं केवल चक्रवात के कारण थीं। एक बार फिर चक्रवात फेंगल ने अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम विशेषज्ञ का कहना है कि अभी 48 घंटों में कोहरा बना रहेगा। फिलहाल हल्के कोहरे की स्थितियां चल रही हैं और यह खासतौर पर जलाशयों के आसपास है। लेकिन इसके बाद कोहरा घट सकता है लेकिन बदली के कारण दिन के तापमान में कमी भी आ सकती है।

रिमझिम इस्पात के 15 और ठिकानों पर छापेमारीःढाई करोड़ कैश और करोड़ों के फर्जी लेनदेन मिले; चौथे दिन भी रेड जारी

कानपुर। रिमझिम इस्पात के कई ठिकानों पर आईटी रेड चौथे दिन भी जारी है। लोहा, स्टील व स्क्रैप की प्रमुख कंपनी रिमझिम इस्पात व उससे जुड़े कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर की कार्रवाई रविवार को चौथे दिन भी जारी है। कानपुर, उन्नाव, हमीरपुर, गाजियाबाद, नोएडा समेत कई शहरों में कंपनी मालिक के आवास, कॉरपोरेट कार्यालय, अलग-अलग शहरों में संचालित फैक्ट्रियों में जांच जारी है। इस दौरान ढाई करोड़ नकद, करोड़ों की फर्जी खरीद-फरोख्त के अलावा दो दर्जन से अधिक मुखौटा कंपनियां बनाकर वित्तीय हेराफ़ेरी का खेल सामने आया है। अलग-अलग प्रदेशों में फैली अरबों की संपत्तियों के साक्ष्य भी मिले। इनमें से कई बेनामी संपत्तियां भी होने की आंशका है। इसकी जांच की जा रही है। कार्रवाई 40 से बढ़कर 55 ठिकानों तक पहुंच गई। हालांकि देर रात कानपुर, नोएडा, लखनऊ समेत कई शहरों के 18 ठिकानों से टीमें हट गईं। अब छापेमारी 37 जगह की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक करीबी कारोबारियों के यहां से भी कई दस्तावेजों में खामियां मिली हैं। सूत्रों के मुताबिक इस्पात कारोबारी लंबे समय से आयकर व दूसरी जांच एजेंसियों के रडार पर थे। उड़ीसा में नई आयरन फैक्ट्री खोलने के बाद लगातार उन पर नजर रखी जा रही थी। कई खामियां उजागर होने के बाद पूरी तैयारी के साथ छापेमारी की कार्रवाई की गई। इस्पात कारोबारी की फैक्ट्रियों में गड़बड़ी के व्यापक साक्ष्य मिलने पर आयकर ने छापेमारी का दायरा बढ़ा दिया। इसमें कानपुर, आगरा, लखनऊ, नोएडा, दिल्ली के भी अफसर शामिल हैं। सूत्र बताते हैं कि अधिकारियों को व्यापक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस मिली हैं। शनिवार देर रात को आयकर विभाग की एक कार बाहर निकली है। उसमें तमाम दस्तावेजों के साथ बोरा लदा हुआ देखा गया है। चर्चा है कि दस्तावेजों के साथ बोरे में नकदी भरकर आयकर मुख्यालय भेजी गई है। तीन दिन में 200 से अधिक ट्रक कंपनी के बाहर और आसपास आकर खड़े हुए हैं।

पति समेत पांच के खिलाफ मुकदमा

कानपुर। थाना महाराजपुर क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोप है कि पति के एक महिला से अवैध संबंध हैं। विरोध करने पर उसे मारा पीटा गया। महाराजपुर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू दी है। जानकारी के अनुसार सोनी ने बताया कि शादी कानपुर देहात के शिवली के नारेपुरवा मजरा मांडा निवासी विनोद कुमार से हुई है। आरोप है कि विनोद के एक महिला से संबंध हैं। विरोध करने पर पति ने गर्म चिमटे से हाथों और सिर को दाग दिया। शोर मचाने पर जेठ रामकुमार, जेठानी सोमवती, भतीजी रिशु व ननद ने उसे मारा पीटा। पीड़िता ने बताया कि जान बचाकर वह थाने पहुंची, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद वह मायके आकर परिजनों के साथ महाराजपुर थाने पहुंचकर ससुरालीजनों पर रिपोर्ट दर्ज कराई। महाराजपुर ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति समेत पांच पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। वहीं, इस सम्बंध में महाराजपुर थाना प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि केस दर्ज मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

1700 किलो मीटर का सफर तय करेंगे 100 साइक्लिस्ट्स

खरी कसौटी
ब्यूरो

कानपुर। इंडो एथलेटिक्स सोसायटी की ओर से हर साल लंबी दूरी की राइड आयोजित की जाती है, ताकि लोगों को स्वच्छ व स्वास्थ्य पर्यावरण का संदेश दे जागरूक करे। इस साल लगातार 5वां वर्ष है। इससे पहले पुणे से कन्याकुमारी, पुणे से गोवा, पुणे से हम्पी, पुणे से सोमनाथ गुजरात की सफलतापूर्वक यात्रा की जा चुकी है।

5 दिन पूर्व पूर्ण से शुरू हुई यात्रा शनिवार को कानपुर पहुंची। रविवार सुबह पूरा दल लखनऊ के लिए रवाना हुआ। इस वर्ष पुणे से बनारस तक 1700 किलोमीटर यात्रा का आयोजन किया गया है। इस यात्रा को 4 दिसंबर तक पूरा किया जाना है। साइकिल यात्रा की शुरुआत भक्ती शक्ति गार्डन पुणे से की गई थी। ऐसा इंडो एथलेटिक्स सोसायटी के संस्थापक सदस्य गजानन खैरे ने बताया- इस वर्ष अयोध्या राइट के लिए नियोजन समिति ने सहमति दी। तीन महीने पहले तैयारी शुरू हुई, इंडो एथलेटिक्स सोसायटी 35,000 सदस्यों की संख्या वाली यह भारत की स्वास्थ्य और खेल क्षेत्र में काम करने वाली सबसे बड़ी संस्था है। देश को प्रदूषण मुक्त करना, बाइक टू वर्क अवधारणा, पर्यावरण और युवा पीढ़ी को स्वास्थ्य के महत्व को समझाना, यह संस्था का मुख्य उद्देश्य है। भारत सरकार द्वारा 2016 में संस्था को एट्रट और आयकर विभाग का 80क्रऔर 12इ प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। संस्था पूरे साल विभिन्न स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में आयोजन करती रहती है। पहले आयोध्या फिर बनारस जाएगा ये दल। यात्रा का मार्ग ये है पहला दिन - पुणे से शिर्डी - 180 किमी दूसरा दिन - शिर्डी से शिरपूर - 210 किमी तीसरा दिन - शिरपूर से महेश्वर - 128 किमी चौथा दिन - महेश्वर से उज्जैन - 145 किमी 5वां दिन - उज्जैन से ब्यावरा - 156 किमी 6वां दिन - ब्यावरा से बदरवस - 150 किमी 7वां दिन - बदरवस से झाशी - 155 किमी 8वां दिन - झाशी से कानपूर - 230 किमी 9वां दिन - कानपुर से लखनऊ - 85 किमी 10वां दिन - लखनऊ से अयोध्या - 135 किमी 11वां दिन - अयोध्या से वाराणसी - 218 किमी।

जमीन कब्जाने में वीरेन्द्र दुबे समेत 6 पर रिपोर्ट

खरी कसौटी ब्यूरो

कानपुर में भाजपा नेता और उनके परिवार के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा; पुलिस ने नहीं सुनी तब कोर्ट ने दिए आदेश

कानपुर। शहर की राजनीति में अलग अलग पार्टियों से सक्रिय रहे वर्तमान में भाजपा नेता वीरेन्द्र दुबे और उनके परिवार के खिलाफ जमीन हड़पने के मामले में कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित के मुताबिक उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत करने पर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। जिसके बाद सीएमएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया गया। कोर्ट के आदेश के बाद आरोपी, उसके परिवार समेत छह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक मामले में दस्तावेजी सबूतों की जांच करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बी ब्लॉक किदवई नगर निवासी संजय गुप्ता (62) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक परिजनों और अन्य रिश्तेदारों के बीच पुरखों की बूढ़पुर मछरिया स्थित जमीन को लेकर विवाद था। जिसमें एक रिश्तेदार गणेश शंकर गुप्ता के खिलाफ सन 2021 में नौबस्ता थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की थी। इस जमीन और परिवार के बीच चल रहे मनमुटाव की जानकारी राधे होल्डिंग लिमिटेड के डायरेक्टर वीरेन्द्र दुबे ने पीड़ित को आश्वासन दिया कि वो उनके और परिवार वालों के बीच सुलह समझौता करा देगा। वीरेन्द्र दुबे के विश्वास दिलाने पर पीड़ित व अन्य परिजन समझौते के लिए तैयार हो गए। पीड़ित के मुताबिक वीरेन्द्र दुबे ने अपनी फर्म के अन्य डायरेक्टरों के साथ मिलकर जमीन के अन्य सहस्वामियों के साथ, पीड़ित को सहमति पक्षकार बनाकर पूरे भू-भाग के कुछ हिस्सों को अपनी फर्म राधे होल्डिंग लिमिटेड जवाहर नगर में पोस्टडेटेड चेकों के माध्यम से धोखाधड़ी कर अपनी फर्म के हक में विक्रय पत्र करा लिया। पोस्टडेटेड चेकों का भुगतान कूटरचित होने के कारण अब तक नहीं हो सका है। विक्रय पत्र के बाद वीरेन्द्र दुबे ने अपनी अपराधिक छवि का फायदा उठाते हुए पूरी जमीन पर कब्जा कर उसे बेचने का कार्य शुरू कर दिया। वीरेन्द्र दुबे की फर्म से अब भी पीड़ित को करोड़ों रुपए जमीन के एवज में लेने हैं। भय दिखाकर सभी सहस्वामियों को चेक लगाने से रोका जा रहा है। पीड़ित के मुताबिक रुपए मांगने पर वीरेन्द्र दुबे अपराधिक इतिहास बताकर धमकी देते हैं की पूरे खानदान को खत्म कर देंगे। जिंदगी भर के लिए झूठे मुकदमें में जेल में सड़ा देंगे। साथ ही यह भी कहते हैं कि पहले भी दो तीन लोगों की हत्या कर चुका हूं और अब पुलिस प्रशासन भी कुछ नहीं कर सकता।

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि वीरेन्द्र दुबे व उसे सहयोगी सीधे साधे लोगों को फंसाकर उनकी जमीनों पर कब्जा करते हैं। अपनी कार में भाजपा का झंजा लगा कर धौंस झाड़ते हैं। जिससे पार्टी की छवि खराब हो रही है। शायद यही कारण है जिसके कारण पार्टी ने वीरेन्द्र दुबे को कोई पद नहीं दिया है। इंस्पेक्टर कोतवाली संतोष कुमार शुक्ला के मुताबिक जवाहर नगर निवासी वीरेन्द्र दुबे, उनकी पत्नी सरोज दुबे, बेटी अपर्णा दुबे व 3अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज बनाना वह उनका प्रयोग करने समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। दस्तावेजी साक्ष्य इकट्ठा किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बोलेरो बेकाबू होकर खाई में पलटीः बाइक को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, घायलों को हैलट अस्पताल किया रेफर

कानपुर। बिल्हौर में चौबेपुर बिठूर रोड पर नून नदी पुल के पास एक तेज़ रफ़्तार बोलेरो, बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे में बोलेरो सवार चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। चौबेपुर थाना क्षेत्र के भट्टाकोठी गांव निवासी उमेश अग्निहोत्री रविवार को अपनी पत्नी मनोरमा अग्निहोत्री, बेटा आयुष अग्निहोत्री और बेटी अंजलि अग्निहोत्री सहित गोद भराई के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए थाना क्षेत्र की शिवपुरी गांव निवासी संगम गुप्ता के साथ बोलेरो द्वारा बिठूर जा रहे थे। तभी रास्ते में नून नदी पुल के पास उनकी तेज रफ्तार बोलेरो सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अचानक अनियंत्रित हो गई और खाईं में जाकर पलट गई। हादसे में बोलेरो सवार सभी लोग घायल हो गए। घटना देख राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस में सभी घायलों को गाड़ी से निकलवाया और उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया। जहां डॉक्टर ने सभी घायलों के प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल उमेश अग्निहोत्री और उनकी पत्नी मनोरमा अग्निहोत्री को हैलट अस्पताल कानपुर के लिए रेफर कर दिया। जहां उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटनास्थल के सामने दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में घटना किस तरह से हुई उसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

सीआरपीएफ हवलदार से सवा लाख की धोखाधड़ी; खुद को आर्मी जवान बताकर आरोपी ने की ठगी, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। रेलबाजार थानाक्षेत्र में एक ठग ने आर्मी जवान बनकर सीआरपीएफ के हवलदार से सवा लाख की धोखाधड़ी कर दी। एटीएम बूथ में बैलेंस चेक करने के दौरान पीड़ित हवलदार का एटीएम कार्ड बदल लिया। जिसके बाद एक के बाद एक रुपये कटने के मैसेज उनके मोबाइल पर पहुंचते रहे। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करायी है। दीनदयाल नगर थाना ग्वालियर मध्यप्रदेश निवासी रामप्रकाश सिंह भदौरिया ने बताया कि वह सीआरपीएफ में हवलदार के पद पर दीघा सिंह भूमि झारखंड में पोस्टेड हैं। बताया कि वह छुट्टी से वापस जाने के लिए कानपुर रेलवे स्टेशन पर 31 मई को संभलपुर एक्सप्रेस ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। बताया कि इस दौरान उनके पास एक आदमी आया जो कि अपने आप को आर्मी वाला बताने लगा। उसके साथ स्टेशन के बाहर एक नंबर प्लेटफार्म की तरफ एटीएम तक गए और बैलेंस चेक किया। उसके बाद दोनों स्टेशन पर आ गए। पीड़ित जवान के अनुसार वह नहीं जान पाए कि किस समय उसने उनका एटीएम कार्ड चेंज कर दिया। ट्रेन में बैठने के बाद मोबाइल में मैसेज आया कि 75 हजार रुपये की कृष्णा ज्वैलर्स कानपुर में शापिंग की गई। इसके बाद 2.50 बजे से लेकर 3.30 के बीच में अलग-अलग जगह 46 हजार रुपये ट्रांसफर किया गया। पीड़ित के अनुसार उनके एटीएम कार्ड से उस व्यक्ति ने कुल 1,21,000 रुपये का ट्रान्जेक्शन कर लिया। इस संबंध में रेलबाजार थाना प्रभारी बहादुर सिंह का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

अगले हफ्ते से संवरने लगेगा रूमा औद्योगिक क्षेत्र

कानपुर। आदर्श औद्योगिक क्षेत्र के रूप में चयनित रूमा औद्योगिक क्षेत्र में विकास के कार्य दिसंबर से शुरू होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस सीसीटीवी कैमरे लगेंगे, जिससे आपराधिक गतिविधि होने पर अलर्ट मिल जाएगा। कई जगह पब्लिक एड्रेस सिस्टम बनाए जा रहे हैं। यहां से कर्मचारियों और आसपास के लोगों को संदेश दिया जा सकेगा। यहां स्टेट ऑफ आर्ट इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम और कमांड सेंटर तैयार किया जाएगा। उनसे ही इन कैमरों को जोड़ा जाएगा। ये कार्य सेफ सिटी परियोजना की तर्ज पर किया जाएगा। सड़कों के निर्माण व अन्य कार्यों के लिए उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने कंपनी का चयन कर लिया है। एक हफ्ते में कंपनी से अनुबंध किया जाएगा। कंपनी अगले हफ्ते से वहां काम शुरू करेगी। रूमा औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति अभी बहुत खराब है। यहां न तो पानी की आपूर्ति हो पा रही है और न ही सड़कों की स्थिति अच्छी है। 13 नंबर मार्ग की स्थिति तो बहुत खराब है। इस मार्ग पर कदम- कदम पर गड्ढे हैं। यहां की लगभग सभी सड़कें टूटी हैं। अब 9.76 किमी सड़कों का निर्माण होगा। सड़कें फुल डेप्थ रीक्लेमेशन (एफडीआर) तकनीक से बनेंगी ताकि अधिक बोझ पड़ने के बाद भी न टूटें और लागत भी कम आए। इस औद्योगिक क्षेत्र का विकास अटल औद्योगिक अवसंरचना मिशन के तहत किया जाना है। इसके लिए 86 करोड़ रुपये प्राधिकरण को मिल भी चुके हैं। इस राशि से यहां पर कॉमन इफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट तक नई पाइप लाइनें डाली जाएंगी और जल निकासी की समस्या का भी समाधान किया जाएगा। अभी में इस औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्रियों का पानी प्लाटों में भरा रहता है। जल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए सड़कों के किनारे 35 पुलिया और 18.83 किमी जल निकासी लाइनें बनेंगी।

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि अपराधियों को बदलने के लिए जेल असफल व्यवस्था है। व्यक्ति या तो पश्चाताप से सुधरता है या परिवर्तन से। लेकिन पश्चाताप कम लोगों को होता है और अपराधी की वृत्ति कैसे परिवर्तित हुई? इस पर मनोवैज्ञानिकों का एक वर्ग कहता है, जिस रासायनिक द्रव्य के कारण उसका शरीर अपराध की ओर चलता है, उस द्रव्य पर काम किया जाए। जैसे ही वो रसायन सक्रिय होता है, मनुष्य विक्षिप्त हालत में आ जाता है और आक्रामक, हिंसक होकर अपराध कर बैठता है।

सम्पादकीय

किसे मिलेगी महाराष्ट्र की गद्दी?

केसी विश्नोई (समूह सम्पादक)

महाराष्ट्र में अब तक सीएम पद को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ऐसे में आज महायुति की बैठक होने वाली है, जिसके बाद ये साफ हो सकता है कि महाराष्ट्र का सीएम कौन बनेगा। हालांकि अभी तक देवेंद्र फडणवीस का नाम ही सीएम पद को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में है लेकिन बीजेपी आखिरी मौके पर अपने फैसलों में बदलाव के लिए भी जानी जाती है। महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत के बाद नई सरकार के गठन में कुछ और दिन लगने की संभावना है। गुरुवार को दिल्ली में कई बैठकों के बाद भी शुक्रवार को कोई बड़ा अपडेट सामने नहीं आया। महाराष्ट्र में बीजेपी की तरफ से देवेंद्र फडणवीस को स्वभाविक दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे की प्रेस कांफ्रेंस के बाद यह माना गया था कि नई सरकार का रास्ता साफ हो गया है लेकिन ऐसा नहीं हुआ, बल्कि एक तरीके से उन्होंने गेंद बीजेपी के खेमे में उछाल दी थी। महाराष्ट्र में बीजेपी के नए विधायक और काय्रकर्ताओं की इच्छा देवेंद्र फडणवीस को सीएम के तौर पर देखने की है लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति पर पैनी नजर रखने वाले विशेषज्ञ सरप्राइज से भी इनकार नहीं कर रहे हैं।सीएम पद पर सबसे प्रबल दावेदार देवेंद्र फडणवीस ही लग रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि एकनाथ शिंदे ने हालही में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये संकेत दे दिए थे कि वह खुद सीएम पद की रेस में नहीं हैं और अगला सीएम बीजेपी से ही होगा। शिंदे ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि वह संतुष्ट हैं और कभी बीच में रोड़ा नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा था कि बीजेपी जो फैसला लेगी, मेरी शिवसेना उसको समर्थन करेगी। शिंदे ने कहा कि मेरे लिये लाड़ला भाई यही पद, सबसे बड़ा पद है। शिंदे ने भी यह कहा था कि महायुति की तीनों पार्टियों की दिल्ली में बैठक होगी, उसमें सरकार गठन और शिवसेना की हिस्सेदारी पर चर्चा होगी। उसके बाद कौन सीएम बनेगा, ये तय हो जाएगा।देवेंद्र फडणवीस को दो ही स्थितियां हैं कि वे महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री बने या फिर उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिले। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पश्चिम महाराष्ट्र से आने वाले एक सांसद नए मुख्यमंत्री के संभावित दावेदार हो सकते हैं। वह फडणवीस के भी करीबी हैं। अगर ऐसा होता है तो फिर फडणवीस का केंद्र में जाना तय है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बीजेपी को जिस तरह से मराठा समुदाय के वोट हासिल हुए हैं पार्टी ऐसी स्थिति में नए प्रयोग के बारे में भी सोच रही है। इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि अगर बीजेपी किसी मराठा को सीएम बना दे और फडणवीस संगठन की कमान संभालें।महाराष्ट्र चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के बाद मराठा पॉलिटिक्स केंद्र में है। राजनीतिक तौर पर बीजेपी महाराष्ट्र में मिली जीत से राज्य में सामाजिक संतुलन बनाना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह अपने प्रयोगों से चौंकाते आए हैं। सूत्रों की मानें तो पार्टी अगर पश्चिम महाराष्ट्र से किसी नेता को अगर मुख्यमंत्री पद देती है तो निश्चित तौर पर इस क्षेत्र में एक बड़े नेता का उभार निश्चित होगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महायुति को प्रचंड जनादेश मिला है।

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

आर के सिन्हा

कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ''दूसरे'' के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले।

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं।

वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन , ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं ।

पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था।

पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के ख़िलाफ़ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है। तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए

और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं। बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है , जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है।

कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें ''दूसरे'' के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे।मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे। जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं।आगे क्या होगा शायद खुदा को ख़ुद भी पता न हो । आगे - आगे देखिये होता है क्या?

भारत में नौकरियों की कमी नहीं, असली चिंता स्किल

नीरज कौशल

भारत ने आजादी की सदी पूरी होने यानी 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य सामने रखा है। यह एक कठिन चुनौती है। बहुत कुछ वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यदि विश्व-अर्थव्यवस्था लड़खड़ाती है या धीमी हो जाती है तो भारत अपने दम पर बहुत अधिक विकास नहीं कर पाएगा। फिर भी, पिछले तीन दशकों में भारत के विकास की गति को देखते हुए यह लक्ष्य उसकी पहुंच के बाहर नहीं है। अगर बहुत आशावादी दृष्टिकोण से देखें तब भी मेरी गणना बताती है कि हमें लक्ष्य को प्राप्त करने में निर्धारित समय से संभवतः 10 से 15 वर्ष और लगेंगे। लेकिन यह एक सराहनीय उपलब्धि होगी- जिसे भारत के आकार का कोई भी देश इतनी तेजी से हासिल नहीं कर पाया होगा!

2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्ज़ा हासिल करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को लगभग एक चौथाई सदी तक लगभग 10% की वार्षिक वृद्धि की आवश्यकता होगी। हम किसी चमत्कार से कम की उम्मीद नहीं कर रहे हैं, जो विश्व-इतिहास में केवल एक बार हुआ है- चीनी अर्थव्यवस्था ने 1990 और 2000 के दशक में दोहरे अंकों की वार्षिक जीडीपी वृद्धि हासिल की थी। इसके बाद 2010 के दशक में उसकी विकास दर 6% से 7% और 2020 के दशक में इससे भी कम रह गई। अगर भारत 2060 के दशक तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होता है- जैसा कि मेरा अनुमान है- तो उसके लिए 7% की सालाना जीडीपी वृद्धि की दरकार होगी, और यह लक्ष्य भी आसान नहीं है।भारत की उम्मीदें उसके युवाओं द्वारा शिक्षा और कौशल में निवेश पर टिकी हैं। भारत में शीर्ष प्रतिभाओं की एक पतली-सी परत है, जो भारत और विदेशों में मुट्ठी भर आईआईटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों से प्रशिक्षित हैं। यह पतली परत दुनिया के बाकी हिस्सों से प्रतिस्पर्धा करती है और वैश्विक स्तर पर इसकी काफी मांग है। इसी में से कई लोग फॉर्च्यून 500 कंपनियों में शामिल हो गए हैं और कुछ तो उन्हें चला भी रहे हैं। यह 2000 से औसतन 7% प्रति वर्ष की दीर्घकालिक जीडीपी वृद्धि के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए पर्याप्त रही है। लेकिन इस श्रेणी से नीचे कौशल का स्तर गिर जाता है। विकास की गति को जारी रखने के लिए हमें दूसरी, तीसरी और चौथी परत बनाने की भी जरूरत है। हमने अब तक शीर्ष श्रेणी से नीचे के श्रमिकों के कौशल-स्तर को बढ़ाने के लिए जो कुछ किया है, वह नाकाफी है। पिछले दो दशकों में, इंजीनियरों, डॉक्टरों, नर्सों, प्रबंधकों और अन्य क्षेत्रों के पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए बड़ी संख्या में पेशेवर विश्वविद्यालय सामने आए हैं। भारत के विश्वविद्यालयों से हर साल एक करोड़ से अधिक युवा ग्रेजुएट होते हैं, लेकिन इनमें से अधिकतर के पास ऐसी स्किल्स नहीं होतीं कि उन्हें नौकरी पर रखा जा सके। राजनीतिक दल और विश्लेषक इस बात पर चिंताएं जताते हैं कि भारत में नौकरियों का संकट है। उनका तर्क यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था रिकॉर्ड उच्च दरों पर बढ़ने के बावजूद लाखों महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए नौकरियां पैदा करने में विफल रही है।

तनवीर जाफरी
कॉलम

हुज़ूर आते आते बहुत देर कर दी

भारत में ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का चलन कोई बहुत पुराना नहीं है। 1990 के दशक तक तो चुनावों के दौरान काग़ज़ के मतपत्रों अथवा बैलट पेपर का ही उपयोग किया जाता था। चूँकि भारत की गिनती विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में होती है इसलिए यहाँ पर्याप्त मात्रा में काग़ज़ के मतपत्रों के अतिरिक्त इनकी छपाई, मतपत्र व मत पेटियों के आवागमन (परिवहन), इनके भंडारण और मतपत्रों की गिनती हेतु पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होती थी। इन बैलेट पेपर्स में धोखाधड़ी वाले मतदान और बूथ कैप्चरिंग की संभावना तो थी ही, साथ ही बूथों पर क़ब्ज़ा करने व उनमें जाली मतपत्र भरने की घटनाएं भी सामने आती रहती थीं। इस तरह की अनियमिताओं की शुरुआत हालांकि 1950 के दशक के उत्तरार्ध से ही शुरू हो चुकी थी, परन्तु 1950 और 1980 के दशक के बीच यह समस्या निरंतर बढ़ती चली गई। कुछ राज्यों में तो चुनाव, धांधली व बूथ क़ब्ज़ा को लेकर बड़े पैमाने पर हिंसा भी हुआ करती थी।

भारत के चुनाव आयोग ने इन्हीं समस्याओं से निजात पाने की ग़रज़ से 1970 के दशक के उत्तरार्ध में इस समस्या का समाधान खोजा जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का विकास हुआ। इस प्रणाली को भारत के चुनाव आयोग के लिए राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा विकसित किया गया था। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में उन्हें चरणबद्ध तरीक़े से भारतीय चुनावों में पेश किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग हमेशा यह दावा करता रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, सिस्टम जाँच, सुरक्षा प्रक्रियाएँ और चुनाव प्रोटोकॉल आदि किसी से भी छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। परन्तु ईवीएम के प्रचलन में आने के फ़ौरन बाद से ही इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठने खड़े हो चुके थे। कांग्रेस के शासन काल में शुरू की गयी ईवीएम से मतदान प्रक्रिया का न केवल लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी जैसे नेता विरोध करते रहे हैं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वयं पहले ईवीएम पर सवाल उठा चुके हैं और इसकी विश्वसनीयता पर संदेह जताते रहे हैं।

देश के कई साफ़्ट वेयर विशेषज्ञ भी यह दावा कर चुके हैं कि ईवीएम के साथ छेड़ छाड़ की जा सकती है। देश में विभिन्न सामाजिक संगठन भी ईवीएम के विरोध स्वरूप कई बार आंदोलित हो चुके हैं। परन्तु अभी तक किसी राजनैतिक दल ने ईवीएम से चुनाव कराने के विरोध में जनांदोलन करने की घोषणा नहीं की।

यह पहला अवसर है जब कांग्रेस ने आगामी 26 दिसंबर से कर्नाटक के बेलगाम से ईवीएम के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। 26 दिसंबर को बेलगाम में पहले कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी उसके बाद एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी। और यहीं से कांग्रेस ईवीएम के विरुद्ध सड़कों पर उतरकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने जा रही है।

कांग्रेस के अनुसार जिस तरह लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नफ़रत की राजनीति के ख़िलाफ़ भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, उसी तर्ज़ पर बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने के समर्थन में व्यापक राष्ट्रीय जन समर्थन जुटाने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी भारत जोड़ो यात्रा निकाली जाएगी। कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों के नेता वैसे तो अपने अपने स्तर पर ईवीएम का विरोध करते रहे हैं। परन्तु जब भी चुनावी नतीजे विपक्षी दलों के पक्ष में जाते हैं उस समय ईवीएम का विरोध करने वाले यही दल व नेता अपनी जीत के जश्न में डूबकर यह भूल जाते हैं कि जिस ईवीएम ने उन्हें जीत दिलाई है वह संदिग्ध है? बजाये इसके वही विपक्ष अपनी जीत को सत्ता के विरुद्ध जनता का फ़रमान बताने लगता है। परन्तु पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायलय ने एक बार फिर ईवीएम का विरोध करने वाली याचिकाओं को ख़ारिज करते हुए विपक्षी दलों को आईना दिखाया और अपनी टिप्पणी में अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि ''इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से राजनीतिक पार्टियों को दिक़्क़त नहीं है, आपको क्यों है? ऐसे आइडिया कहां से लाते हो. अदालत ने कहा, चंद्रबाबू नायडू या जगन मोहन रेड्डी जब चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ होती है. जब वे जीतते हैं, तो ईवीएम में सब ठीक रहता है?''इसी अदालती निर्णय के बाद कंांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर ईवीएम का विरोध करने का निर्णय लिया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जिस तरह प्रत्येक चुनावों के दौरान ईवीएम को लेकर संदेहपूर्ण ख़बरें आती हैं।

कई बार यह भी हो चुका है कि पोल सम्बन्धी सभी भविष्यवाणियों यहाँ तक कि राजनीतिक दलों व विशेषज्ञों के सभी आंकलनों को धत्ता बताने वाले हैरत अंगेज़ चुनाव नतीजे सामने आये। तब भी संदेह ईवीएम की कार्यप्रणाली पर ही जाता है। परन्तु अदालत का यह कहना बिल्कुल दुरुस्त है कि यदि 'आप हार जाएं तो ईवीएम ख़राब और जीतें तो सब ठीक'? उधर कांग्रेस चुनाव आयोग की कार्यशैली व चुनाव प्रक्रिया को संदेह पूर्ण बता रही है। साथ ही देश के करोड़ों मतदाताओं को भी इस बात का यक़ीन होना ज़रूरी है कि जिस दल अथवा प्रत्याशी को उसने वोट दिया है वह सही जगह पर पहुंचा भी या नहीं? इसलिये चुनावी पारदर्शिता की ख़ातिर ईवीएम को लेकर कांग्रेस का जनांदोलन लोकतंत्र को बचाने व जीवित रखने की दिशा में उठाया गया एक क़दम तो ज़रूर है परन्तु यह भी सच है कि कांग्रेस ने इस निर्णय तक आते आते बहुत देर कर दी।

सत्र में हंगामे: तय हो जबाबदेही

प्रेम शर्मा

लोकसभा हो या फिर राज्य सभा, विधान सभा हो या फिर विधान परिषद इनमें समय समय पर होने वाले सत्र सीधे आम जनता और देश की समृद्धि और विकास से जुड़े माने जाते है लेकिन संसद और विधानसभा का कोई भी सत्र हो, उसकी शुरुआत हंगामे से होना एक परंपरा का रूप ले चुका है। यह एक दुष्प्रभावी परंपरा है। फिर भी यह परम्परा दिन पर दिन बड़ी होती जा रही है। करोड़ रूपये खर्च होने के उपरान्त जिस सदन से जनता देश को कुछ हासिल होना है वह हंगामे की भेट चढ़ जाता है। इससे किसी को कुछ हासिल नहीं होता। विडंबना यह है कि वह हंगामे को अपनी जीत की तरह प्रस्तुत करता है।लोकसभा हो या फिर राज्य सभा, विधान सभा हो या फिर विधान परिषद में सत्र के दौरान इस या उस मुद्दे के बहाने हंगामा करना एक राजनीतिक स्वभाव बन गया है। जब जो दल विपक्ष में होता है, वह हंगामा करना पसंद करता है और वह भी तब, जब वह सत्ता में रहते समय हंगामे से त्रस्त हो चुका होता है। ऐसे में सदन के दौरान जो भी हंगामें होते आ रहे है उसके लिए पक्ष और विपक्ष की जबाबदेही तय होनी चाहिए। क्योकि सत्र और सत्र में भाग लेने वाले जनप्रतिनिधियों का खर्च करदाताओं की जेब से निकलता है। कई बार देखा गया कि विपक्ष यदा-कदा अपने हिसाब से ज्वलंत मुद्दों को उठाता है। लेकिन उन पर सार्थक बहस करने और सरकार से जवाब मांगने के बजाय उसकी दिलचस्पी इसमें अधिक होती है कि संसद चलने न पाए। आम तौर पर विपक्ष संसद में सरकार को घेरने के लिए मुद्दों का चयन खुद नहीं करता। वह उन मुद्दों को लेकर आगे आ जाता है, जो संसद सत्र के पहले से ही चर्चा में आ गए होते हैं। हालिय सत्र में यह पहले से तय था कि मणिपुर और अदाणी प्रकरण के साथ संभल का मामला भी विपक्ष की कार्यसूची में आ जाएगा। ऐसे मामले उसकी कार्यसूची में होने ही चाहिए, लेकिन क्या उसके लिए यह भी आवश्यक नहीं कि वह अपने स्तर पर जनता से जुड़े कुछ मुद्दों का चयन करे और इसके लिए प्रयत्न करे कि सरकार उन पर जवाब दे ?देश और राज्यों में बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरीकरण समेत न जाने कितने ऐसे विषय हैं, जिन पर संसद में व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए। पता नहीं क्यों विपक्ष इन विषयों पर संसद में चर्चा के लिए गंभीर नहीं दिखता ? विपक्ष हंगामा कर संसद को बाधित करते रह सकता है, लेकिन वह ऐसा करके जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता। यह सभी दल और जनप्रतिनिधि जानते है कि जनता हंगामा नहीं, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सरकार का जवाब चाहती है। संसद में हंगामा करते रहने की अपनी आदत पर विपक्ष को तो विचार करना ही चाहिए, सत्तापक्ष को भी यह देखना चाहिए कि संसद सही ढंग से कैसे चले? इसके लिए उसे विपक्ष को भरोसे में लेने के साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर विचार-विमर्श के लिए माहौल बनाने के लिए आगे आना चाहिए। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कटुता दूर होनी चाहिए। यह तभी संभव है, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे को आदर देंगे। संसद के शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसका अंदेशा पहले से था, क्योंकि कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने अदाणी प्रकरण, मणिपुर की हिंसा के साथ कुछ अन्य मामलों पर जोर देने का एलान कर दिया था। इनमें से एक मामला संभल की हिंसा का भी जुड़ गया, जो संसद सत्र शुरूहोने के पहले ही सामने आया। अदाणी प्रकरण भी कुछ दिनों पहले चर्चा में आया था। क्या यह महज एक दुर्योग है कि पिछले कुछ समय से संसद सत्र के पहले कोई न कोई सनसनीखेज मामला सामने आ जाता है ? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अतीत में पेगासस जासूसी और अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रपटें संसद का सत्र शुरूहोने के पहले ही आईं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अचानक आए ऐसे मुद्दों को लपक लेते हैं।

सुन्दरकाण्ड के पाठ से होते हैं अनेकों लाभ

ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री (चित्रकूटधाम)

हनुमान जी की आराधना यदि नियमानुसार और श्रद्धा भक्ति से की जाय तो निश्चित लाभ होता ही होता है। सुन्दरकाण्ड से आपके सभी समस्याओं का निराकरण हो जाता है। हनुमान आराधना में सुन्दर काण्ड के पाठ को सदैव से विशेष स्थान दिया जाता है क्योकि इस खंड में हनुमान की अतुलनीय बुद्धि, बल, विवेक दिखाई देती है। रामचरित मानस भगवान राम के जीवन पर आधारित है और इसमें सुन्दर काण्ड खंड भगवान हनुमान से विशेष रूप से जुडा है। सुन्दरकाण्ड के पाठ से हनुमान आराधना का विशेष और अद्वितीय लाभ होता है। इसके पाठ से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है और हनुमान जी पाठकर्ता की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

सुन्दरकाण्ड का नित्यप्रति पाठ करना हर प्रकार से लाभ दायक होता है, इसके अनंत लाभ है, इस पाठ को हनुमान जी के सामने घी का दीपक लगा कर करने से अधिक फल प्राप्त होता है, सुन्दरकाण्ड एक ऐसा पाठ है जो की हर प्रकार की बाधा और परेशानियों को खतम कर देने में पूर्णतः समर्थ है। आप इसे रोज नहीं कर सकते हैं तो आप मंगलवार -शनिवार इसे कर सकते हैं। इस बात का विशेष ध्यान रखना बहुत ज़रुरी है कि आपको ब्रह्मचर्य और सदाचार का पालन करना चाहिए, सुन्दरकाण्ड के पाठ से लाभ- सुन्दरकाण्ड का पाठ करने से विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलता है, ये आत्मविश्वास में बढोतरी करता है और परीक्षा में सफलता मिलती है, बुद्धि कुशाग्र होती है। इसका पाठ मन को शांति और सुकून देता है मानसिक परेशानियों और व्याधियो से ये छुटकारा दिलवाने में कारगर है। जिन लोगो को गृह कलेश की समस्या है इस पाठ से उनको विशेष फल मिलते है। अगर घर का मुखिया इसका पाठ घर में रोज करता है तो घर का वातावरण अच्छा रहता है। घर में या अपने आप में कोई भी नकारात्मक शक्ति को दूर करने का ये अचूक उपाय है।

अगर आप सुनसान जगह पर रहते है और किसी अनहोनी का डर लगा रहता हो तो उस स्थान या घर पर इसका रोज पाठ करने से हर प्रकार की बाधा से मुक्ति मिलती है और आत्मबल बढ़ता है। जिनको बुरे सपने आते हो रात को अनावश्यक डर लगता हो इसके पाठ निश्चित से आराम मिलेगा। जो लोग क़र्ज से परेशान है उनको ये पाठ शांति भी देता है और क़र्ज मुक्ति में सहायक भी होता है। जिस घर में बच्चे माँ पिता जी के संस्कार को भूल चुके हो, गलत संगत में लग गए हो और माँ पिता जी का अनादर करते हो वहां भी ये पाठ निश्चित लाभकारी होता है।

किसी भी प्रकार का मानसिक या शारीरिक रोग भले क्यों न हो इसका पाठ लाभकारी होता है। भूत प्रेत की व्याधि भी इस पाठ को करने से स्वतः ही दूर हो जाती है। नौकरी में प्रमोशन में भी ये पाठ विशेष फलदाई होता है। घर का कोई भी सदस्य घर से बाहर हो आपको उसकी कोई जानकारी मिल पा रही हो या न भी मिल पा रही हो तो भी आप अगर इसका पाठ करते है तो सम्बंधित व्यक्ति की निश्चित ही रक्षा होगी। इसके अलावा ऐसे बहुत से लाभ है जो सुन्दरकाण्ड से मिलते है आप सभी इस पाठ का लाभ उठा सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस कर सकते हैं , इसी प्रकार सुन्दरकाण्ड से विषय विशेष की कामना हेतु हनुमान जी को विषय या समस्या याद दिलाने के लिए विशेष मंत्र श्लोक से संपुटित करने पर हनुमान जी की ऊर्जा लक्ष्य पर केन्द्रित होती है।

मैं स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक के. सी. विश्नोई द्वारा के सी प्रकाशन प्रा0 लि0 एस-20 यू.पी.एस.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र सरोजनीनगर जिला लखनऊ से मुद्रित कराकर 109/246 रामकृष्णनगर कानपुर से प्रकाशित
सम्पादकः गौरव विश्नोई Mob. 9415006460 RNI NO. UPHIN/2014/58320 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों का चयन रिपोर्टरों/पीआरबी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों और समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी)

नगर पंचायत में हुआ स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का शुभारम्भ, बनाई गई वॉल पेंटिंग की तारीफ

राजपुर, चित्रकूट। नगर पंचायत राजपुर में स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अंतर्गत चलाये जा रहे स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का रविवार को शुभारंभ किया गया। साथ ही स्वच्छ शौचालय अभियान के तहत बनाई गई वाल पेंटिंग का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कर नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव मिश्रा एवं ब्रांड एंबेसडर सुरेश जायसवाल व जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिवा कुमार ने लोगों को स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता में वार्ड स्तरीय मूल्यांकन के लिए निर्धारित मापदंडों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। चेयरमैन संजीव मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वच्छता मिशन के अंतर्गत समस्त वार्डों की सफाई निरंतर होती रहती है। अब नगर के 15 वार्डों में ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 1,100 अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। पांच दिसम्बर तक मूल्यांकन के बाद उत्तृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन वार्ड को जन जागृति दिवस के अवसर पर छह दिसम्बर को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने स्वच्छ शौचालय अभियान के बारे में भी विस्तृत जानकारी देते हुए 'स्वच्छ शौचालय हमारी जिम्मेदारी थीम के अन्तर्गत नगर के सार्वजनिक तथा सामुदायिक शौचालयों पर स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्यों द्वारा बनायी गयी सांकेतिक वल पेंटिंग का जनप्रतिनिधियों, स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों द्वारा अवलोकन किया गया। इस मौके पर सभासद जितेंद्र कुमार सोनकर, उर्मिला देवी, नथुनिया देवी, मोनू सोनकर, गजराज, ऊदल, राममिलन, रामनारायण, सीता देवी, ज्ञानमती, तरुणी कुमार शुक्ला, रमन कुमार, राजेश कुमार, संजय देवी, शंकर दयाल जायसवाल सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बुंदेलखंड की कई प्रतिभाएं यहां अपने हुनर का जलवा दिखाएंगी

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का एमपी के सीएम करेंगे शुभारंभ

खरी कसौटी ब्यूरो

चित्रकूट। आगामी पांच दिसम्बर को खजुराहो में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस बार जिले में बनी तीन फिल्में सपना देखा है हमने, कालीघाट और बुनियादें प्रदर्शित की जाएंगी। इसके अलावा बुंदेलखंड की कई प्रतिभाएं यहां अपने हुनर का जलवा दिखाएंगी। फिल्म अभिनेता राजेश खन्ना को समर्पित फेस्टिवल का शुभारंभ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव करेंगे।

फेस्टिवल के उत्तर प्रदेश प्रभारी बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि पांच से 11 दिसंबर तक आयोजित खजुराहो फिल्म फेस्टिवल में मुंबई की फिल्मी हस्तियों का जमावड़ा लगेगा। यहां बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को विशेष रूप से मंच प्रदान करने का लक्ष्य रहता है। यहां होने वाले कार्यक्रमों में बुंदेलखंड का जलवा बरकरार रहता है। साथ ही साथ मुंबई के कार्यक्रम दर्शकों को रोमांचित करते हैं। फिल्मी हस्तियों के अलावा मंच पर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मंत्री और केंद्र सरकार के नेताओं की भी मौजूदगी रहेगी। बताया कि इस बार जिले के पाठा क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय बंभिया के बच्चों द्वारा स्वच्छता को लेकर बनाई गई फिल्म सपना देखा है हमने फेस्टिवल में प्रदर्शित की जायेगी। इसके अलावा शार्ट फिल्म बुनियादें और कालीघाट भी दिखाई जायेगी। साथ ही इन फिल्मों से जुड़े कलाकारों को पुरस्त किया जाएगा। बताया कि खजुराहो परिक्षेत्र में पांच टपरा टकीज का निर्माण किया गया है। इनके नाम राजेश खन्ना अभिनीत फिल्मों के नाम पर होंगे। इन्हीं टाकीजों में नवोदित कलाकारों द्वारा बनाई गई सैकड़ों फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। साथ ही रंगमंच तकनीकी कार्यशाला एवं मास्टर क्लास का विशेष आयोजन होगा। जिसमें देश एवं विदेश के प्रतिभागी भाग लेंगे। इसमें भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान पुणे, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली, भारतेन्दु नाट्य अकादमीलखनऊ, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल के विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। कला, साहित्य, पत्रकारिता, समाज सेवा एवं सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जायेगा। इस बार सिनेमा गांव-गांव टूरिंग टाकीज की शुरूआत कर रहे हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में फिल्मों को दिखाने का काम करेगी। फेस्टिवल के उत्तर प्रदेश प्रभारी अजीत सिंह ने बताया कि खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की तर्ज पर जिले में भी फिल्म फेस्टिवल कराने के लिए इस बार प्रस्ताव संयोजक राजा बुंदेला के समक्ष रखा जाएगा। बताया कि जिले में एयर कनेक्टिविटी न होने के चलते फिल्म फेस्टिवल का आयोजन मुश्किल था, लेकिन अब चित्रकूट में भी एयरपोर्ट सुविधा है, ऐसे में अब फिल्म फेस्टिवल जिले में आयोजित कराने का प्रस्ताव खजुराहो में संयोजक राजा बुंदेला के समक्ष रखा जाएगा।

फिल्म फेस्टिवल में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार, डिंपल कपाड़िया, सुनील शेट्टी, टि्वंकल खन्ना, रघुवीर यादव, अनंत महादेवन, महेश मांजरेकर, पंकज त्रिपाठी, बुमन ईरानी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी सहित कई विदेशी कलाकार भी इस फिल्म फेस्टिवल में सम्मिलित होंगे। वहीं खजुराहो फिल्म महोत्सव के गवर्निंग काउंसिल के मनमोहन शेट्टी, रजत बेदी, रमेश सिप्पी, प्रकाश झा एवं चंद्रप्रकाश द्विवेदी विशेष तौर पर इस फेस्टिवल की शोभा बढ़ाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

नि:शुल्क वस्त्र बैंक का शुभारंभ 15 दिसंबर को

औरैया। एक विचित्र पहल सेवा समिति रजि. औरैया की आवश्यक बैठक आवास विकास स्थित वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई पार्क में संपन्न हुई, बैठक की अध्यक्षता बैंक से सेवानिवृत्त तेज बहादुर वर्मा ने की। बैठक में सर्द ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने वाले व जरूरतमंद लोगों हेतु समिति द्वारा नेकी की दीवार नामक नि:शुल्क वस्त्र बैंक के संचालक पर विचार विमर्श किया गया, बैठक में समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी दिनांक 15 दिसंबर रविवार को प्रातः 10 बजे अटल आश्रय गृह में नि:शुल्क वस्त्र बैंक प्रारंभ होगा, समिति के सदस्यों ने नगर वासियों से अपने अनुपयोगी स्वच्छ साफ-सुथरे वस्त्रों, ऊनी कोट, जैकेट, टोपा, मफलर, लोई, रजाई, कंबल, मोजा, दस्ताने, जूता आदि सामग्री अटल आश्रय गृह में संचालित नि:शुल्क वस्त्र बैंक में दान कर जरूरतमंद व बेसहारा लोगों की मदद का हिस्सा बनकर यथासंभव सहयोग करने की अपील की हैं। वस्त्रों के आदान-प्रदान से संबंधित जानकारी के लिए मो.नंबर 9258147505 पर संपर्क किया जा सकता है, ''आओ हम सब मिलकर जनहित की मुहिम'' में हाथ बढ़ाकर सहयोग करें, बैठक के अंतर्गत समिति के नए अध्यक्ष व दसवें वार्षिक स्थापना दिवस-2025 पर विचार विमर्श किया गया, समिति के नये अध्यक्ष पद हेतु मनीष पुरवार (हीरु) ने समाजसेवी राजीव पोरवाल (रानू) के नाम का प्रस्ताव दिया, जिस पर डॉ. एस.एस. परिहार व बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की। समिति के संस्थापक ने बताया कि संस्था के नए अध्यक्ष की शपथ व वार्षिक सम्पूर्ण आय-व्यय के साथ स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह दिनांक 5 जनवरी नववर्ष-2025 को पोरवाल धर्मशाला होमगंज में धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. एस.एस परिहार, राकेश गुप्ता (बैंक वाले), मनीष पुरवार (हीरु), देवमुनि पोरवाल, सुनील अवस्थी, संजय अग्रवाल, सभासद विनोद यादव (कल्लू), राजीव पोरवाल (रानू), संतोष कुशवाहा, आशीष अग्रवाल, मुकेश शर्मा, भाजपा नेता दीपक सोनी, संजय पोरवाल, संदीप श्रीवास्तव, हिमांशु दुबे, सतीश चंद्र आदि सदस्य मौजूद रहे।

संवेदना ग्रुप ने वृद्ध महिलाओं को वितरित की साड़ियाँ

औरैया। जिले की प्रमुख समाजसेवी संस्था संवेदना ग्रुप द्वारा रविवार को संवेदना कार्यालय पर वृद्ध एवं जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियों का वितरण किया गया। संस्था के सदस्यों ने पहले तो वितरण हेतु पात्रों का चयन किया तत्पश्चात भाँति - भाँति की रंग व डिज़ाइन की साड़ियों को व्यवस्थित कर उनको पात्रों की सूची बनाकर वितरित किया गया। इस कार्य में संस्था द्वारा लगभग 101 साड़ियों की व्यवस्था की गयी जिसमें संस्था के सदस्यों द्वारा 60 साड़ी, आचार्य आशुतोष अवस्थी द्वारा 21 साड़ी, पंडित आनंद तिवारी द्वारा 15 साड़ी एवं रीमा विश्नोई पत्नी अनूप विश्नोई जी द्वारा 5 साड़ियों का सहयोग किया गया। वितरण से पूर्व 10 नये सदस्यों ने संस्था की सदस्यता ग्रहण की और सम्मानित किया गया। सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से सौरभ कुमार, जगत नारायण वर्मा, अलोक गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, ब्रजेश सेंगर, अरुण गुप्ता, कुंवर सिंह चौहान, विकास शर्मा, विनय पाण्डेय, दिनकर प्रताप सिंह चौहान आदि लोग रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सौरभ भूषण शर्मा उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में कैप्टन कृपाल सिंह जी एवं समाजसेविका आशा गुप्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक दिनेश गुप्ता एवं डॉध एस एस एस परिहार के कुशल मार्गदर्शन, संस्था की कार्यसमिति सदस्य सूबेदार मेजर गिरेंद्र सिंह परिहार के कुशल संयोजन एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्य आर एन मिश्रा, अनूप सक्सेना, नीरज विश्नोई, अनुज गुप्ता, किशन गहोई, प्रवीण पाल, शिवम् गुप्ता, राघव वर्मा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चंद्रभान सिंह, विजय तोमर सभासद, विनोद यादव सभासद, सुरेश राठौर, आर. एन. मिश्रा, मानस कालरा, स्वतंत्र अग्रवाल, कैप्टन जगपाल सिंह, कैप्टन कृपाल सिंह,राजो गुप्ता, मोहिनी गुप्ता, राधा पोरवाल , लक्ष्मी विश्नोई, गुड्डू चौहान, राकेश गुप्ता, लाल जी गुप्ता, डॉध प्रभन्जन शुक्ला, जीतेन्द्र तोमर, राजकुमार सिंह राम नरेश फ़ौजी, दीपक सोनी, सीता दीदी, आनंद भदौरिया, सुरेश सिंह सेंगर, आमोद पांडेय, अंकित मिश्रा, शिवेंद्र सिंह सभासद, इदरीश मंसूरी, मुलायम प्रधान, दीपांशु पोरवाल (गोलू) आदि लोग उपस्थित रहे।

कवि युगल दीक्षा व प्रशांत को दिल्ली में जापानी हिंदी सेवी सम्मान

औरैया। जापान की अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था हिंदी की गूंज ने शनिवार को भारत समेत विश्व प्रसिद्ध प्रवासी साहित्यकारों को उनके द्वारा हिंदी साहित्य के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि पंडित सुरेश नीरव की अध्यक्षता में देश की राजधानी दिल्ली के गांधी शांति प्रतिष्ठान में आयोजित इस सम्मान समारोह में औरैया के साहित्यकार युगल दीक्षा व प्रशांत अवस्थी प्रखर को भी सम्मानित किया गया। कवि युगल को जापानी हिंदी सेवी सम्मान, हिंदी की गूंज संस्था की संस्थापिका डॉ रमा पूर्णिमा शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर हिंदी की गूंज सृजन एवं सफर पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक में विश्व के चुने हुए साहित्यकारों के साथ दीक्षा तिवारी की अब तक की साहित्यिक उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। प्रशांत को हिंदी की गूंज पत्रिका में पूर्व भारतीय प्रतिनिधि के रूप में अपना योगदान देने के लिए संस्था द्वारा सम्मानित किया गया है।औरैया के बदनपुर निवासी दीक्षा गृहणी हैं और प्रशांत अवस्थी प्रखर शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। दीक्षा और प्रशांत पहले भी देश-विदेश की विभिन्न संस्थाओं के द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर कार्यक्रम में केन्द्रीय हिन्दी संस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल जोशी, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ बी एल गौड़ समेत इंडोनेशिया, अमेरिका, इंग्लैंड,हालैंड आदि देशों से आए हुए साहित्यकारों के साथ भारत के विभिन्न राज्यों से पधारे लगभग सौ से अधिक साहित्यकार उपस्थित रहे। दीक्षा व प्रशांत की इस उपलब्धि पर उनके परिवार व संबंधियों ने आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं।

छात्रों को दी प्रतिभा के अनुसार कैरियर चुनने की सलाह

चित्रकूट ब्यूरो। माध्यमिक शिक्षा परिषद की गाइडलाइन के अनुसार राजकीय हाईस्कूल नोनार में रविवार को करियर मेले का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा के अनुसार बेहतरीन कैरियर चुनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री रामजी ने समस्त छात्र एवं छात्राओं को अनुशासन में रहकर अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम में प्रतिभाग कर अपने परिवार एवं विद्यालय का नाम रोशन करने का मंत्र भी बताया। पहाड़ी थाने के अपराध निरीक्षक प्रभुनाथ यादव ने महिला सशक्तिकरण एवं पुलिस करियर के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। प्रधानाध्यापिका गुंजन ने फैशन डिजाइनिंग, पलिटेक्निक, आर्मी, अध्यापक आदि कैरियर के बारे में जानकारी दी। अभाविप के जिला संयोजक तेज प्रकाश, पहाड़ी नगर मंत्री शिवम चतुर्वेदी, ग्राम प्रधान प्रेमती वर्मा ने भी कैरियर सम्बन्धी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा तैयार की गई पंख डायरी में कक्षा नौ की छात्रा महिमा का प्रदर्शन अच्छा रहा। साथ ही शिवानी, उर्मिला, रोशनी द्वारा शिक्षक पर लघु नाटक का उत्तम रूप देखने को मिला। इसके अलावा छात्र-छात्राओं ने सांस्कृति कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

समारोह पूर्वक आयोजित किया गया चित्रांश सभा का वार्षिकोत्सव

खरी कसौटी ब्यूरो

कार्यक्रम में मेधावियों व उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित

औरैया। चित्रांश सभा का वार्षिक उत्सव रविवार को जालौन चौराहे पर स्थित ईशा वाटिका में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु चित्रगुप्त के पूजन के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में वित्तीय वर्ष के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सक्सेना, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा संतोष निगम एवं अंकित श्रीवास्तव मौजूद रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चित्रांश सभा के अध्यक्ष शिव कुमार श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृति कार्यक्रम, वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा नई एवं पुरानी कार्यकारिणी को भी मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के गाने एवं गीतों पर नृत्य करते हुए आए हुए समाज के लोगों को रोमांचित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक विकास सक्सेना, संरक्षक बुद्धसेन सक्सेना, ज्ञान सक्सेना, भीमसेन सक्सेना, राकेश प्रकाश सक्सेना, सन्तोष सक्सेना, सुभाष श्रीवास्तव, अध्यक्ष शिव कुमार श्रीवास्तव, महामंत्री राहुल सक्सेना, उपाध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव, राजेश सक्सेना, राकेश श्रीवास्तव, अरुण सक्सेना, गौरव श्रीवास्तव, राजेश, राघवेन्द्र सहाय सक्सेना, धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, अखिलेश सक्सेना, विकास सक्सेना, विशाल सक्सेना, अशोक बाबू श्रीवास्तव, अन्नत श्रीवास्तव सहित सभा के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

अस्पतालों में कुत्ते घूम रहे हैं: अखिलेश यादव

खरी कसौटी ब्यूरो

ऐरवाकटरा में एक शादी समारोह में पहुंचे सपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव

बिधूना,औरैया। रविवार को ऐरवाकटरा में सपा के बिधूना विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष रानू पालीवाल के यहां आयोजित एक शादी समारोह में पहुंचे सपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सपा नेताओं कार्यकर्ताओं के साथ आम लोगों से बातचीत कर राजनीति हालातो के साथ जन समस्याओं पर चर्चा की और सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला भी बोला। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इस समय आपातकाल जैसी स्थिति बनी हुई है सरकार पूरी तरह तानाशाही पर उतारू है साथ ही संभल जा रहे सपा नेताओं को उनके घरों में कैद कर रोका जाना शासन प्रशासन की नाकामी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सपा संभल में मारे गए लोगों के पारिवारिक जनों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक मदद करेगी वहीं सरकार को भी मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड रुपए की आर्थिक मदद देनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि इस समय किसानों मजदूरों के साथ आम आदमी परेशान है अस्पतालों में कुत्ते घूमते नजर आ रहे। इस मौके पर एटा के सपा सांसद देवेश शाक्य, सपा के बिधूना विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष रानू पालीवाल, विधायक रेखा वर्मा, विधायक प्रदीप यादव, पूर्व मंत्री विनोद यादव कक्का, पूर्व विधायक प्रमोद कुमार गुप्ता एलएस, सपा जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम, छत्रपाल सिंह वर्मा, लालजी गुप्ता आदि सपा नेताओं के साथ भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

खरी कसौटी ब्यूरो

बांदा। अंतरराष्ट्रीय अमिटी स्कूल और बच्चपन प्ले स्कूल का वार्षिक उत्सव आनंदम सिटी में भव्य रूप से मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद कृष्णा देवी पटेल मौजूद रहीं। दर्षक दीर्घा में बैठे लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की। विशिष्ट अतिथियों में युवराज सिंह, पूर्व विधायक, हमीरपुर; मालती बसु,चेयरमैन बांदा; पूर्व मंत्री शिव शंकर पटेल, पुष्पक तहसीलदार, महोबा; और धनंजय कुमार, नायब तहसीलदार शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, रोहित गोयल, मोती लालवानी,आशीष यादव, निदेशक, ग्लोबस आनंदम सिटी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में अन्य विद्यालयों के प्रबंधक भी उपस्थित रहे। डॉ. मनीष गुप्ता, अंकित कुशवाहा, श्याम निगम, सौरभ यादव, पवनेश यादव,आलोक त्रिपाठी, चंद्र मौली भारद्वाज, रामेंद्र शर्मा, शेख शादी जमा, सुनील सक्सेना, नरेंद्र सिंह, राजेश दुबे, मनु बंसल,अल्बर्ट रस्किन ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और समस्त विद्यालय के शिक्षक-शिक्षाकाओं समेत विद्यालय का स्टाफ और बच्चों के परिजन उपस्थित रहे और कार्यक्रम का लुफ्त उठाते हुए सराहना की कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। नृत्य, गायन और नाटक जैसे कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि सांसद कृष्णा देवी पटेल ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों को छात्रों के सर्वांगीण विकास में उनके योगदान के लिए सराहा। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रबंधक विप्रांश यादव ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, और विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। यह कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाला एक सफल आयोजन रहा।

पारस्परिक समन्वय व प्रेम से सम्पन्न हो संगठन पर्व: कौशलेन्द्र पटेल

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व अभियान के मण्डल अध्यक्ष चुनाव की जिला कार्यशाला का आयोजन रविवार को जिला पंचायत सभागार में किया गया। जिसमें संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में भाजपा के जिला चुनाव अधिकारी कौशलेन्द्र पटेल ने संगठन पर्व को पारस्परिक समन्वय व प्रेम से सम्पन्न कराने के लिए प्रेरित किया। कहा कि इसमें योग्य कार्यकर्ताओं को पदों पर स्थापित कर सम्मान दिया जाएगा। साथ ही संगठन के गठन में लैंगिग समानता को भी सुनिश्चित किया जाए। इसमें सामाजिक समीकरण के आधार पर समायोजन भी किया जाए। कहा कि गुटबाजी संगठन हित में ठीक नही होती है। भाजपा लोकतान्त्रिक मूल्यों की संरक्षक पार्टी है। हम सांगठनिक शक्ति के बल पर विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बने हैं। जिला सदस्यता सत्यापन प्रभारी ब्रिजकिशोर गुप्ता ने कहा कि भाजपा संगठन में सभी जाति वर्ग का समायोजन किया जाए। सभी कार्यकर्ता उत्साह से संगठन पर्व में सक्रिय सहभाग करें। भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कार्यकर्ताओ को मण्डल के प्रत्येक बूथ पर दो सक्रिय सदस्य बनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर जिला सदस्यता प्रमुख चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, जिला सह सदस्यता प्रमुख आलोक पाण्डेय, राघवेन्द्र सिंह, जिला मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी, शिवशंकर सिह, अर्जुन शुक्ला, हरिओम करवरिया, आनन्द पटेल, अश्विनी अवस्थी, राजेश जायसवाल, राघवेन्द्र सिंह, अंजू वर्मा, अश्विनी अवस्थी, पंकज अग्रवाल, हीरो मिश्रा, महेन्द्र कोटार्य, ब्रजेश पाण्डेय, देव त्रिपाठी, प्रेमलाल, मनोज तिवारी, श्रवण पटेल, हेमन्त सिंह, सच्चिदानंद गर्ग, राजेश्वरी, दिव्या, अर्पित जायसवाल, संजय पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, जानकी तिवारी, ओम प्रकाश मिश्र, राकेश कोल, दिनेश पटेल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रतियोगिता में बी बी एस स्मृति विद्यापीठ की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर किया नाम रोशन

औरैया। भारत विकास परिषद पांचाल प्रान्त द्वारा गुरसहायगंज,कन्नौज में प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता का रविवार को आयोजन किया गया जिसमें औरैया, कन्नौज, गुरसहायगंज, फरुखाबाद, भरथना एव जसवंतनगर की 8 टीमों ने भाग लिया। इसी तरह जूनियर वर्ग में 6 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अथिति के रूप में पधारे कन्नौज तहसील के तहसीलदार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।भारत विकास परिषद संस्कार प्रकल्प के अंतर्गत इस प्रतियोगिता का आयोजन पूरे राष्ट्र में करती है। यह प्रतियोगिता चार चरणों मे पूर्ण होती है। प्रथम शाखा स्तर, द्वितीय प्रान्त स्तर, तृतीय रीजन स्तर एव चतुर्थ राष्ट्र स्तर। रविवार को प्रान्त स्तरीय द्वितीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमे बी बी एस स्मृति विद्यापीठ की टीम दिव्यांसी धनगर कक्षा 11 एव हबीबा जैदी कक्षा 11 की छात्रओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गुरुसहाय गंज की टीम ने द्वितीय स्थान एव भरथना की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। अब यह टीम 21 एव 22 दिसम्बर 2024 को रीजन स्तर की प्रतियोगिता जो कि इटावा में होगी,उसमे भाग लेंगी। रीजन स्तर की प्रतियोगिता में पांचाल प्रान्त, बुन्देलखण्ड प्रान्त, ब्रह्ममावर्त प्रान्त,काशी प्रान्त,प्रयाग प्रान्त,गोरक्ष प्रान्त एव नीमष प्रान्त की टीमें भाग लेंगी। इस जीत पर प्रांतीय संरक्षक अशोक त्रिपाठी, प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर रमेश शुक्ला, शाखा अध्यक्ष पी एन मिश्रा,सचिव गोपाल जी वर्मा, जिला समन्वयक डॉक्टर एस एस एस परिहार एव औरैया शाखा के सभी सदस्यों ने टीम को बधाई दी एव प्रान्त में औरैया की टीम के प्रदर्शन पर हर्ष ब्यक्त किया।

युवक का पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला शव

औरैया। खानजहांपुर चिरकुआ गांव के समीप एक युवक का शव ढाक के पेड़ पर मफलर के सहारे फांसी के फंदे पर लटकता मिलने से हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है वही इस घटना से मृतक युवक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बताया गया है कि युवक रात लगभग 10 बजे घर से अपनी वैगनआर कार लेकर निकला था साथ ही घटना स्थल के समीप उसकी कार भी खड़ी मिल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिधूना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खानजहांपुर चिरकुआ निवासी लगभग 22 वर्षीय मंथन मिश्रा पुत्र शिव शंकर मिश्रा शनिवार की रात लगभग 10 बजे अपनी कार लेकर घर से निकले थे। रविवार सुबह खेतों पर शौच क्रिया के लिए निकले लोगों ने गांव के समीप सड़क के किनारे स्थित एक ढांक के पेड़ पर मफलर के सहारे उसका शव फांसी के फंदे पर लटकता देखा। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक युवक की वैगन आर कार भी समीप में खड़ी थी और उसमें चाबी भी लगी हुई थी साथ ही उसका मोबाइल भी उसकी जेब में पड़ा था। घटना की जानकारी मिलते ही बिधूना कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई और मौका मुआयना करने के साथ मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में सीओ बिधूना भरत पासवान ने बताया है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

प्रपत्रों की फीडिंग समय से की जाए : एएसपी

बांदा। एएसपी ने सभी थानों के उप निरीक्षकों, कंप्यूटर ऑपरेटर और सीसीटीएनएस कर्मियों के साथ बैठक का आयोजन हुआ। सभी को गिरफ्तारी और जांच प्रपत्रों समेत विभिन्न पोर्टलों की ससमय फीडिंग करने के निर्देश दिए। एएसपी शिवराज ने पुलिस लाइन सभागार में जनपद के समस्त थानों के उपनिरीक्षकों, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सीसीटीएनएस कर्मियों के साथ बैठक की। इस दौरान सभी को गिरफ्तारी और जांच प्रपत्रों एवं विभिन्न पोर्टलों आदि को ससमय फीड करने के साथ-साथ दुर्घटना संबंधी मामलों में आईआरडीए की फीडिंग एप्लीकेशन की फीडिंग के लिए निर्देशित किया गया। एएसपी ने कहा कि अपराधियों पर पैनी निगाह रखी जाए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी बबेरु सौरभ सिंह व जनपद के समस्त थानों के उपनिरीक्षक, कम्प्यूटर ऑपरेटर व सीसीटीएनएस कर्मी आदि मौजूद रहे।

रोटी बैंक पदाधिकारियों ने मरीजों को वितरित किए फल

बांदा। विश्व एड्स दिवस के मौके पर रोटी बैंक की महिला टीम ने सैकड़ों मरीजों को फलों और बिस्किट का वितरण किया। इसके साथ ही मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। रविवार को जिला महिला चिकित्सालय में रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख सदी जमा के संरक्षण में महिला टीम की अध्यक्ष तबस्सुम फात्मा की अध्यक्षता में महिला टीम की सदस्यों ने फल और बिस्किट का वितरण किया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। महिला टीम की सदस्य रेणुका गुप्ता के नेतृत्व में महिला टीम के विशेष सहयोग से महिला जिला चिकित्सालय की मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनीता सिंह की उपस्थिति में हर अवसरों पर और आज भी विश्व एड्स दिवस पर महिला जिला चिकित्सालय के मरीजों और तीमारदारों को फल, बिस्किट आदि का वितरण किया गया। इसके साथ ही महिला टीम की उपाध्यक्ष तरन्नुम फ़ात्मा और प्रमोद रेखा द्विवेदी की ओर से मरीजों को एड्स और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। फल, बिस्किट आदि पाकर मरीज़ों और उनके तीमारदारों ने रोटी बैंक टीम को आशीर्वाद और दुआओं से नवाज़ा। फल वितरण कार्यक्रम में रिज़वान अली अध्यक्ष, मोहम्मद शमीम कार्यालय प्रभारी, सुनील सक्सेना संगठन मंत्री, अलीम अहमद खान शाखा प्रमुख मर्दननाका, रिया खान महिला महामंत्री, प्रीती शिवहरे महिला संगठन मंत्री, नग्गो खातून, राबिया खान, फूलकली, शहाना खान,अनम खान, खुर्शीद खान सदस्य आदि मौजूद रहे।

लक्ष्य के सापेक्ष हासिल की जाए प्रगति : डीएम

बांदा। डीएम नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में शनिवार देर शाम जिला स्वास्थ्य समिति और पल्स पोलियो की जिला टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों और सभी सूचकांकों की समीक्षा की गई। उन्होंने समीक्षा में पाया कि जननी सुरक्षा योजना में लक्ष्य के सापेक्ष अभी कम संस्थागत प्रसव हो रहे हैं ,जिसमें सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति को हासिल करें। जिलाधिकारी ने टीकाकरण की समीक्षा में पाया गया कि कुछ ब्लॉक कम है उन्हे प्रगति बढ़ाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में यूनिसेफ द्वारा बताया गया कि सपोर्टिव सुपरविजन बहुत कम है जिस पर सभी को निर्देशित किया गया कि समस्त टीकाकरण सत्रों का भ्रमण कराएं। इसी तरह आशा चयन की समीक्षा की गई जिसमें पाया गया कि जनपद में 60 आशाओ का चयन किया जाना था, जिसमें से मात्र 14 का है चयन किया गया।, जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि एक माह के अंदर समस्त आशाओं का चयन करा लिए जाए। उन्होंने आगामी 8 दिसंबर 2024 से शुरू होने पल्स पोलियो कार्यक्रम की सभी तैयारियां को पूर्ण किए जाने के निर्देश चिकित्सा विभाग के संबंधित सभी अधिकारियों को दिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों पल्स पोलियो के दिन अवकाश पर खोले जाने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार, सीएमओ डॉ. अनिल श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

रन फॉर राम का आयोजन: 5 किलोमीटर दौड़े 3 हजार लोग

वाराणसी। क्रीड़ा भारती वाराणसी इकाई द्वारा रविवार की सुबह रन फॉर राम का आयोजन किया गया। इस 5 किलोमीटर लम्बी दौड़ में वाराणसी सहित आस-पास के जिलों के 3 हजार धावकों ने हिस्सा लिया। इसमें कई स्कूली छात्र-छात्राएं भी शामिल थे। सुबह 6 बजे शास्त्री घाट से शुरू हुई यह दौड़ वापस शास्त्री घाट पर समाप्त हुई। इस प्रतियोगिता में पहला स्थान प्रिंस यादव ने जीता। वहीं महिला वर्ग में वाराणसी की वंदना ने प्रथम स्थान हासिल किया। अयोध्या में रन फॉर राम के बाद काशी में इसका सफल आयोजन किया गया। सुबह 6 बजे वाराणसी के शास्त्री घाट से शुरू हुई दौड़ में युअवाओं की संख्या अधिक थी। दौड़ शास्त्री घाट से शुरू होकर जे पी मेहता कालेज, सनबीम स्कूल वरुणा, सेंट्रल जेल रोड, चुंगी तिराहा, संत अतुलानंद स्कूल गिलट बाजार, सदर तहसील,भोजूवीर, अर्दली बाजार, पुलिस लाइन चौराहा, कचहरी चौराहा, द्दउत्रभवन होते हुए वापस समाप्त हुई। इस 5 किलोमीटर के रन फॉर राम में 3 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। रन फॉर राम के आयोजन अध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया- सुबह 6 बजे शुरू हुई इस दौड़ में प्रतिभागियों में काफी उत्साह देखने को मिला और चारों तरफ जय श्रीराम का जयघोष गूंज उठा। इस रन में शामिल युवाओं का जोश देखते बनता था। उन्होंने कहा- इस रेस का मुख्य उद्देश्य समाज में समानता का भाव जागृत करना था। इसीलिए इस दौड़ में यू पी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई स्कूल के 14 वर्ष के ऊपर के बच्चों से लेकर समाज के हर वर्ग के ने शिरकत की। इस दौड़ के विजेताओं को शाम में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में आयोजित भनज संध्या में सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: ईओ ने विद्यालयों की मरम्मत का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। डीएम के निर्देश पर डुमरियागंज नगर पंचायत क्षेत्र में चल रहे परिषदीय विद्यालयों के मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया गया। नगर पंचायत डुमरियागंज के अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव ने अवर अभियंता रवि प्रताप सिंह के साथ मिलकर विभिन्न विद्यालयों में चल रहे छत मरम्मत और टाइलिंग कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी ने सभी कार्यों के मानक और गुणवत्ता की जांच की और संबंधित ठेकेदारों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कार्य में गुणवत्ता और मानक में कोई भी कमी पाई गई तो संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कार्य में कोई भी कमी सामने आती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, राप्ती नदी तट स्थित परशुराम वाटिका में चल रहे बाउंडरी वॉल निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। संबंधित ठेकेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ताकि कार्य में कोई कमी न हो।

आशा बहुओं के योगदान से ही स्वास्थ्य में सुधार संभव

सिद्धार्थनगर। भनवापुर क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शनिवार को आशा बहू एवं आशा संगिनी के लिए एक दिवसीय संवेदीकरण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. शैलेन्द्र मणि ओझा की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं को ग्राम स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए कई अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। डॉ. ओझा ने कहा कि आशा बहुएं स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ की हड्डी हैं और इनके प्रयासों से ही योग्य दंपत्ति, नवजात शिशु, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं और धात्री महिलाओं की बेहतर देखभाल संभव है। उन्होंने विशेष जोर दिया कि आशा बहुएं अपने क्षेत्र में नियमित गृह भ्रमण करें और स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बीएमसी सूर्यदेव सिंह ने टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आशा बहुएं टीकाकरण से एक-दो दिन पहले लाभार्थियों की सूची तैयार कर लें। इसके साथ ही एचईओ राजीव त्रिपाठी और बीसीपीएम मेराज अहमद ने गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण सुनिश्चित करने और उन्हें फोलिक एसिड देने की सलाह दी।

पुलिसकर्मियों को ससम्मान विदाई: एसपी ने सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को सम्मानित किया

सिद्धार्थनगर। पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हुए सात पुलिस कर्मियों को एसपी प्राची सिंह द्वारा पुलिस लाइन सभागार में ससम्मान विदाई दी गई। इस अवसर पर एसपी ने सेवानिवृत्त कर्मियों के सेवा काल के दौरान उनके योगदान की सराहना की और भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बेझिजक संपर्क करने की बात कही। जिले से सात पुलिस अधिकारी व कर्मचारी अपनी पूर्ण सेवा अवधि को ईमानदारी, निष्ठा और लगन से पूरा करते हुए अधिवर्षता आयु पूरी करने के बाद सेवानिवृत्त हुए। इस मौके पर पुलिस लाइन सभागार में एक विशेष विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें एसपी प्राची सिंह ने उन्हें सम्मानित किया। पुलिसकर्मियों से उनका परिचय लिया और उनके सेवा काल के अनुभवों पर चर्चा की। एसपी ने उन्हें माला पहनाकर, शाल और धर्मग्रंथ भेंट कर सम्मानित किया।

आज 15 विशेष रेलगाड़ियों का संचलन करेगा रेलवे

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। 02 दिसम्बर, 2024 को पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/को 09 विशेष गाड़ियाँ तथा पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर 06 विशेष गाड़ियाँ चलाई जायेंगी। छठ पर्व के अवसर पर-उत्तराखण्ड से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 02 दिसम्बर, 2024 को 05097 टनकपुर-दौराई विशेष गाड़ी, टनकपुर से 18.25 बजे चलाई जायेगी। उत्तर प्रदेश से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 02 दिसम्बर, 2024 को 04824 मऊ-जोधपुर विशेष गाड़ी, मऊ से 04.00 बजे चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 09044 गोरखपुर-दहानू रोड विशेष गाड़ी, गोरखपुर से 13.00 बजे चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 05054 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 06.25 बजे पहुँचेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 09043 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी, गोरखपुर 09.30 बजे पहुँचेगी। बिहार से/को चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 02 दिसम्बर, 2024 को 02270 लखनऊ-छपरा विशेष गाड़ी, लखनऊ से 14.15 बजे चलाई जायेगी।

02 दिसम्बर, 2024 को 05298 छपरा-पाटलिपुत्र विशेष गाड़ी, छपरा से 15.20 बजे चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 02269 छपरा-लखनऊ विशेष गाड़ी, छपरा से 23.00 बजे चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 05297 पाटलिपुत्र-छपरा विशेष गाड़ी, छपरा 10.50 बजे पहुँचेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से होकर चलाई जा रही विशेष गाड़ियों का विवरणः 02 दिसम्बर, 2024 को 05538 दौराई-दरभंगा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 04138 बरौनी-ग्वालियर विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 05635 श्री गंगानगर-गुवाहाटी विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 09185 मुम्बई सेन्ट्रल-कानपुर अनवरगंज विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।

02 दिसम्बर, 2024 को 09186 कानपुर अनवरगंज-मुम्बई सेन्ट्रल विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। 02 दिसम्बर, 2024 को 09422 सीतामढ़ी-साबरमती विशेष गाड़ी चलाई जायेगी। स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिये व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से ट्रेन में प्रवेश कराया जा रहा है।

तपस्वी योगी ने लहराया सनातन का परचम : पुरी

खरी कसौटी ब्यूरो

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष बोले, मोदी-योगी ने बढ़ाया हिंदुत्व का मान, देव सेनापति कार्तिकेय का अनुसरण करते हैं निरंजनी अखाड़ा के संत

प्रयागराज। तपस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व में सनातन का ऐसा परचम लहराया है, जो आज तक किसी ने नहीं किया है। 2019 का कुम्भ दिव्य और भव्य था और सीएम योगी की अगुवाई में महाकुम्भ 2025 उससे भी ज्यादा दिव्य और भव्य होगा। ये बातें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हिंदुत्व का मान बढ़ाने वाला बताया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार के महाकुम्भ को अलौकिक रूप देने में लगे हैं, जिसमें देश दुनिया के साधु संत भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इसी क्रम में देशभर के शीर्ष महात्माओं का प्रयागराज में आगमन शुरू हो चुका है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी भी प्रयागराज पहुंचकर अखाड़ों की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि तपस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन का ऐसा परचम लहराया है कि देश विदेश की नजरें भारत पर आकर टिक गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन की परंपरा को बुलंद किया है। देश के ऐसे शीर्ष नेतृत्व ही दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक महा आयोजन को साकार कर सकते हैं। दिव्यता और भव्यता के लिहाज से इस बार का महाकुम्भ सबसे अलौकिक होने जा रहा है, जिसमें पुराने सभी रिकार्ड ध्वस्त होने जा रहे हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने निरंजनी अखाड़ा के माहात्म्य के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि निरंजनी अखाड़ा के संत देव सेनापति कार्तिकेय का अनुसरण करते हैं। इसके अलावा यहां दीक्षा लेने के बाद सभी को गुरु भाई बनाया जाता है। यहां किसी को अलग से नया गुरु बनाने की कोई परंपरा नहीं है। हम सबके गुरु निरंजन देव जी हैं। महाकुम्भ की तैयारियों को लेकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की ओर से वर्षों पूर्व तैयारी शुरू हो जाती है। इस बार के महाकुम्भ को लेकर 3 साल पहले से ही योजनाएं शुरू कर दी गईं। यहां महाकुम्भ में भक्तों के प्रसाद के लिए करीब 3 साल पहले से ही जरूरी संसाधन जुटाए जाने लगे। जिसमें देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ और स्वादिष्ट प्रसाद का इंतजाम किया गया है। जिसमें पांच पांच हजार लोग एक पंक्ति में बैठकर महाकुंभ के पवित्र प्रसाद का आनंद लेंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि इस बार के महाकुम्भ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए साधु संत भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। संपूर्ण मेला क्षेत्र सुगंधित जड़ी बूटियों के हवन से महक उठेगा। यहां सभी सनातनी एकत्र होने जा रहे हैं। महाकुम्भ में दुनिया भर के संत महात्माओं का आगमन हो रहा है। जिसके लिए यज्ञ के माध्यम से संपूर्ण वायुमंडल को सुगंधित बनाए जाने की तैयारी है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि आगामी 26 जनवरी को महाकुम्भ में धर्म संसद का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें देश भर के प्रमुख साधु संत हिस्सा लेंगे। यहीं से सनातन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव तैयार होगा। जिसे केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। हम चाहते हैं कि जो भी बोर्ड बने वह केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त हो। साथ ही हमारी कोशिश है कि इस बोर्ड में कोई भी त्रुटि नहीं होनी चाहिए। 26 जनवरी को संगम की रेती पर चारों पीठ के शंकराचार्य, 13 अखाड़ों के प्रमुख संतों और अन्य धर्माचार्यों को आमंत्रित किया जाएगा।

इंजेक्शन लगते ही मासूम की मौत: शादी के 20 साल बाद हुई थी बच्ची; नर्सिंगहोम में तोड़फोड़

गोरखपुर। एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के दौरान तीन साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। आरोप है कि हॉस्पिटल की नर्स ने लापरवाही करते हुए बच्ची को अधिक डोज का इंजेक्शन दे दिया, जिससे उसकी जान चली गई। मासूम के माता-पिता, जो 20 साल के लंबे इंतजार के बाद माता-पिता बने थे, इस हादसे के बाद पूरी तरह टूट गए हैं। अधिक डोज का इंजेक्शन देने से मौत शिवपुर निवासी सूरज चौधरी अपनी बेटी लाडो को 27 नवंबर को बीमार होने पर इंजीनियरिंग कॉलेज चौकी के पास एक प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गए थे। डॉक्टर की सलाह पर बच्ची को भर्ती कर लिया गया। रविवार सुबह ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स ने इंजेक्शन लगाया, लेकिन इसके तुरंत बाद बच्ची की हालत बिगड़ने लगी और कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया। बच्ची की मां धर्मावती और मौसी माया देवी ने आरोप लगाया कि नर्स ने लापरवाही से अधिक डोज का इंजेक्शन दिया, जिससे लाडो की मौत हुई। इस घटना के बाद हॉस्पिटल में हंगामा मच गया। दुख और गुस्से से भरे परिजनों ने हॉस्पिटल प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए। बच्ची की मौसी ने आरोप लगाया कि मौत के बाद डॉक्टर ने परिजनों को केस दर्ज न करने के बदले पैसे देने की पेशकश की। इस बात ने परिजनों का गुस्सा और बढ़ा दिया। घटना के बाद स्टाफ नर्स डर के मारे मौके से भाग निकली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को शांत कराया और आश्वासन दिया कि मामले की गहन जांच की जाएगी। फिलहाल नर्स की तलाश की जा रही है।

गूगल पर बैंक मैनेजर का नंबर खोजना पड़ा महंगा

गोरखपुर। एयरफोर्स कर्मी मनीष कुमार साइबर जालसाजी का शिकार हो गए। मनीष ने गूगल से बैंक मैनेजर का नंबर सर्च कर कॉल किया था, ताकि अपनी पत्नी का फ्रीज हुआ बैंक खाता अनफ्रीज करवा सकें। लेकिन जालसाज ने खुद को बैंक मैनेजर बताकर उनके खाते से जुड़ी पूरी जानकारी ले ली और 7.49 लाख रुपये का लोन उनके नाम पर स्वीकृत करवा लिया। मनीष कुमार, जो कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) के जयसिंहपुर के मूल निवासी हैं, वर्तमान में गोरखपुर एयरफोर्स में तैनात हैं। हाल ही में उनकी पत्नी के बैंक खाते को अनफ्रीज कराने की समस्या उत्पन्न हुई। समस्या का समाधान ढूंढने के लिए मनीष ने गूगल पर पंजाब नेशनल बैंक (जयसिंहपुर) के मैनेजर का नंबर सर्च किया और कॉल किया।फोन पर बात करने वाले ने खुद को बैंक मैनेजर राकेश बताते हुए खाता अनफ्रीज कराने का भरोसा दिया। उसने मनीष को व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजकर उसे डाउनलोड करने और उसमें बैंक खाता, मोबाइल नंबर, और अन्य विवरण दर्ज करने को कहा। जालसाज ने मनीष को बार-बार कॉल करके उनकी बैंकिंग जानकारी हासिल की। उसने यह भी कहा कि उनकी पत्नी का खाता तभी अनफ्रीज होगा जब वे अपने खाते का विवरण भी दें। मनीष ने उसकी बातों पर विश्वास कर जानकारी साझा कर दी।

पीएम के आगमन से पूर्व पूरा होगा रोड्स के रिन्यूअल का काम

खरी कसौटी ब्यूरो

महाकुम्भ के लिए निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करने में जुटी पीडब्ल्यूडी की टीम, 27 रोड्स के रिन्यूअल का कार्य पूरा

प्रयागराज। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन से पूर्व महाकुम्भ 2025 की तैयारियों को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी ने भी अपनी रफ्तार बढ़ा दी है और पांटून पुलों के साथ-साथ सड़कों के रेनोवेशन के काम में भी तेजी देखने को मिल रही है।

अब तक पीडब्ल्यूडी की ओर से 27 रोड्स का रिन्यूअल किया जा चुका है, जबकि बाकी रोड्स के रिन्यूअल का काम 10 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी तरह 17 रोड्स के सौंदर्यीकरण का कार्य भी 5 दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि पीडब्ल्यूडी के पास कुल 89 परियोजनाएं हैं, जिसमें से करीब 60 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि शेष 10 दिसंबर तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर एके द्विवेदी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी को कुल 92 रोड्स का रिन्यूअल करने का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें विभाग की ओर से अब तक 27 रोड्स का रिन्यूअल किया जा चुका है। शेष रोड्स का रिन्यूअल भी पीएम मोदी के आगमन से पूर्व 10 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। सभी कार्य निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप चल रहे हैं और सभी तरह के रॉ मैटेरियल की सप्लाई साइट्स पर पूरी हो चुकी है। मेला क्षेत्र में 488 किमी. चेकर्ड प्लेट्स बिछाने के लिए सप्लाई पूरी हो चुकी है। रेत की वजह से थोड़ी समस्या आ रही है, लेकिन इसे भी समय पर पूरा कर लिया जाएगा। कोई भी काम निर्धारित लक्ष्य से पीछे नहीं चल रहा है, बल्कि पूरी तैयारी है कि लक्ष्य से पहले ही कार्य को फाइनल कर लिया जाए। उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी को 17 रोड्स के ब्यूटीफिकेशन की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसको पूर्ण करने का लक्ष्य 10 दिसंबर दिया गया था। हालांकि, पीडब्ल्यूडी समय से पूर्व ही यानी 5 दिसंबर तक कार्य पूरा कर लेगा। इसके अतिरिक्त एयरपोर्ट रोड, रसूलाबाद घाट रोड, फाफामऊ-सहसो रोड का कार्य भी समाप्ति की ओर है, जबकि 15 जंक्शंस भी कंप्लीट हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी के पास मेला क्षेत्र की 6 परियोजनाएं हैं, जो कि 10 दिसंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी। वहीं, मेला क्षेत्र के बाहर की 83 परियोजनाएं हैं, जिनमें अधिकांश पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हम रिव्यू कर रहे हैं कि इनमें से कितनी परियोजनाओं को पीएम मोदी द्वारा लोकार्पित कराना है। जल्द ही इसका निर्णय ले लिया जाएगा।

अफेयर में छात्र की हत्या, छात्रा व परिवार हिरासत में

खरी कसौटी ब्यूरो

प्रयागराज। 9वीं के छात्र की सिर कूंच कर हत्या कर दी गई। शनिवार रात 11 बजे घर से 200 मीटर दूर खून से लथपथ छात्र का शव मिला। घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक मोबाइल, एक जोड़ी चप्पल और फरसा बरामद हुआ। पुलिस ने अफ़ेयर में हत्या की आशंका जताई है।

घटना उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल लाला का पुरा गांव की है। पुलिस घटनास्थल पर मिले फोन और चप्पल के आधार पर गांव के एक मुस्लिम परिवार के घर गई। पता चला कि इस परिवार की लड़की छात्र के साथ पढ़ती थी। दोनों आपस में बातचीत करते थे। परिवार कई बार इसका विरोध जता चुका था। पुलिस ने छात्रा, उसकी मां, पिता, दादा और एक अन्य युवक को हिरासत में लिया है। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण गांव में तनाव का माहौल है। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। सराय इस्माइल लाला का पुरा गांव निवासी अश्वनी कुमार यादव सैदाबाद में मीटर रीडर हैं। उनका बेटा शैलेश मोतिहां स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज में नौवीं का छात्र था।

अश्वनी ने बताया कि शनिवार शाम को शैलेश घर पर बैठा था। किसी का फोन आया तो बात करते हुए बाहर निकल गया। इसके बाद रात तक घर नहीं लौटा। मैंने उसे फोन किया तो फोन नहीं लगा। आसपास के लोगों से पूछा, कहीं कुछ पता नहीं चला। गांव के लोगों के साथ पूरे क्षेत्र में तलाश किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। रात करीब 11 बजे घर से 200 मीटर दूर तालाब के पास शैलेश का खून से लथपथ

शव मिला। उसकी सिर कूंच कर हत्या की गई थी। ग्रामीणों ने पुलिस को फोन किया। सूचना पर एसीपी हंडिया सुनील कुमार सिंह पहुंचे। फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम को बुलाया गया। पुलिस ने रात में ही शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक शैलेश तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। शैलेश के साथ पड़ोस की मुस्लिम लड़की पढ़ती थी। दोनों का अफ़ेयर था। इसकी चर्चा पूरे गांव में थी। पुलिस को शव से करीब 40 मीटर दूर कीपैड मोबाइल, एक जोड़ी चप्पल और फरसा बरामद हुआ। फोन और चप्पल छात्रा के पिता के थे। पुलिस ने उसको चप्पल पहना कर चेक किया। इसके बाद पुलिस ने छात्रा और उसके परिवार को हिरासत में ले लिया। सभी से पूछताछ की जा रही है। मृतक छात्र के पिता ने बताया कि जिस स्थान पर बेटे का शव मिला है। वहां 7 बजे गया था तो कुछ नहीं था। रात 11 बजे जब दोबारा वहां पहुंचा तो बेटे का शव पड़ा था। उसकी हत्या की गई थी। आशंका जताई कि आरोपियों ने छात्र को घर बुलाकर मारा होगा। इसके बाद उसका शव ले जाकर तालाब के पास फेंक दिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले उद्यमी, रखीं अपनी मांगें

खरी कसौटी ब्यूरो

गोरखपुर। दो दिवसीय गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उद्यमियों के प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को मुलाकात की। उद्यमियों के संगठन लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में उद्यमी गोरखनाथ मंदिर में सीएम से मिले। उन्होंने ईज आफ डूइंग बिजनेस को और प्रभावी बनाने के लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में कुछ जरूरी बदलावों की जरूरत बताई। उद्यमी बोले कि औद्योगिक इकाइयों के कंपलीशन सर्टिफिकेट के लिए कई विभागों से एनओसी मांगी जा रही है। जबकि इससे छूट मिलनी चाहिए।

मंडल अध्यक्ष दीपक कारीवाल ने बताया कि गीडा में कंपलीशन सर्टिफिकेट के बिना उद्योग को उत्पादनरत नहीं माना जाता है। इकाई संचालक से समय विस्तारीकरण शुल्क मांगा जाता है। 2022 के बाद लगे नये उद्योगों के कंपलीशन सर्टिफिकेट के लिए लगभग 13 प्वाइंट बनाये गए हैं। जिसमें कई विभागों की गगए भी शामिल है। जबकि प्रदेश सरकार ने नये उद्योगों को ईज आफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत 1000 दिनों तक विभागों से गगए लेने की छूट दी है। इसलिए यहां भी गगए की बाध्यता नहीं होनी चाहिए। उद्यमियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कंपलीशन सर्टिफिकेट के साथ्स रेन वाटर हारवेस्टिंग सम्बंधित शपथ पत्र भी मांगा जा रहा है। जो कि छोटे उद्योगों के लिए कठिन कार्य है। सीएम से उद्यमियों ने अनुरोध किया है कि कंप्लीशन सर्टिफिकेट की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। नए उद्योगों को अपने उत्पादन प्रारंभ का प्रमाण देने पर उसे उत्पादनरत मान लिया जाए।

उद्यमियों ने कहा कि आवंटन की तिथि से 2 साल में उत्पादन प्रारम्भ करना होता है। ऐसा न करने पर समय विस्तारीकरण शुल्क लगता है। नये उद्योग के लिए 2 साल का समय कम पड़ता है। इसे 3 साल किया जाना चाहिए। औद्योगिक क्षेत्र / परियोजना के विकास कार्यों के पूरा हो जाने पर एक कट आफ डेट निर्धारित की जानी चाहिए। उसके बाद से 2 साल का समय दिया जाना चाहिए। साथ ही आवासीय योजना में समय विस्तारीकरण नहीं लगना चाहिए। उद्यमियों ने कहा कि उद्योग बंधु की बैठकें उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण के लिए होती हैं। कई बार उद्योग बंधु में उठाए गए मुद्दों का समाधान नहीं हो पाता है। समस्या जस की तस बनी रहती है। अक्सर किसी बिंदु को उद्योग बंधु के एजेंडे से हटने में 6 से 8 मीटिंग का समय लग जाता है। इसलिए ऐसी बैठकों के लिए सभी विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। जिससे उनकी जवाबदेही तय हो और समस्या का समाधान जल्द से जल्द हो सके। उद्यमियों ने गोरखपुर में भी विभाग का एक कार्यालय खोलने की जरूरत बताई। वर्तमान में यह कार्यालय कानपुर और वाराणसी में स्थित है। उद्यमियों ने गोरखपुर में प्रदुषण विभाग के क्षेत्रीय प्रबंधक पद पर तैनाती की भी मांग की। दीपक कारीवाल ने बताया कि सभी मांगों को सीएम ने गंभीरता से सुना है। उसके निराकरण का भरोसा दिलाया है। उनकी ओर से सकारात्मक आश्वासन मिला है। प्रतिनिधि मंडल में महेश कुमार रूंगटा, सुधांशु टिबरेवाल और आशीष खेतान शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रयागराज महाकुम्भ को ईकोफ्रेंडली स्वरूप दे रहे हैं अन्य प्रदेशों से आए श्रमिक, बांस और लकड़ी से कर रहे हैं निर्माण

प्रयागराज। जनवरी 2025 से संगम की रेती पर आस्था का महा समागम महाकुम्भ आयोजित होने जा रहा है। इस आयोजन में पुण्य का भागीदार बनने के लिए देश विदेश से लाखों लोग प्रयाग की इस पुण्य भूमि में वास करेंगे। इसके लिए यहां बड़ी संख्या में अस्थाई शिविरों का निर्माण हो रहा है। कई राज्यों से कामगार और श्रमिक इसमें अपनी सेवा दे रहे हैं। यानी महाकुम्भ दूसरे प्रदेश से आए हजारों लोगों के लिए भी रोजगार का माध्यम बन रहा है। यही नहीं, दूसरे प्रदेशों से आए ये श्रमिक यहां इको फ्रेंडली शिविरों के निर्माण में भी अपना योगदान दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रयागराज महाकुम्भ को दिव्य भव्य, स्वच्छ और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान कर रही है। सरकार की मंशा कुम्भ मेला क्षेत्र को पॉलीथीन मुक्त रखने की है। सरकार की इस मंशा को आगे बढ़ा रहे हैं यहां अस्थाई शिविर लगाने वाली संस्थाएं और साधु संत। अपर कुम्भ मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी बताते हैं कि महाकुम्भ क्षेत्र में इस बार 8 हजार से अधिक संस्थाएं बसनी हैं जो पिछले कुम्भ की तुलना में डेढ़ गुना अधिक हैं। इन संस्थाओं में 4500 संस्थाएं ऐसी हैं जो महाकुम्भ में सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए अपने शिविर लगाती हैं। इन सभी संस्थाओं ने अपने अपने शिविर निर्माण में इस बार बांस से बने शिविर और प्रवेश द्वार निर्माण को प्राथमिकता दी है। शास्त्री पुल के नीचे शिविर का निर्माण करा रहे देवरहा बाबा न्यास मंच के महंत राम दास का कहना है कि महाकुम्भ हो या माघ मेला त्याग और संयम के साथ त्रिवेणी की रेती पर वास करने की परम्परा रही है। इसके लिए कुटिया संस्कृति का भाव बांस से बने शिविरों में ही आता है। इसलिए धार्मिक संस्थाओं में बन रहे शिविरों में ईको फ्रेंडली शिविर बनाने को प्राथमिकता दी जा रही है। अखाड़ा क्षेत्र में श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी में भी 32 कॉटेज बन रही हैं जो बांस के हैं। इस बार चार हजार हेक्टेयर में महाकुम्भ मेला बसाया जा रहा है। मेला क्षेत्र में 25 सेक्टर बनाए जा रहे हैं और हर सेक्टर में 400 से अधिक संस्थाएं बसाई जा रही हैं। इन संस्थाओं को बसाने में हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। बाहर के प्रदेशों से आए कामगारों के अलावा स्थानीय स्तर पर भी हजारों लोगों को इससे काम मिला है। स्थानीय स्तर पर दारागंज, हेतापट्टी, मलवा छतनाग, झूंसी में माघ मेला में शिविरों का निर्माण करने वाले कारीगरों की यहां बहुत मांग है। इसके अलावा टेंटेज का काम करने वाले स्थानीय लोगों को भी महाकुंभ से रोजगार मिल रहा है।

गैस एजेंसी पर डकैती: स्टाफ को गन पॉइंट पर लेकर बंधक बनाया, 147 भरे सिलेंडर लेकर भागे बदमाश

वाराणसी। रविवार तड़के गैस एजेंसी में डकैती हुई। 15 से अधिक बदमाशों ने गार्ड और कर्मचारियों को गन पॉइंट पर ले लिया। फिर बदमाशों ने सीसीटीवी तोड़े और 147 भरे सिलेंडर लेकर भाग गए। बदमाशों ने कर्मचारियों के साथ जमकर गाली-गलौज की और पुलिस को भी चुनौती दी। सभी बदमाश मुंह बांधे थे और एक-दूसरे का नाम नहीं ले रहे थे। वे सिलेंडर को लादकर ले गए। वारदात की जानकारी सुबह कर्मचारियों ने गैस एजेंसी मालिक को दी। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पड़ताल की। हालांकि अभी तक कोई ठोस सबूत हाथ नहीं लगा है। मिर्ज़ामुराद थाना क्षेत्र के छतेरी गांव में इंडेन गैस की एजेंसी है। एजेंसी के पास में ही कंपनी का गोदाम है। इस पर गैस एजेंसी मालिक ने रखवाली के लिए गार्ड प्रमोद तिवारी और देखरेख के लिए कर्मचारी सीताराम पाल को रखा था। दोनों शनिवार की देर रात 2 बजे तक जागते रहे। फिर मेन गेट चेक करके सोने चले गए। इसके बाद लगभग 15-16 बदमाश एजेंसी में दीवार फांदकर घुस गए और तमंचा-चाकू की नोक पर दोनों कर्मचारियों को बंधक बना लिया। दोनों कर्मचारियों को पीटा। उनसे मेन गेट की चाबी ली, फिर कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद अंदर से मेन गेट खोलकर सिलेंडर ले गए। रविवार को अन्य जगहों पर छुट्टी होती है। गैस एजेंसी खुली रहती है। ऐसे में आज ज्यादा संख्या में लोग सिलेंडर लेने पहुंचे थे। सिलेंडर न मिलने पर उन्हें लौटना पड़ा। एजेंसी के प्रबंधक संजय तिवारी की सूचना पर मिर्ज़ामुराद थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एजेंसी पर काम करने वाले एक कर्मचारी ने बताया- एक सिलेंडर की कीमत आज के रेट में 3066 रुपए है। अगर कोई एक सिलेंडर लेता है तो 2200 रुपए सिक्योरिटी मनी और भरे सिलेंडर की कीमत 866 रुपए होती है। इस तरह 3066 रुपए का एक सिलेंडर पड़ता है। ऐसे में 147 सिलेंडर की कीमत करीब 4.50 लाख रुपए होती है। पुलिस ने अब तक 40 से ज्यादा एएद्दद्द फुटेज खंगाले हैं और आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस दोनों गार्ड से पूछताछ कर रही है।

काल भैरव मंदिर में महिला इन्फ्लुएंसर ने केक काटा

वाराणसी। काल भैरव मंदिर के अंदर केक काटने का एक वीडियो सामने आया है। महिला इन्फ्लुएंसर है, जिसका ममता राय है। केक काटते वक्त वहां पर महंत भी मौजूद हैं। वीडियो शुक्रवार का है। महिला अपना जन्मदिन के लिए बाबा काल भैरव मंदिर पहुंची थी। गर्भगृह में महिला ने पहले पूजा की फिर केक काटा। इसकी रील्स बनाकर पोस्ट कर दी। जो 39 सेकेंड की है। सोशल मीडिया पर कई लोग इसका विरोध कर रहे हैं। अब इस मामले में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की एंट्री हो गई है। उन्होंने वाराणसी के पुलिस कमिश्नर को लेटर लिखकर महिला पर एफआईआर करने की मांग की है। अमिताभ ठाकुर ने इन्फ्लुएंसर ममता राय के वीडियो का देखकर आपत्ति जताई। साथ उन पर एफआईआर की मांग की है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर को शिकायती पत्र भेजते हुए कहा-आमतौर पर काल भैरव मंदिर के अंदर गर्भ गृह में लोगों को जाने तक नहीं दिया जाता है। इसके विपरीत इस मामले में ये महिला मंदिर के गर्भ गृह के अंदर चली गई। इसके बाद केक काटा। जो प्रथम दृष्ट्या धारा-298 बीएनएस में उपासना स्थल का अपमान है। किसी धर्म के रीति रिवाज का अपमान नहीं किया जा सकता। उन्होंने बाई पोस्ट एक शिकायती पत्र पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल को पोस्ट किया है। वाराणसी के वॉट्सऐप ग्रुप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ममता एक व्यक्ति के साथ काल भैरव मंदिर के गर्भगृह में पहुंचती हैं। यहां गर्भगृह में रखी दान पेटिका पर रखकर केक काटती हैं। इसके बाद केक भगवान को अर्पित करती हैं। इस मामले के सामने आने के बाद शहर में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कई लोग इसके खिलाफ सोशल मीडिया कैंपेन चला रहे हैं।

महाकुंभ में जाने का बना रहे हैं प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, वरना होगी परेशानी

महाकुंभ का आयोजन भारत में हर 12 साल में एक बार होता है। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला माना जाता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु, साधु-संत, और पर्यटक भाग लेते हैं। महाकुंभ मेले का आयोजन चार प्रमुख स्थानों पर होता है। इन शहरों में हरिद्वार (गंगा नदी), प्रयागराज (गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम), उज्जैन (क्षिप्रा नदी) और नासिक (गोदावरी नदी) शामिल हैं। बात करें इस साल की तो इस साल महाकुंभ का आयोजित प्रयागराज में किया जा रहा है। न सिर्फ भारतीय बल्कि विदेश से भी लोग महाकुंभ में शामिल होने भारत आते हैं। इस साल महाकुंभ में लाखों लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में यदि आप अपने परिवार के साथ महाकुंभ में जाने का प्लान कर रहे हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना आपके लिए जरूरी है। इन सावधानियों का पालन करके आप अपने परिवार के साथ इस आयोजन का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। यदि आप परिवार के साथ महाकुंभ में जाने का प्लान कर रहे हैं तो पहले से ही यात्रा की तारीख, समय और परिवहन का प्रबंधन कर लें। कुंभ मेले के विभिन्न स्नान तिथियों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं, ताकि आपको भीड़ का सामना न करना पड़े। महाकुंभ के समय होटल मिलना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप पहले से ही होटल, धर्मशाला या टेंट सिटी में रुकने की व्यवस्था कर लें। भीड़भाड़ वाले दिनों में ठहरने की जगह ढूंढना मुश्किल हो सकता है। आखिरी समय में आपको होटल या धर्मशाला के लिए अतिरिक्त पैसे देने पड़ सकते हैं। यदि आपके साथ बुजुर्ग और बच्चे भी जा रहे हैं तो आपको सबसे ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है। इस दौरान अपने साथ प्राथमिक चिकित्सा किट और आवश्यक दवाइयां रखें। क्योंकि महाकुंभ जनवरी के समय लगेगा, जब वहां बहुत सर्दी होती है। अपने साथ महाकुंभ में केवल आवश्यक सामान ही साथ ले जाएं। इन जरूरी चीजों में पानी की बोतल, हल्का खाना, और जरूरी कागजात सबसे अहम है। अपने जरूरी सामानों को सही से संभाल के रखें। बच्चों के साथ भीड़भाड़ वाले स्थानों में सतर्क रहें। कुंभ जाने से पहले एक ऐसी जगह का चयन कर लें कि अगर कोई सदस्य बिछड़ जाए, तो वो इसी जगह पर पहुंच जाए। अक्सर कुंभ में बच्चों के खोने का डर होता है। ऐसे में उनके गले में एक आई कार्ड बनाकर लटका दें। इस कार्ड एक से दो मोबाइल नंबर के साथ बच्चे और माता-पिता का नाम और घर का पता लिखें।

सेल्फ हेल्प किताबों से: सहजता से अपनाएं वास्तविकता

किताबों से जानिए, क्यों विनम्रता प्राप्त करना कठिन है? जो लोग हमेशा शिकायत करते रहते हैं वे क्यों जीवन के वास्तविक आनंद से वंचित रह जाते हैं? हम जीवन में हर चीज को लेकर उम्मीदें रखते हैं। अपेक्षाओं को प्रोजेक्ट करके हम केवल यह नहीं तय करते कि वास्तविकता कैसी होनी चाहिए, बल्कि यह भी घोषित कर देते हैं कि हम जानते हैं हमारे लिए क्या बेहतर है। यह अहंकार की पराकाष्ठा है। उम्मीदों को समाप्त करना विनम्रता विकसित करने की दिशा में एक छोटा कदम है। विनम्रता प्राप्त करना कठिन है। यह एक बहुत धीमी और प्राकृतिक प्रक्रिया है। (एलिमिनेट एक्सपेक्टेशंस) खुशी, दरअसल एक अर्जित कौशल है। एक मानसिक निर्णय है। जो लोग हमेशा शिकायत करते रहते हैं, वे जीवन के वास्तविक आनंद से वंचित रह जाते हैं। जब हम किसी चीज को बुरा मानते हैं, तो वह हमारे अनुभव में वास्तव में बुरी लगने लगती है। खुशी वह नहीं है, जो तब मिलती है जब सब कुछ आपके अनुसार होता चला जाता है; खुशी वह है, जो तब होती है जब आप खुश रहने का फैसला कर लेते हैं। (बीइंग हैप्पी)

दूसरों से प्रेम करने के लिए आपको पहले स्वयं से प्रेम करना होगा।

आप केवल वही दे सकते हैं जो आपके पास है। प्रेम कोई वस्तु नहीं जिसे देने से वह समाप्त हो जाए। यह ज्ञान के समान है। एक बुद्धिमान व्यक्ति अपनी सारी शिक्षा दूसरों को सिखाता है और फिर भी उसके पास वह ज्ञान रहेगा जो उसने सिखाया है। लेकिन उसे वह ज्ञान होना चाहिए। ऐसे ही आप दूसरों को प्रेम भी तभी दे सकते हैं जब वो आपके पास है। (लव योरसेल्फ)

जीवन में जोखिम उठाएं, क्योंकि जोखिम ही परिवर्तन की कुंजी है

जीवन का मार्ग चुनें। प्रेम का मार्ग चुनें। देखभाल का मार्ग चुनें। आशा का मार्ग चुनें। कल पर विश्वास का मार्ग चुनें। भरोसे का मार्ग चुनें। अच्छाई का मार्ग चुनें। यह आपके ऊपर निर्भर है। यह आपका चुनाव है। आप निराशा भी चुन सकते हैं। आप दुःख भी चुन सकते हैं। आप दूसरों के लिए जीवन को असहज बनाना भी चुन सकते हैं। आप पक्षपात भी चुन सकते हैं। यदि आप अपने जीवन की जिम्मेदारी लेने का निर्णय करते हैं, तो आपको जोखिम उठाना पड़ेगा। जोखिम ही परिवर्तन की कुंजी है। (चूज द वे ऑफ लाइफ)

उत्तर-पूर्वी एशिया में स्थित कोरिया के पश्चिम की ओर चीन और पूर्व की ओर जापान स्थित

कोरियाई आख्यानों में भी यमदेव के समान देवता

उत्तर-पूर्वी एशिया में स्थित कोरिया के पश्चिम की ओर चीन और पूर्व की ओर जापान स्थित है। हालांकि प्राचीन काल से चीन और जापान दोनों ने कोरिया पर कब्जा करने का प्रयास किया, लेकिन कोरिया ने उनका कड़ा प्रतिरोध किया। अपनी स्वतंत्र पहचान स्थापित करने का एक तरीका था अपने सृजन का एक ऐसा आख्यान निर्मित करना जिससे कि संपूर्ण कोरिया के लोग एकजुट हो सके।

इस आख्यान के अनुसार आकाश के देवता ह्वानिन के सबसे छोटे पुत्र ह्वानुंग मनुष्यों को सभ्य बनाने हेतु कोरिया आए। ह्वानुंग के दूसरे भाई पश्चिम की ओर चीन तथा यूरोप और दक्षिण की ओर भारत गए। ह्वानुंग आकाश से टेबेक पर्वत पर स्थित एक पवित्र पेड़ के नीचे पहुंचे। उनके साथ कई आकाशीय जीव थे जो अपने साथ उन सभी चीजों का ज्ञान लाए थे जो मनुष्यों को सभ्य बना सकते थेः कृषि, मत्स्य पालन, पशुपालन, बुनाई, चिकित्सा और शिक्षा।

एक बाघ और एक भालू ने इस आकाशीय राजकुमार से मिलकर मनुष्य बनाए जाने की इच्छा व्यक्त की। राजकुमार ने उन्हें कुछ लहसुन और जड़ी बूटी खाकर सौ दिनों तक सूर्य से दूर रहने के लिए कहा। लेकिन बाघ यह नहीं कर पाया और इसलिए बाघ ही बना रहा। इक्कीसवें दिन पर भालू एक सुंदर महिला में बदल गया। फिर राजकुमार ने इस महिला से विवाह किया, जिसने टेबेक पर्वत पर पेड़ के नीचे दांगुन नामक पुत्र को जन्म दिया। दांगुन, जिसके पिता स्वर्ग से थे और जिसकी मां एक भालू थी, ने गोजोसीऑन में कोरिया का पहला राज्य स्थापित किया। यहां आज नार्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग स्थित है। संपूर्ण कोरिया के लोगों को एकजुट करने के लिए इस कहानी का प्रसार किया गया। लेकिन कोरिया के कई प्रांत हैं, जो पहाड़ों के कारण एक-दूसरे से अलग हैं। प्रत्येक प्रांत के अपने-अपने निराले आख्यान हैं। ऐसे ही एक आख्यान के अनुसार धरती और स्वर्ग एक आकाशीय जीव आदिम पिता के शरीर से उत्पन्न हुए। आदिम माता ने कई जुड़वां संतानों को जन्म दिया और वे स्वर्गीय जीव बन गए। ये स्वर्गीय जीव धरती पर रहने आए। शुरू में वे शुद्ध थे और धरती का दूध पीकर संतुष्ट थे। कुछ समय बाद उनकी संख्या इतनी बढ़ गई कि उनके लिए दूध कम पड़ने लगा।

इसलिए कुछ स्वर्गीय जीवों को अंगूर खाकर पेट भरना पड़ा। फलस्वरूप उनके दांत उगने लगे। वे जंगल की आवाजें सुनने लगे और स्वर्ग की आवाज सुन नहीं पाए। उनकी त्वचा खुरदरी और पपड़ीदार बन गई। स्वर्ग के राजकुमारों सहित कोरिया के लोगों के पिता ने स्वयं स्वर्ग से आकर इन असभ्य लोगों को अपनी स्वर्गीय शुद्धता फिर से खोजने में मदद की। चीनी आख्यानशास्त्र की तरह कोरिया का आख्यानशास्त्र भी मानता है कि स्वर्ग परिपूर्ण है। वह भी दैवी राजाओं के आदेशों से उसे धरती पर दोबारा निर्माण करने का प्रयास करता है। वह निसर्ग का सम्मान करता है और मानता है कि विश्व में अच्छी और बुरी दोनों तरह की आत्माएं होती हैं। उसमें कई दिलचस्प कहानियां हैं - यमदेव के समान देवताओं की जो मृतकों की आत्माएं इकठ्ठा करते हैं, कुंवारियों, कुमारों और डूबे हुए मछुआरों के भूत बन जाने की और जादुई तथा नटखट पिशाचों की जो तब जन्म लेते हैं जब घरेलु वस्तुओं पर खून लगता है। कुछ अन्य कहानियों में तीन पैरों वाले कौवे संरक्षक आत्माएं होती हैं, खूंखार प्राणी वर्षा और प्राचुर्य लाते हैं, आग उगलने वाले श्वान सूर्य और चंद्र को पकड़कर ग्रहण का निर्माण करते हैं, सींग वाले शेर सुरक्षा और न्याय बनाए रखते हैं और वृद्ध लोमड़ियों में मनुष्यों को फुसलाकर उनका वध करने की क्षमता होती है। कोरिया के आख्यानशास्त्र में भारत के अयोथा की राजकुमारी की कहानी भी है, जिसने कोरिया के एक राजकुमार से विवाह किया था। यह कहानी संभवतः मध्यकालीन तमिल व्यापारी समुदायों के संदर्भ में है। लेकिन अब यह कहानी अयोध्या से जुड़ गई है। इन लोककथाओं का प्रभाव हम आधुनिक साउथ कोरिया के शानदार टेलीविजन सीरियल (के-ड्रामा) में देखते हैं। विश्वभर में प्रसिद्ध हुए ये ड्रामा इस बात का प्रमाण हैं कि आख्यानशास्त्र के बिना संस्कृति का निर्माण असंभव है।

रखना चाहते हैं नैनी तो इन बातों का रखें ध्यान

आजकल की माताएं व्यस्त हैं, नौकरी, घर-परिवार, बच्चे, रिश्ते, सबको संभाल रहीं

आज से करीब दस साल पहले हिंदी सिनेमा में एक फिल्म आई थी- 'शादी के साइड इफ़ेक्ट्स'। इसका एक डायलॉग आज के परिप्रेक्ष्य में बिल्कुल सही जान पड़ता है- आज बच्चे संस्कार बाई और ड्राइवर से सीख रहे हैं। दरअसल, फिल्म में विद्या बालन को अपनी छोटी-सी बच्ची के लिए नैनी की जरूरत थी और इला अरुण (जो नैनी के किरदार में थीं) से बात हो रही थी। जब बात पेमेंट पर आई तो उनकी हाई-फाई सैलरी जानकर विद्या ऊहापोह में पड़ गईं। तब इला अरुण पूरे आत्मविश्वास से उन्हें जवाब देती हैं कि पहले बच्चे संस्कार घर में दादा-दादी और नाना-नानी से सीखते थे, लेकिन आज यह काम उन लोगों पर आ गया है। अगर कोई गलत नैनी आ गई तो बच्चे चोरी करने और गाली देने के साथ ही गलत आदतें भी सीख जाते हैं।

उनकी यह बात काफी हद तक सही भी है। आज जब महिलाएं घर से बाहर कदम रख रही हैं, देर शाम घर लौट रही हैं तो ऐसी स्थिति में बच्चों की परवरिश उनकी देखभाल के लिए रखी गई बाई या अंग्रेजी भाषा में कहें तो नैनी पर आ गई है। देखा जाए तो हमारे देश में नैनी की परंपरा काफी पुरानी रही है। पहले इन्हें 'धाय मां' कहकर पुकारा जाता था। राणा सांगा की पन्ना धाय मां तो अपनी कर्तव्य परायणता और त्याग के कारण इतिहास में अमर हो गईं। आज यही धाय मां मॉडर्न 'नैनी' का अवतार ले चुकी है। आम परिवारों में भी नैनी रखने का प्रचलन बढ़ चला है, जिसका एक बड़ा कारण संयुक्त परिवार के ढांचे का बदलकर एकल परिवार हो जाना है। साथ ही महिलाएं भी काम पर जा रही हैं, ऐसे में बच्चों की देखभाल, उन्हें स्कूल से लाने, ले-जाने जैसे काम नैनी के जिम्मे होते जा रहे हैं। इन हालात में यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि आप किसी भरोसेमंद और सही महिला को ही अपने बच्चे की देखभाल के लिए नियुक्त करें तो अच्छा है, क्योंकि आधुनिक होते इस जमाने में अपराध भी आधुनिक होते जा रहे हैं।

ऐसे में आपके जिगर के टुकड़े की जिम्मेदारी किसी दूसरे को सौंपना यकीनन आम बात नहीं है। आप बच्चे से दूर रहकर अपने काम पर भी तभी ध्यान दे पाएंगी, जब बच्चे की देखभाल कर रही नैनी से पूरी तरह संतुष्ट होंगी। इसलिए चाहें किसी भी माध्यम से आप नैनी रखने वाली हों, कुछ बातों का ध्यान तो रखना ही होगा।

आप अपने बच्चे को यूं किसी के पास छोड़कर नहीं जा सकतीं। इसलिए किसी भी नैनी को रखने से पहले उसकी पृष्ठभूमि की जांच अवश्य करें। अगर आप एजेंसी से नैनी हायर कर रही हैं तो केवल एजेंसी द्वारा पेश की जा रही जानकारियों पर भरोसा न करें, बल्कि अपनी ओर से उसके बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास करें। पता करें कि वह पहले कहां काम करती थी। ऐसा करके आप उसके बारे में काफी कुछ जान सकती हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि वह भरोसेमंद हो और उसे बच्चे को संभालने का अनुभव हो, विशेष रूप से उस उम्र के बच्चों का, जिस उम्र में आपका बच्चा है। इसके बाद सबसे जरूरी है उसके महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सत्यतता की जांच करना, जैसे कि आइडेंटिटी कार्ड, वोटर आईडी, पता, फोन नंबर, मेडिकल रिपोर्ट कार्ड और बाकी जरूरी दस्तावेज। जब आप सभी चीजों से संतुष्ट हो जाएं तो नैनी के साथ एक लिखित अनुबंध बनाएं, जिसमें उसकी जिम्मेदारियां, समय और वेतन संबंधी सभी बातें स्पष्ट हों। आप लिखित अनुबंध और उसके सभी दस्तावेजों की एक या दो कॉपी अपने पास सुरक्षित रखें। आप नैनी को बच्चे की जिम्मेदारी सौंपने जा रही है, तो जरूरी है कि आप यह सुनिश्चित करें कि वह प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन स्थिति में बच्चे की सुरक्षा के प्रति कितनी सचेत है। क्या वह जरूरत पड़ने पर आपके या अन्य संपर्कों के नंबर पर घर की वस्तुस्थिति से अवगत करा सकती है? अगर बच्चे की लिए पढ़ाई के लिए डिजिटल साधनों के उपयोग की आवश्यकता है तो देखें कि नैनी को उसकी जानकारी है या नहीं। साथ ही छोटे बच्चों के लिए वह कितनी साफ-सफाई बरतती है और खुद किसी बीमारी से पीड़ित तो नहीं है?

एक नैनी का स्वभाव धैर्यवान और सहयोगी होना चाहिए। इसलिए आप उसके साथ बातचीत करके उसका व्यवहार और आचरण को समझने की कोशिश करें। आप नैनी को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्ट रूप से जानकारी दें और यह सुनिश्चित करें कि वह इन सभी जिम्मेदारियों को समझती हो और उन्हें निभाने के लिए तैयार हो। साथ ही नैनी को समय प्रबंधन करना भी बखूबी आना चाहिए। आपको उसकी उपलब्धता और समय की पाबंदी का ध्यान रखना चाहिए। वह अपने दिए गए समय पर आ रही है या नहीं? सब कुछ व्यवस्थित तरीके से करती है या नहीं? वह अन्य कामों के साथ बच्चे का सही से ख्याल रख रही है या नहीं? ये सब देखने और आश्वस्त होने के बाद ही आप उसे नियमित करें, वरना बाद में बेवजह की परेशानी हो सकती है। इन सावधानियों के बाद भी आपकी नैनी ठीक से काम कर रही है या नहीं, इसकी खबर रखना आपकी जिम्मेदारी है, क्योंकि आपके पीछे बच्चा और घर उसी के हवाले रहते हैं। बच्चे की देखभाल करने वाले से कुछ रचनात्मक सुझावों का स्वागत करना अच्छी बात है, खासकर तब, जब वह आपके बच्चे के साथ अपना ढेर सारा समय बिताती है। लेकिन अगर आपको लगता है कि पोषण, नींद और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर आप दोनों एकमत नहीं हैं और उल्टा वही हर वक्त आपको नसीहत देती रहती है तो हो सकता है कि यह रिश्ता लंबे समय तक न टिक पाए। एक मां अपने बच्चे की नींद और भूख के बारे में सब जानती है, इसलिए कभी आपको लगे कि बच्चा आपके लौटने पर ऐसे खाता है, जैसे उसने पूरे दिन कुछ खाया ही न हो या हमेशा थका हुआ दिखे तो यह भी एक गलत संकेत हो सकता है। संभव है कि नैनी आपके बच्चे की देखभाल सही तरह से न कर रही हो। असल में, बच्चों का व्यवहार उनकी मनोदशा के बारे में काफी कुछ कह देता है, इसलिए यदि आप नैनी रखने के बाद अपने बच्चे को डरा हुआ, चिंतित, अलग-थलग या उसके व्यवहार में कोई गंभीर परिवर्तन देखें तो सचेत हो जाएं। बच्चे कुछ भी बताने के लिए बहुत छोटे और अबोध होते हैं, लेकिन उनका बदला हुआ व्यवहार आपके लिए खतरे की घंटी हो सकता है।

पैसा कमाकर सिक्योर होने की कोई सीमा नहीं, अंधी दौड़ से दूरी ही बेहतर

दिलजीत दोसांझ इन दिनों देशभर में शो कर रहे हैं, और इनके शो हाउसफुल ही चल रहे हैं। पैसा कमाने के उद्देश्य को उन्होंने कैसे अपने जीवन से अलग किया, उन्हीं की जुबानी...

बचपन में मुझे अक्सर मां बोलती थीं कि हमारा बेहद सामान्य परिवार है, सरकारी नौकरी वाले लोग हैं, लेकिन तुम सोच बड़ी रखो। खूब काम करो और खूब पैसा बनाओ। उस वक्त से ही मेरे मन में यह बात बैठ गई कि पैसा तो बनाना है क्योंकि यह बहुत जरूरी है और इसके बिना जीवन नहीं है। 2020 तक मेरी यही सोच रही कि खूब पैसा कमाना है। मैं पैसे के पीछे भागता रहा। जो भी शो आया, मैंने मना नहीं किया। शादियों में भी खूब गाया। 18 साल की उम्र में पहली एलबम आई और तब से 30 साल की उम्र तक मैं केवल शो के पीछे भागता रहा।

2020 में समझा कि पैसा बनाना जिंदगी नहीं है। पैसा कमाना कामयाबी नहीं है। मैं कभी पैसे के पीछे भागने वालों में से था ही नहीं। यह अहसास मुझे 2020 में हुआ। मैं शायद घरवालों की सीख के कारण ऐसा कर रहा था। उस वक्त मैंने खुद से सवाल किया कि आखिर कितना पैसा कमाकर मैं खुद को सुरक्षित महसूस करूंगा...? अहसास हुआ कि इसकी तो कोई सीमा ही नहीं है, सिक्योर होने की कोई सीमा होती ही नहीं। आप उस डर में भागते रहते हैं कि फिर वहां ना पहुंच जाएं, जहां से आए थे। आप खत्म हो जाएंगे, लेकिन ये रेस नहीं थमेगी। मुझे अहसास हुआ कि मैं इस रेस के लिए दुनिया में नहीं आया। कोई भी रेस के लिए इस जहां में नहीं आया है, उसे केवल इसका अहसास नहीं है। यह सारी बात मुझे संगीत से समझ आई। मैं किताबें नहीं पढ़ता, कुछ ऐसा नहीं देखता जिससे इंस्पायर हो सकूं। मुझे केवल काम ही सिखाता है। मेरे संगीत ने मुझे यह समझ दी कि अंधी दौड़ से बाहर रहने में ही समझदारी है।

पैसे की भूख और सफलता की भूख... ये दोनों अलग हैं। आपका माहौल तब तक बना रहेगा जब तक अंदर सफल होने की भूख कायम है। आप कभी अप्रासंगिक हो ही नहीं सकते। एक समय बाद जरूर आप इन चीजों से ऊपर उठेंगे और अपनी जिंदगी एंजॉय करेंगे। आपको अहसास होगा कि यह जीवन पैसा कमाने, खाने-पीने और सोने के लिए नहीं है। आपको अपने होने का उद्देश्य समझ में आने लगेगा। हर स्टेज की अलग परीक्षा किसी भी गेम में आपको उतना ही मिलता है जितना आप डिजर्व करते हैं। कई बार लोग बोलते हैं कि इस बंदे को जितना मिल गया है, वो उतना डिजर्व नहीं करता है... लेकिन यह गलत है। आपको किसी एक सिचुएशन में डाला जाए तो आप जितना झेल सकते हैं, वही आपकी लिमिट है। आप जितना झेलते हैं उतना आपको मिलता है। हर स्टेज की अलग परीक्षा होती है। निरंतरता ही सबकुछ है सफल होने की कोई रणनीति नहीं होती। अगर आप ईमानदारी के साथ लगातार मेहनत करते रहते हैं, तो एक समय बाद वो अच्छा समय आता ही है। केवल लगातार काम करना ही आपको मूल्यवान बनाता है। निरंतरता ही सबकुछ है। आप सफलता का दरवाजा काम करते हुए लगातार खटखटा सकते हैं। वो दरवाजा एक दिन तो खुलेगा ही... यह तय है। (विभिन्न इंटरव्यूज में संगीतकार-एक्टर दिलजीत दोसांझ)

जानकारी इस बात का ध्यान रखें कि अगर आप अपनी पत्नी से या पार्टनर से मैसेज के जरिए बातचीत कर रहे हैं तो इस तरह के मैसेज कभी नहीं करने चाहिए

भूल से भी पत्नी को न भेजें इस तरह के मैसेज

रिश्ते में संवाद बहुत जरूरी है। प्रेमी युगल हों या पति-पत्नी, हर कोई अपने पार्टनर के साथ वक्त बिताना चाहता है, बातें करना चाहता है। हालांकि जो कपल एक दूसरे से दूर होते हैं यानी लॉन्ग डिस्टेंस में होते हैं, उनके लिए एक दूसरे के साथ वक्त बिताना कुछ मुश्किल होता है। उनके बीच संवाद ही एक ऐसा जरिया है जो रिश्ते को मजबूत बनाने में सहायक हो सकता है। संवाद के लिए कपल एक दूसरे को कॉल कर सकते हैं, वीडियो कॉल कर सकते हैं या मैसेज भेज सकते हैं।

व्यस्तता या अन्य कारणों से कपल अगर एक दूसरे से फोन पर बात नहीं कर पाते, तो दिनभर में कुछ संदेशों के जरिए पार्टनर को महसूस करा सकते हैं कि वह उनसे दूर नहीं हैं। हालांकि यही मैसेज कभी कभी कपल के बीच विवाद की वजह भी बन जाते हैं, क्योंकि लोगों को पता ही नहीं होता है कि उन्हें अपने साथी को किस तरह के मैसेज भूल से भी नहीं करने चाहिए। मैसेज के जरिए की गई बातचीत में भावनाओं की सही अभिव्यक्ति मुश्किल हो सकती है, ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि अगर आप अपनी पत्नी से या पार्टनर से मैसेज के जरिए बातचीत कर रहे हैं तो इस तरह के मैसेज कभी नहीं करने चाहिए। अपनी पत्नी या पार्टनर के मैसेज का जवाब एक शब्द में देना या सिर्फ इमोजी भेजना उनके दिल को ठेस पहुंचा सकता है। पत्नी बार-बार मैसेज कर रही है तो इसका मतलब है कि वह आपको याद कर रही हैं या उनका आपसे बात करने का मन है लेकिन आप उन्हें इमोजी या एक शब्द में उत्तर देते हैं तो इसका अर्थ ये है कि आप व्यस्त है और उनसे बातचीत में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। अगर आप सच में व्यस्त भी हैं तो उन्हें स्पष्ट शब्दों में ये बात बताएं और उन से थोड़ी देर में बात करने को कहें। पत्नी से मैसेज में बात करते वक्त गुस्से में मैसेज न करें। ये आपके रिश्ते के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है। गुस्से में कही गई बाते भले ही आप बिना सोचे समझे कह देते हैं लेकिन आपके शब्द पार्टनर के दिल को चोट पहुंचा सकते हैं। जिससे रिश्ते में दरार आ सकती है। इसलिए अगर गुस्सा आए तो कुछ देर के लिए फोन दूर रख दें और खुद को शांत करें। पार्टनर से शांति से ही बात करें और उन्हें अपनी भावनाएं समझाएं। मैसेज के दौरान ये पता नहीं होता कि पार्टनर का मूड कैसा है। कई बार पति अपनी पत्नी को लगातार मैसेज करते रहते हैं, जिसका पार्टनर जवाब नहीं दे पातीं। हो सकता है कि आपकी पति किसी काम में व्यस्त हों, या उनका मूड ठीक न हो या वो दफ्तर में किसी मीटिंग में हों। ऐसी स्थिति में उनके देर से जवाब देने या आपके मैसेज का रिप्लाई न देने पर आप उन्हें लगातार मैसेज करते हैं तो ये भी पत्नी को परेशान करने जैसा हो सकता है। इससे पत्नी नाराज हो सकती है या इरिटेट होने लगती हैं। उनके रिप्लाई का इंतजार करें। बार बार मैसेज करके परेशान न हों और न उन्हें करें। अगर फिक्र हो रही है तो कॉल करके पता कर लें कि पत्नी किसी परेशानी में तो नहीं। किसी जरूरी बातचीत को आप कॉल पर या आमने सामने होकर सुलझाएं। मैसेज के जरिए लंबी वार्तालाप या पत्नी से सवाल जवाब न करें। इससे उन्हें आपकी भावना समझने में दिक्कत आ सकती है और वह आपके सवाल जवाब से परेशान हो सकती हैं। जैसे बार बार पत्नी से ये पूछना कि वह क्या कर रही हैं, घर कब तक लौटेंगी, उन्हें फला काम किया या नहीं, नहीं तो क्यों नहीं? आदि। सवाल जवाब से अधिक आपकी फिक्र उन्हें पसंद आएगी।

क्या ब्रेकअप के बाद दोबारा आपके पास वापस आ जाएगा एक्स-पार्टनर

जहां प्यार है वहां तकरार भी है। प्रेमी युगल छोटी-बड़े विवादों के बाद एक दूसरे से ब्रेकअप कर लेते हैं। हालांकि गुस्सा शांत होने पर वह साथी को मना लेते हैं और फिर एक दूसरे के साथ रिश्ते में आ जाते हैं। कई बार उनके बीच गंभीर ब्रेकअप हो जाते हैं। ऐसे में लोग अपने साथी को छोड़कर मूव आन कर लेते हैं। आज के दौरान में ब्रेकअप के बाद दूसरी बार रिलेशनशिप में आना भी सामान्य हो गया है। लेकिन अगर आप अपने एक्स को भुला नहीं पा रहे हैं और पैचअप करना चाहते हैं यानी उनके साथ दोबारा रिश्ते में आना चाहते हैं तो ये समझने की जरूरत है कि क्या आपका एक्स पार्टनर भी यही चाहता है। जब दोनों साथी ब्रेकअप के बाद एक दूसरे को याद करते हैं तो वह फिर से पैचअप कर लेते हैं लेकिन अगर एक पार्टनर का साथ वापस चाहता है और दूसरा मूव ऑन कर जाए तो मामला जटिल हो जाता है। वापस अपने एक्स को जीवन में लाना आसान नहीं। सबसे पहले तो आपको ये जानने की जरूरत है कि क्या एक्स पार्टनर आपसे पैचअप करना चाहता है। क्या आपका एक्स वापस आपके साथ रिश्ते में आने के लिए तैयार है? इन संकेतों से जानिए कि ब्रेकअप के बाद एक्स से पैचअप करें या नहीं? अगर आपका एक्स पार्टनर आपके संपर्क में हो और आपके जीवन में क्या चल रहा है, ये जानने में रुचि दिखाएं तो समझ जाएं कि वह अब भी आपको याद करते हैं और दोबारा इस रिश्ते में आने के लिए तैयार हैं। आप अपने एक्स पार्टनर को फोन करें या किसी भी माध्यम से संपर्क करें और वह आपके संपर्क को काट दे या बातचीत में रूचि न दिखाएं तो समझ जाएं कि वह आपके साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहता है। इसके अलावा अगर एक्स ने आपको फोन या सोशल मीडिया के हर अकाउंट से डिलीट व ब्लॉक कर दिया हो तो भी समझ जाएं कि वह आपसे दूर रहना चाहते हैं।

अब और तोहमत बर्दाश्त नहीं...

गुड न्यूज: दिल्ली के पड़ोस में पराली जलाने के मामले हुए कम?

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ सालों की तरह इस बार भी दिल्ली की हवा बेहद खराब स्थिति में है। दिसंबर की पहली तारीख को भी एक्यूआई 345 दर्ज किया गया। ये हालात तब हैं जब इस बार पराली जलाने के मामलों में काफी कमी आई है। खास तौर पर हरियाणा में इस बार पराली जलाने के मामले बेहद कम आए हैं।

वायु प्रदूषण के लिए हर बार किसानों पर सवाल उठाए जाते थे। ऐसे में इस बार किसानों ने खास प्लानिंग से पराली कम जलाए। हर साल इस समय कुरुक्षेत्र के पेहोवा, शाहाबाद और बस्सी जैसे गांव के खेतों में जली हुई पत्तियां आम बात थी। ऐसा इसलिए क्योंकि ये राज्य के मुख्य धान उगाने वाले जिलों में से एक है। हालांकि, इस बार ऐसा कम नजर आ रहा। इस बार कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, जींद, फतेहाबाद और सिरसा जैसे जिलों में किसानों ने पराली जलाने के बजाय उसे बेलर मशीनों से गांठों में बदल दिया। इसकी वजह बेलर मशीनों की बढ़ी हुई उपलब्धता और सरकार की ओर से दी जा रही सब्सिडी है। इसके अलावा, मानसून के समय पर खत्म होने से किसानों को खेत साफ करने के लिए ज्यादा समय मिला। हालांकि, पराली के निपटारे का काम अभी आधा ही हुआ है। बची हुई पराली को बिजली संयंत्रों तक पहुंचाने की जरूरत है, जिसके लिए सरकार की मदद जरूरी है।

इस साल हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में भारी कमी देखी गई है। विभाग के सैटेलाइट डेटा के मुताबिक, 15 सितंबर से 25 नवंबर के बीच राज्य में 1,315 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गईं। ये पिछले साल की इसी अवधि के 2,285 मामलों से 42 फीसदी कम है। 2021 में, राज्य में 6,995 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई थीं, जो हाल के वर्षों में सबसे खराब आंकड़ा था। इस साल की गिरावट महज संयोग नहीं है। किसानों और सरकारी अधिकारियों के अनुसार, यह पराली प्रबंधन की योजना के सफल क्रियान्वयन का नतीजा है। बेलर मशीनों की बढ़ी उपलब्धता और सरकारी सब्सिडी ने किसानों को पराली जलाने के बजाय उसे गांठों में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अलावा, समय पर मानसून की विदाई होने से किसानों को खेत साफ करने और रबी फसल की बुवाई की तैयारी के लिए ज्यादा समय मिला।

कुरुक्षेत्र जिले के पेहोवा, शाहाबाद और बस्सी जैसे गांवों में, जो राज्य के प्रमुख धान उत्पादक क्षेत्रों में से एक है, इस समय खेतों में जले हुए धान के अवशेष आम दृश्य हुआ करते थे। लेकिन इस साल, कई किसानों ने पराली नहीं जलाई। उन्होंने बेलर मशीनों का इस्तेमाल करके पराली को गांठों में बदल दिया। 25 एकड़ ज़मीन के मालिक विकास सिंह ने बताया कि नई मशीनों ने इस बार बहुत बड़ा बदलाव लाया है। मुझे पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ी। वह खेत में रखी पराली की गांठों की ओर इशारा करते हुए कहते हैं, जो बेलर मशीन के पास ढेर में रखी हैं। रबी की फसल बोने से पहले खेतों को साफ करने की जल्दबाजी में किसान धान के पुआल में आग लगा देते थे। हरियाणा और पंजाब के कई जिलों में ऐसा ही होता है, और पिछले एक दशक में यह दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की सबसे बड़ी समस्या बन गया है। इस साल, बहुत से ऐसे किसानों ने, जो सालों से पराली जलाते आ रहे थे, ऐसा नहीं किया। इसकी वजह बेलर मशीनों की ज्यादा उपलब्धता थी, जिससे वे पराली को गांठों में बदलकर व्यवस्थित कर सके।

नई अमेरिकी सरकार› जय भट्टाचार्य, उषा वेंस, विवेक रामास्वामी को दी जिम्मेदारी

ट्रंप शासन में दिखेगा भारतवंशियों का दबदबा

खरी कसौटी ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघीय जांच ब्यूरो के डायरेक्टर पद के लिए अपने निकट सहयोगी एवं विश्वासपात्र काश पटेल को नामित किया। यह सेलेक्शन ट्रंप के इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि सरकार की कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। साथ ही ट्रंप ने अपने विरोधियों के विरुद्ध प्रतिशोध की इच्छा जताई है। ऐसे में इस पद के लिए पटेल का चयन मायने रखता है। इस तरह ट्रंप के नए प्रशासन एक और भारतवंशी को महत्वपूर्ण स्थान मिला है। जानते हैं ट्रंप प्रशासन में किन भारतीय-अमेरिकी को अहम जिम्मेदारी मिल चुकी है।

काश पटेल की नियुक्ति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही। पटेल अमेरिका में कानून व्यवस्था और नेशनल सिक्योरिटी को मजबूत करने पर फोकस करेंगे। 44 वर्षीय पटेल 2017 में तत्कालीन ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के अंतिम कुछ हफ्तों में अमेरिका के कार्यवाहक रक्षा मंत्री के 'चीफ ऑफ स्टाफ' के रूप में भी काम कर चुके हैं। पेशे से वकील पटेल का संबंध गुजरात में वडोदरा से रहा है। पटेल भारत में अयोध्या में बने राम मंदिर को लेकर दिए बयान की वजह से भी चर्चा में रहे थे। निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने विवेक रामास्वामी को नए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) के लिए चुना है। बिजनेसमैन रामास्वामी का काम सरकार को सलाह देना होगा। भारतवंशी रामास्वामी करोड़पति शख्स हैं और एक दवा कंपनी के फाउंडर भी हैं। विवेक रामास्वामी राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल थे लेकिन बाद में उन्होंने अपनी दावेदारी वापस ले ली। इसके बाद उन्होंने ट्रंप का समर्थन करने का फैसला किया था। भारतीय प्रवासी के 39 वर्षीय पुत्र रामास्वामी पहले भारतीय-अमेरिकी हैं जिन्हें ट्रंप ने अपने प्रशासन में शामिल किया है। उनके पिता वी गणपति रामास्वामी पेश से इंजीनियर हैं, जबकि उनकी माता गीता रामास्वामी मनोचिकित्सक हैं। उनके माता-पिता केरल से अमेरिका चले गए थे। सिनसिनाटी, ओहियो में जन्मे और पले-बढ़े, भारतीय मूल के बिजनेसमैन राष्ट्रीय स्तर के टेनिस खिलाड़ी थे। उन्होंने हार्वर्ड से बायोलॉजी में ग्रेजुएशन की। इसके बाद उन्होंने अपनी खुद की बायोटेक कंपनी, 'रोइवेंट साइंसेज' शुरू की। बायोटेक बिजनेसमैन की शादी अपूर्वा से हुई है, जो गले की सर्जन हैं। वे ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी वेक्सनर मेडिकल सेंटर में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर हैं। वे कोलंबस, ओहियो में रहते हैं और उनके दो बेटे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की पूर्व सदस्य तुलसी गबार्ड 'डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस' (डीएनआई) के रूप में सेवाएं देंगी। गबार्ड चार बार सांसद रह चुकी हैं। वह 2020 में वह राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए उम्मीदवार भी थीं।

ट्रंप ने भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक जय भट्टाचार्य को देश के टॉप हेल्थ रिसर्च एवं वित्त पोषण संस्थानों में से एक, 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ' (एनआईएच) के निदेशक के रूप में चुना है। इसके साथ ही भट्टाचार्य, ट्रंप द्वारा शीर्ष प्रशासनिक पद के लिए नामित होने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं। डॉ. भट्टाचार्य रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के साथ मिलकर राष्ट्र के मेडिकल रिसर्च की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे। भारतीय-अमेरिकी वकील उषा चिलुकुरी वेंस उस समय चर्चा में आईं, जब उनके पति जे डी वेंस को रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नामित किया गया। ट्रंप-वेंस की जीत के साथ, 38 साल की उषा अमेरिका की सेकंड लेडी बनने वाली हैं। इस भूमिका में उषा पहली भारतीय-अमेरिकी होंगी। उषा, ओहियो के सीनेटर जे डी वेंस (39) के साथ खड़ी थीं, जब ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद समर्थकों को संबोधित किया।

दिल्ली में इंटरनेशनल ड्रग तस्करी गैंग का पर्दाफाश, 3 करोड़ की चरस बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के क्राइम ब्रांच की टीम ने इंटरनेशनल ड्रग तस्करी करने वाले एक बड़े गैंग का पर्दाफाश किया है। साथ ही 3 करोड़ रुपये की कीमत का चरस भी बरामद किया है। इस मामले में पांच ड्रग तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 15 किलो से ज्यादा फाइन क्वालिटी का चरस जब्त किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गंगा अंकित, प्रदीप कुमार और उसके बाकी और तीन साथियों के रूप में हुई है। जिनमें एक महिला भी शामिल है। डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को इस गैंग के बारे में जानकारी मिली थी। पता चला कि गैंग में शामिल लोग नेपाल और हिमाचल प्रदेश से चरस की खेप भारत में लाते हैं। इसे अलग-अलग राज्यों में पहुंचाते हैं। उस जानकारी पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के एसीपी राजकुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर विकास पन्नू, सब इंस्पेक्टर अमरेंद्र सिंह, सहायक सब इंस्पेक्टर योगेंद्र, हेड कांस्टेबल अमित, महिपाल, पवन और अनुज की टीम ने इन आरोपियों को पकड़ने के लिए छानबीन करना शुरू किया। फिर पांच आरोपियों को दबोचने में कामयाबी पाई। पुलिस ने कुल 15 किलो 670 ग्राम फाइन क्वालिटी का चरस बरामद किया गया है। जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 3 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बरामद चरस को हरियाणा, दिल्ली के अलावा हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग शहरों में पहुंचाया जाना था। इस गैंग में शामिल दो आरोपियों प्रेम थापा और मोहम्मद जमील को पहले गिरफ्तार किया गया। यह दोनों चंडीगढ़ और निहाल विहार इलाके में रह रहे थे। इनके पास से 1192 ग्राम कमर्शियल क्वांटिटी का चरस बरामद किया गया।

यूरोप में तबाही मचा सकती है रूसी ओरेशनिक मिसाइल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ओरेशनिक मिसाइल सिस्टम के सीरियल प्रोडक्शन की शुरुआत का ऐलान कर दिया है। ओरेशनिक या हेजल मिसाइल एक अत्याधुनिक एडवांस हथियार है, जिसे रणनीतिक ठिकानों पर सटीक और तेज हमले करने के लिए डिजाइन किया गया है। पुतिन ने बताया है मिसाइल का पूर्ण पैमाने पर उत्पादन शुरू करते हुए इसे बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा। पुतिन के ऐलान ने यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के देशों की चिंता को बढ़ा दिया है।

यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने कहा है कि ओरशेनिक सामूहिक विनाश का हथियार नहीं है। यह ICBM से अलग है, जो आमतौर पर परमाणु युद्ध से जुड़े होते हैं। पुतिन ने कहा कि ओरशेनिक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी नहीं है। यह एक उन्नत, सटीक टारगेटिड हथियार है, जो सटीकता के साथ विनाशकारी शक्ति प्रदान करने में सक्षम है। ओरशेनिक सिस्टम का युद्ध में इसी महीने परीक्षण किया गया है। 21 नवंबर 2024 को छह वॉरहेड से लैस इस मिसाइल को यूक्रेनी शहर निप्रो पर पहली बार दागा गया था। एक्सपर्ट ने इस हमले को असामान्य बताया है, जिसमें विस्फोट कई घंटों तक चलते रहे थे। ओरेशनिक एक मिडियम रेंड की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसमें हाइपरसोनिक वॉरहेड हैं। यह तकरीबन तीन किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से अपने टारगेट की तरफ जाती है। रूस का कहना है कि मिसाइल की रफ्तार इसे मौजूदा वायु रक्षा और मिसाइल रक्षा प्रणालियों के लिए अभेद्य बनाती है, जिसमें यूरोप में नाटो सहयोगियों की प्रणालियां भी शामिल हैं। पुतिन का कहना है कि फिलहाल कोई एयर डिफेंस सिस्टम इस मिसाइल को रोक नहीं सकता है। ओरेशनिक एक परमाणु हथियार नहीं है लेकिन जब बड़े पैमाने पर हमलों में इसका इस्तेमाल किया जाता है तो ये परमाणु हथियारों के बराबर ही तबाही मचा सकती है। 4,000 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान के साथ इस मिसाइल के वारहेड विस्फोट के दायरे में सब कुछ धूल में बदल देते हैं। रूस की ओरेशनिक मिसाइल इस लिहाज से अहम है कि ये इससे पूरे यूरोप में हमला किया जा सकता है। ऐसे में यूरोपीय देशों की चिंता बढ़ गई है। रूस के पास ओरशनिकक मिसाइलों का सीमित भंडार है क्योंकि उन्होंने अभी तक पूर्ण पैमाने पर उत्पादन शुरू नहीं किया है।

इतिहास के चुनिंदा लोगों का ही किया गया महिमामंडन...

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इतिहास में कुछ लोगों के योगदान को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने और कई स्वतंत्रता सेनानियों को भुला देने पर निराशा जताई। धनखड़ रविवार को दिल्ली के भारत मंडपम में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की 138वीं जयंती पर पहुंचे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की तारीफ करते हुए उन्हें एक कुशल राजनीतिज्ञ,दूरदर्शी और राष्ट्रवादी बताया। उन्होंने किसानों के कल्याण और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के बीच संबंध पर भी प्रकाश डाला। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में इतिहास के कुछ चुनिंदा लोगों के महिमामंडन पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इतिहास की किताबों में भारत की आजादी का श्रेय कुछ ही लोगों को दिया जाता है,जबकि कई अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

यह कार्यक्रम भारत मंडपम में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह की 138वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था। धनखड़ ने इस अवसर पर 1915 में पहली भारत सरकार के गठन का भी जिक्र किया और ऐतिहासिक तथ्यों को सही ढंग से प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारी इतिहास की किताबों ने हमारे नायकों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा इतिहास तोड़ा-मरोड़ा गया है,जिससे कुछ लोगों का एकाधिकार बन गया है,जिन्हें हमें आजादी दिलाने का श्रेय दिया जाता है। यह हमारे विवेक पर एक असहनीय पीड़ा है। यह हमारी आत्मा और हृदय पर बोझ है। उन्होंने इतिहास के इस विकृत रूप पर निराशा जताई और ऐतिहासिक वृत्तांतों में महत्वपूर्ण बदलाव की मांग की। उन्होंने 1915 में पहली भारत सरकार के गठन का जिक्र करते हुए इसे इन मुद्दों पर विचार करने का एक उपयुक्त अवसर बताया। धनखड़ ने कहा कि कितना बड़ा अन्याय,कितनी बड़ी त्रासदी। अपनी आजादी के 75वें वर्ष में,हम राजा महेन्द्र प्रताप सिंह जैसे महापुरुषों के वीरतापूर्ण कारनामों को स्वीकार करने में विफल रहे हैं, बुरी तरह विफल रहे हैं। हमारे इतिहास ने उन्हें वह स्थान नहीं दिया जिसके वे हक़दार हैं। हमारी आजादी की नींव,उनके और अन्य गुमनाम या कम-ज्ञात नायकों के सर्वोच्च बलिदानों पर बनी है। उसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने इस उपेक्षा को न्याय का मजाक बताया और उन लोगों को उचित सम्मान देने के लिए ऐतिहासिक गलतफहमी को सुधारने के महत्व पर जोर दिया,जिन्होंने भारत की आजादी की नींव रखी।

धनखड़ ने राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में किसानों के कल्याण के महत्व पर भी बात की। उन्होंने किसानों की भलाई को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य से जोड़ा और किसानों से बातचीत के माध्यम से अपने मुद्दों को हल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि आपस में न लड़ें या अपने ही लोगों को धोखा न दें,यही हम अपने दुश्मनों के लिए रखते हैं। हमारे लोगों को गले लगाया जाना चाहिए। जब तक किसानों के मुद्दे अनसुलझे रहेंगे,कोई कैसे आराम कर सकता है?

मंत्री का आरोप- बांग्लादेश में भारतीय बस पर हमला

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने आरोप लगाया कि अगरतला से कोलकाता जा रही एक बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर घटी। राज्य मंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया पर बस की तस्वीरें साझा की। उन्होंने बताया कि इस घटना से बस में सवार भारतीय यात्री सहम गए। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि उन्हें बस पर हमले की सूचना मिली और वे इस घटना के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। राज्य परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा, ''त्रिपुरा से कोलकाता जा रही श्यामोली परिवहन बस पर बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया में विश्व रोड पर हमला किया गया। इस घटना से बस में सवार भारतीय यात्री सहम गए।

बस अपनी लेन में चल रही थी, तभी एक ट्रक ने जानबूझकर उसे टक्कर मार दी। इस दौरान एक ऑटोरिक्शा बस के सामने आ गया और बस एवं ऑटोरिक्शा की टक्कर हो गई।'' उन्होंने आगे कहा, ''इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस में सवार भारतीयों को धमकाना शुरू किया। उन्होंने भारत विरोधी नारे भी लगाए। इस दौरान बस में सवार यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। सुशांत चौधरी ने आगे कहा मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं। इसके साथ ही मैं पड़ोसी देश के प्रशासन से भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करता हूं।'' बता दें कि कोलकाता और अगरतला के बीच बसों का संचालन ढाका के रास्ते किया जाता है. इससे यात्रा की दूरी आधे से भी कम हो जाती है। यह विमान यात्रा से सस्ती पड़ती है और असम से ट्रेन से यात्रा करने करने की तुलना में कम समय लगता है। ट्रेन से यात्रा करने में 30 घंटे लगता है। इस घटना पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा मुझे जानकारी मिली है कि अगरतला से यात्रियों को लेकर कोलकाता जा रही बस पर शनिवार को ब्राह्मणबरिया में विश्व रोड पर हमला हुआ। उन्होंने आगे कहा बांग्लादेश में हालात अच्छे नहीं हैं। बांग्लादेश की सरकार कैसे काम कर रही है?

दिल्ली चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन नही: केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी अकेले अपने दम पर लड़ेगी। कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली में विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। यानी अगले साल जनवरी में किसी भी समय विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। फरवरी में चुनाव होंगे और नई सरकार का गठन होगा।

लोकसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं। दिल्ली में लोकसभा चुनाव दोनों एक साथ लड़े थे। हालांकि इसमें दोनों पार्टियों को कोई भी सीट नहीं मिली। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले इंडि और कांग्रेस सीट-बंटवारे के समझौता नहीं हो सका। इसके बाद दोनों अलग-अलग चुनाव लड़े थे। केजरीवाल ने शनिवार को उनके ऊपर पदयात्रा के दौरान पानी फेंके जाने की घटना के लिए भी भाजपा और गृह मंत्री अमित शाह को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा थी कि अमित शाह दिल्ली की कानून व्यवस्था सुधारने ठोस कदम उठाने के निर्देश देंगे लेकिन उन्होंने मुझपर ही हमला करा दिया। केजरीवाल ने दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए फिर एक बार केंद्र सरकार पर हमला किया।

उन्होंने कहा- दिल्ली में बिजनेसमैन को फिरोती के कॉल आते हैं। पैसे न देने पर दुकान के बाहर फायरिंग हो जाती है।पिछले 2-3 साल में दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बत्तर होती जा रही है।

इससे पहले केजरीवाल ने शुक्रवार को शनिवार को पंचशील पार्क में भी कानून व्यवस्था पर गृह मंत्री अमित शाह पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था- मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं - आप इसके खिलाफ कब कार्रवाई करेंगे? जब से वे गृह मंत्री बने हैं, दिल्ली में स्थिति बद से बदतर होती चली गई है। आप विधायक नरेश बाल्यान को शनिवार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई साल 2023 के जबरन वसूली मामले में की गई। केजरीवाल ने बाल्यान को गैंगस्टर का विक्टिम बताया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल पहले बाल्यान को लगातार फोन आ रहे थे। उनसे फिरौती मांगी जा रही थी। परिवार और बच्चों को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। इसके बाद बाल्यान ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवाई। केजरीवाल ने एफआईआर की कॉपी भी दिखाई। उन्होंने कहा कि नरेश बाल्यान को कपिल सांगवान उर्फ नंदू के कई कॉल आए। शनिवार को ही भाजपा ने उत्तम नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक बाल्यान का एक ऑडियो क्लिप जारी किया था। भाजपा का कहना है कि नरेश का संबंध गैंगस्टर से है और वह वसूली गैंग चलाते हैं। वो हवाला के जरिए पैसों का लेनदेन करते हैं। बाल्यान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ड्रु में अमित के पोस्ट को रिट्वीट किया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने इस ऑडियो को गलत बताते हुए सभी चैनलों से फर्जी खबर को हटवाया था। ये कई साल पुराना मामला है। जब केजरीवाल ने कानून व्यवस्था पर भाजपा को घेरा तो ये कई साल पुरानी फर्जी खबर लेकर आए हैं। शराब नीति केस में 13 सितंबर को जेल से छूटने के बाद अरविंद केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद आतिशी ने 21 सितंबर को नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी।

गुरु वह होता है, जिसने आत्मनियंत्रण की उपलब्धि करने में सर्वव्यापी ब्रह्म के साथ एकरुपता प्राप्त कर ली है

हमारी आध्यात्मिक साधना में गुरु की भूमिका मित्रता की उच्चतम अभिव्यक्ति

मनमोहन मिश्र

अन्धकार हटाने वाला एक सच्चा, ईश्वर प्राप्त गुरु वह होता है, जिसने आत्मनियंत्रण की उपलब्धि करने में सर्वव्यापी ब्रह्म के साथ एकरूपता प्राप्त कर ली है। ऐसा व्यक्ति विशेष रूप से किसी साधक को उसकी पूर्णता की ओर आन्तरिक यात्रा में सहायता प्रदान करने में समर्थ होता है।

क वल एक गुरु (सिद्ध पुरुष), जो ईश्वर को जानता है, दूसरों को सही ढंग से ईश्वर के बारे में शिक्षा दे सकता है। व्यक्ति को अपनी दिव्यता को पुनः पाने के लिए एक ऐसा ही सदुरु चाहिए। जो निष्ठापूर्वक गुरू का अनुसरण करता है वह उसके समान हो जाता है, क्योंकि गुरु अपने शिष्य को अपने ही स्तर तक उठने में सहायता करता है। गुरु शिष्य सम्बन्ध मित्रता की उच्चतम अभिव्यक्ति है- क्योंकि यह निःशर्त दिव्य प्रेम और बुद्धिमता पर आधारित होता है। यह सभी सम्बन्धों में सबसे उन्नत एवं पवित्र होता है। दैवीय/ईश्वरीय खोज में सफल होने के लिए, जैसा कि जीवन के हर पहलू में होता है, ईश्वरीय/दिव्य नियमों का पालन करना अनिवार्य है। विद्यालय में उपलब्ध धर्मनिरपेक्ष ज्ञान को समझने के लिए तुम्हें उस शिक्षक से सीखना होगा जो उस विषय का ज्ञाता हो। उसी प्रकार आध्यात्मिक तथ्यों को समझने के लिए ईश्वर प्राप्त गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक का होना आवश्यक है।

जब तुम जीवन की घाटी में से दृष्टिहीन, अंधेरे में ठोकर खाते हुए, आगे बढ़ रहे हो तब तुम्हें किसी ऐसे व्यक्ति की सहायता चाहिए जो देख सकता हो। तुम्हें एक गुरु की आवश्यकता होती है। संसार में फैली हुई अव्यवस्था से बाहर आने के लिए किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का अनुसरण ही केवल एक रास्ता है। अपने गुरु को मिलने से पहले मैंने कभी भी सच्ची प्रसन्नता और स्वतंत्रता को नहीं पाया। मेरे गुरु मुझ में आध्यात्मिक तौर पर रुचि रखते थे और मेरा मार्गदर्शन कर पाने में समर्थ थे।

अपने हृदय से ईश्वर को निरंतर पुकारो। जब आप ईश्वर को यह विश्वास दिला देते हैं कि आप केवल उनके लिए लालायित हैं, तो वह आपके पास आपके गुरु को भेजते हैं जो आपको सिखाता है कि ईश्वर को कैसे जाना जाए। केवल वही जो ईश्वर को जानता है दूसरों को भी उसे जानना सिखा सकता

है। जब मैंने ऐसे व्यक्ति को पाया, तब मुझे समझ आया कि ईश्वर रहस्यमय तरीके से नहीं बल्कि उन्नत आत्माओं द्वारा सिखाते हैं। ईश्वर अदृश्य हैं किन्तु जो उनके साथ निरंतर संपर्क में है, उनकी बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक अनुभवों के द्वारा वह दृष्टिगोचर होते हैं। किसी के जीवन में बहुत से शिक्षक हो सकते हैं, पर गुरु केवल एक ही होता है। गुरु शिष्य सम्बन्ध में एक दैवीय नियम परिपूर्ण होता है जैसा कि वशिष्ट के जीवन में भी दर्शाया गया है जब उन्होंने बैप्टिस्ट यूहन्ना को अपने गुरु के रूप में स्वीकार किया। जिसे ईश्वर साक्षात्कार प्राप्त है और जिसे स्वयं ईश्वर ने आत्माओं को मुक्त कराने का आदेश दिया है, केवल वही गुरु है। केवल 'मैं गुरु हूँ' यह सोचकर कोई गुरु नहीं बन सकता। सच्चा गुरु केवल ईश्वर द्वारा निर्देशित होता है, जब उन्होंने कहा कि जिस पार ब्रहम परमेश्वर ने मुझे भेजा है उनके लाए बिना कोई मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता। गुरूओं ने सारा श्रेय ईश्वरीय शक्ति को दिया। यदि कोई शिक्षक अहंकाररहित है, तो आप जान लें कि केवल ईश्वर उस गुरु के देह मन्दिर में वास करते हैं; और जब आप ऐसे गुरु के साथ तादात्मय बिठा लेते हैं तब आप ईश्वर के साथ अपना तादात्मय बिठा लेते हैं। गुरू अपने शिष्यों से बार-बार कहते हैं जो मुझे स्वीकार करेगा, वह मुझे नहीं बल्कि उसे स्वीकार करेगा जिसने मुझे भेजा है।

जो गुरु लोगों की पूजा स्वयं स्वीकार करता है वह केवल अपने अहंकार का पुजारी है। कोई मार्ग सच्चा है या नहीं, यह जानने के लिए देखिए कि किस प्रकार का गुरु उसके पीछे है, कि उसके व्यवहार से क्या ऐसा लगता है कि वह भगवान द्वारा निर्देशित है, या केवल अपने अहंकार द्वारा निर्देशित है। जो गुरु ईश्वर प्राप्त नहीं है ईश्वर का साम्राज्य नहीं दिखा सकता, चाहे उसके कितने भी अनुयायी हों।